THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 69 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.9 2083 मंगलवार, 9 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, 32 की मौत

4.5 फीट से ज्यादा ऊंची लहरें उठीं, 200 से ज्यादा घायल

मनीला, 8 जून (एजेंसियां)। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक अब तक 32 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है।

ममता के 20 सांसद टूटे

> एनडीए का समर्थन करेंगे > स्पीकर को जानकारी दी > एक राज्यसभा सांसद का भी इस्तीफा

कोलकाता, 8 जून (एजेंसियां)। विधायकों के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने भी ममता का साथ छोड़ दिया है। लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। सांसद और टीएमसी की पूर्व नेता काकोली घोष दस्तीदार ने भी सोमवार को यही दावा किया। उन्होंने बताया कि 20 सांसदों ने एनडीए को समर्थन देने की जानकारी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को दे दी है। जल्द ही स्पीकर को पत्र भी भेज दिया जाएगा।

इनमें से 11 सांसदों ने सोमवार दोपहर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर पर मीटिंग की। इस दौरान बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी भी इनसे मिलने पहुंचे। इस बैठक में लोकसभा सांसद काकोली घोष, शताब्दी रॉय, अबू ताहिर, अरूप चक्रवर्ती, खलीलुर रहमान, शर्मिला सरकार, असित मल, कालीपद सोरेन, जगदीश बसुनिया और प्रसून बनर्जी मौजूद रहे। लोकसभा में टीएमसी के अभी 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है। टीएमसी के 20 सांसदों की रविवार देर रात दिल्ली के एक अज्ञात स्थान पर अनौपचारिक बैठक भी हुई। इसमें सांसदों ने मौजूदा नेतृत्व व्यवस्था को लेकर असंतोष जताया। सोमवार को इस बैठक की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई। कई टीएमसी सांसद एक मेज के आसपास बैठे दिखाई दे रहे हैं। उस समय एक सांसद के फोटो खींचने पर विवाद भी हुआ। इसमें सुखेंदु शेखर रे भी बैठे दिखाई दे रहे हैं। अब एनडीए को कोई भी बिल पास कराने में आसानी होगी। सरकार परिसीमन और उससे जुड़े महिला आरक्षण बिल को पास करा सकती है। 18 अप्रैल को जब परिसीमन बिल पर वोटिंग हुई थी, तो बिल के पक्ष में 298 वोट पड़े थे।

बिल पास कराने के लिए 352 वोट चाहिए थे। यानी बिल 52 वोट से गिर गया था। अगर टीएमसी के 20 सांसद एनडीए में शामिल हो जाएंगे,तो दो-तिहाई बहुमत के लिए 32 और सांसदों की जरूरत पड़ेगी। टीएमसी के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर ने आज सुबह ही राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया और भाजपा की तारीफ की थी। >14

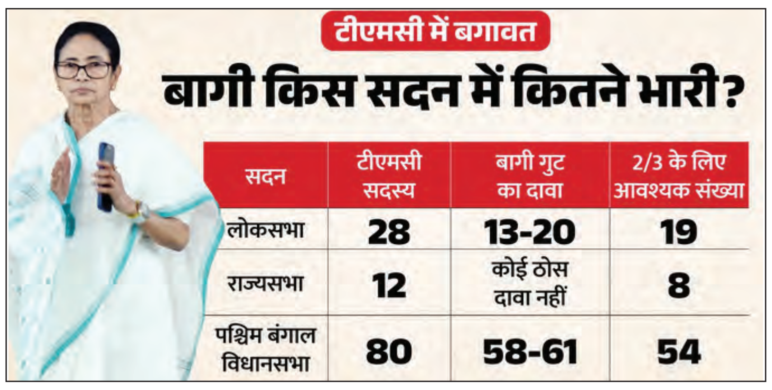

टीएमसी में बगावत

बागी किस सदन में कितने भारी?

सदन	टीएमसी सदस्य	बागी गुट का दावा	2/3 के लिए आवश्यक संख्या
लोकसभा	28	13-20	19
राज्यसभा	12	कोई ठोस दावा नहीं	8
पश्चिम बंगाल विधानसभा	80	58-61	54

विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में हादसा, 8 मजदूरों की मौत

1600ओसी पर पिघला गर्म लोहा क्रेन से ले जा रहे थे, बैलेंस बिगड़ने से उन पर ही गिरा

विशाखापट्टनम, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित स्टील प्लांट में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में करीब 1600ओसी तापमान वाला पिघला हुआ लोहा (मोल्टन आयरन) मजदूरों पर गिर गया। हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, प्लांट में क्रेन की मदद से एक बड़े बकेट में पिघला हुआ लोहा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान बकेट का संतुलन बिगड़ गया और उसमें भरा गर्म लोहा नीचे काम कर रहे कर्मचारियों पर गिर गया। हादसा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के स्टील प्लांट में हुआ। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि कही दुर्घटना की वजह तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में किसी तरह की चूक तो नहीं हुई।

आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने विशाखापट्टनम के कलेक्टर और सिटी पुलिस कमिश्नर से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज दिलाने और रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने के निर्देश दिए।

'गरीब कल्याण योजनाओं के जरिए सीधे गरीबों की मदद'

✻ 10 जून को टूटेगा नेहरू का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने कई महत्वपूर्ण बदलाव देखे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का केंद्र गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग का कल्याण रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की नीतियां अंत्योदय के सिद्धांत से प्रेरित हैं। इसका उद्देश्य विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

गरीबों के जीवन को बेहतर करने के लिए योजनाएं :

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'गरीब कल्याण के 12 साल' हैशटैग के साथ प्रधानमंत्री ने सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और उनकी उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जन धन योजना, सीधे लाभार्थी के बैंक खातों में राशि (डीबीटी), स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उद्देश्य लोगों को सम्मानजनक जीवन और बेहतर अवसर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की हर योजना का लक्ष्य नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें सशक्त बनाना रहा है। उन्होंने बताया कि डीबीटी और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार व लीकेज में कमी आई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक के उपयोग से शासन व्यवस्था अधिक प्रभावी बनी है और लोगों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

'तुरंत देश छोड़ें' ईरान में हालात बिगड़ने पर भारत की नई एडवाइजरी

तेहरान, 8 जून (एजेंसियां)। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक नई एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों से ईरान की यात्रा से बचने और वहां मौजूद लोगों से उपलब्ध परिवहन साधनों का उपयोग कर जल्द से जल्द देश छोड़ने की अपील की है।

बीती रात से सैन्य कार्रवाई को लेकर सुरक्षा चिंता बढ़ी है और इसके मद्देनजर दूतावास ने अपनी पहले जारी चेतावनी को दोहराया है। एडवाइजरी में भारतीय नागरिकों को अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर जारी एक आपात संदेश में पहले दिए गए निर्देशों को दोहराते हुए कहा कि सभी भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचना चाहिए। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने अपने ताजा बयान में कहा, क्षेत्र में हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए दूतावास सभी भारतीय नागरिकों को अपनी पूर्व सलाह दोहराता है कि वे ईरान की यात्रा से बचें। वर्तमान में ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी उपलब्ध परिवहन साधनों के माध्यम से जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी जाती है। सोमवार को इजराइल ने तेहरान द्वारा मिसाइल हमले के जवाब में मध्य और पश्चिमी ईरान में हवाई हमले किए।

दोनों देशों के बीच 8 अप्रैल को सीजफायर हुआ था लेकिन अब फिर से दोनों ने एक-दूसरे पर हमले किए हैं। माना जा रहा है कि इन हमलों के चलते मिडिल-ईस्ट में तनाव बढ़ सकता है। इससे पहले सात अप्रैल को भारत ने एक परामर्श जारी कर अपने नागरिकों से अगले 48 घंटे तक जहां हैं, वहीं रहने को कहा था। यह एडवाइजरी अप्रैल में उस समय जारी की गई थी जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान ने होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी खत्म नहीं की तो 'एक पूरी सभ्यता नष्ट हो जाएगी।' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के समय ईरान में लगभग 9,000 भारतीय मौजूद थे जिनमें छात्र भी शामिल थे।

होर्मुज में जलते जहाज से 24 भारतीयों का रेस्क्यू

ईरान बोला-अब इजराइल पर हमले नहीं

तेहरान, 8 जून (एजेंसियां)। होर्मुज स्ट्रेट के पास एक तेल टैंकर में आग लगने के बाद उस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को इंडियन नेवी ने बचा लिया है। शुरुआती रिपोर्टों में जहाज पर हमले की आशंका जताई गई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इस बीच ईरान ने घोषणा की है कि उसने फिलहाल इजराइल के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई रोक दी है। हालांकि उसने चेतावनी दी कि अगर इजराइल ने फिर से लेबनान या अन्य जगहों पर हमला किया तो उसे पहले से ज्यादा सख्त जवाब दिया जाएगा।

दूसरी ओर अमेरिका युद्धविराम और शांति समझौते की कोशिशों में जुटा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि इजराइल और ईरान दोनों संघर्ष रोकना चाहते हैं और अंतिम समझौते को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौता होने तक ईरान पर लगी नाकाबंदी जारी रहेगी। हालात को देखते हुए भारत सरकार ने ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द वहां से निकलने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर भारतीयों की मदद के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट में ओमान तट के पास एक जहाज पर हमले की खबर आई है। भारतीय नाविकों के संगठन फॉरवर्ड सीमैन्स यूनियन ऑफ इंडिया ने दावा किया है कि जहाज पर 24 भारतीय नाविक सवार हैं और उन्होंने तत्काल मदद की अपील की है। बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीयों से ईरान की यात्रा न करने और वहां मौजूद लोगों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है।

इंडिया गठबंधन का बड़ा फैसला

केंद्र सरकार को घेरने के लिए 5 मुद्दों पर बनी सहमति

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की पहली औपचारिक बैठक सोमवार को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित हुई। बैठक में 25 राजनीतिक दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया और विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा के बाद 5 प्रमुख प्रस्तावों पर सहमति बनाई गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक के बाद इसकी जानकारी दी।

खड़गे ने बताया कि बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), वोटों की कथित लूट और चुनावी धांधली के मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया। सभी दलों ने इस विषय पर भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को सयुक्त पत्र भेजने पर सहमति जताई। विपक्ष का आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनकी न्यायिक जांच आवश्यक है। बैठक में नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। इंडिया गठबंधन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हुआ है। विपक्ष का आरोप है कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों के लिए सरकार जिम्मेदार है।

विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार से देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्याओं पर चर्चा के लिए तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। नेताओं का कहना है कि आम जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार जवाब देने से बच रही है और इन्हीं सवालों को लेकर विपक्ष देशव्यापी अभियान चलाएगा।

गठबंधन को सक्रिय बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया कि इंडिया गठबंधन के सभी दल हर दो महीने में नियमित बैठक करेंगे। इसके अलावा संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्षी रणनीति को मजबूत करने के लिए प्रतिदिन सुबह नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक ऐसे समय हुई जब हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में विपक्ष को मिश्रित परिणाम मिले हैं।

निकोबार में 13,000 करोड़ से बनेगा एयरपोर्ट

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार ग्रेट निकोबार द्वीप समूह के विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रही है। इसके तहत 13,000 करोड़ रुपये के निवेश से एक अत्याधुनिक हवाई अड्डा और रनवे का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना न केवल भारतीय नौसेना के लिए रणनीतिक महत्व रखेगी, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी हवाई संपर्क को बेहतर बनाएगी।

रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना को पांच साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए बजट का खर्च रक्षा मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से वहन किया जाएगा। यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण परियोजना की विशालता और इसके दोहरे उद्देश्य-रक्षा और नागरिक उपयोग को दर्शाता है। ग्रेट निकोबार द्वीप समूह अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। >14

पाक में हिंसा, 11 की मौत, इनमें 4 पुलिसकर्मी

विधानसभा में आरक्षित सीटें खत्म करने की मांग, कश्मीर से आए लोगों को दी गई थी

मुज्जफराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह हिंसा जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) और क्षेत्रीय सरकार के बीच चल रहे विवाद के दौरान हुई।

रिपोर्ट के अनुसार मृतकों में 7 नागरिक और 4 पुलिसकर्मी शामिल हैं। वहीं 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे। जेएएसी इन सीटों को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है।

जेएएसी पर बैन लगा, जिसके बाद हिंसा भड़की

सरकार ने 5 जून को जेएएसी पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है। रविवार को जेएएसी के कार्यकर्ता संगठन के एक सदस्य की मौत के विरोध में अस्पताल के शवगृह के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। सदस्य की मौत कथित तौर पर पुलिस फायरिंग में हुई थी। पुलिस जब प्रदर्शनकारियों को हटाने पहुंची, तभी झड़प शुरू हो गई और हिंसा फैल गई। रावलकोट के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने रॉयटर्स से कहा कि प्रदर्शनकारियों की गोलीबारी में चार पुलिसकर्मियों और एक राहगीर की मौत हुई। उन्होंने दावा किया कि इसके जवाब में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में छह प्रदर्शनकारी मारे गए। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक पुलिस का आरोप है कि जेएएसी से जुड़े लोगों ने सुरक्षाकर्मियों पर शॉटगन और अन्य हथियारों से हमला किया। पुलिस ने घटना को आतंकवादी कार्रवाई करार देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

2 दिन पहले जेएएसी पर बैन लगा था

पीओके सरकार ने जेएएसी पर 5 जून को बैन लगाया था। बैन लगाने के लिए सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला दिया। इसके अगले दिन पुलिस ने संगठन के समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की और कई गिरफ्तारियां कीं। प्रशासन का दावा है कि जेएएसी की 38 मांगों में से ज्यादातर मांगों को पहले ही स्वीकार किया जा चुका है। इसके बावजूद संगठन अपना आंदोलन जारी रखे हुए है। जेएएसी के आंदोलन की अहम वजह विधानसभा की 12 आरक्षित सीटें हैं, जिन्हें खत्म करने की मांग की जा रही है।

912 करोड़ बैंकिंग घोटाले की जांच की मांग

> सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर

नई दिल्ली, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट में आज एक जनहित याचिका दायर की गई। इसमें एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और नोएडा स्थित एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी से जुड़े कथित बैंकिंग घोटाले की न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है।

याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह एक न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति का गठन करे। इस समिति में भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय, प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो के अधिकारियों को शामिल किया जाए। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों की मदद से बड़े पैमाने पर कॉरपोरेट और बैंकिंग धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया है। इस मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आवश्यक है। वैकल्पिक मांग के रूप में याचिका में ईडी, एसएफआईओ और सीबीआई को जांच का निर्देश देने की भी मांग की गई है। यह मांग अर्न्स्ट एंड यंग की फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में सामने आए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के आधार पर की गई है। याचिका के अनुसार, संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ने वर्ष 2012 से 2015 के बीच भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाले सात बैंकों के समूह से लगभग 912 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किया था।

याचिका में दावा किया गया है कि वर्ष 2018 में हुई फोरेंसिक ऑडिट में वित्तीय अनियमितताओं के संकेत मिले थे। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 902 करोड़ रुपये शेल कंपनियों, फर्जी विक्रेताओं, अघोषित बैंक खातों और संदिग्ध लेनदेन के माध्यम से दूसरी जगह भेजे गए हो सकते हैं।

टीएमसी नेता जहांगीर खान नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

> अवैध वसूली का आरोप > देश छोड़ने की कोशिश में था > फालता सीट से चुनाव लड़ा था

कोलकाता, 8 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने सोमवार को टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी नेपाल बॉर्डर के पास से हुई। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ 7 एफआईआर की गई थीं।

वह नेपाल भागने की फिराक में था। अभी बंगाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस जहांगीर को कोलकाता ला रही है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक जहांगीर को अवैध वसूली करने के आरोप में पकड़ा गया है। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पहले यह दावा किया गया था कि जहांगीर के समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी। इसके कारण उनकी गिरफ्तारी हुई है। जहांगीर ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां 21 मई को दोबारा वोटिंग हुई थी। दोबारा चुनाव से 48 घंटे पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं। 24 मई को आए नतीजे में जहांगीर की हार हुई। इसके बाद से जहांगीर लगभग गायब ही रहे। उन्हें न तो घर पर देखा गया और न ही पार्टी कार्यालय में।

मई में अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर हाईकोर्ट गए थे

मई 2026 में जहांगीर ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी और गिरफ्तारी से संरक्षण मांगा था। उनका आरोप था कि उनके खिलाफ लगातार कई आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। जहांगीर के खिलाफ 2019 में दर्ज एक मामले में और फालता री-पोल से पहले हाईकोर्ट ने सिक्योरिटी दी थी, लेकिन 26 मई को सभी सुरक्षा वापस ले ली गई थीं।

जहांगीर खान ने चुनाव में 'पुष्पा' स्टाइल छवि बनाई थी

जहांगीर खान ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग 'पुष्पा झुकेगा नहीं साला' भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

भाजपा को टीएमसी उम्मीदवार से 1.41 लाख ज्यादा वोट मिले

फालता में सबसे बड़े अंतर से जीत का रिकॉर्ड बना था। देबांग्शु ने 1,09,021 के अंतर से जीत दर्ज की। दूसरी बार हुए चुनाव के नतीजों में जहांगीर 7783 वोटों के साथ चौथे नंबर पर रहे। फालता में 2011 के बाद लगातार तीन बार टीएमसी जीती थी। 29 अप्रैल को मतदान के बाद फालता क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया था। उस दिन कई बूथों से शिकायतें मिली थीं कि ईवीएम पर भाजपा के सिंबल पर टेप चिपकाया गया। तत्कालीन ऑब्जर्वर सुब्रत गुप्ता ने खुद निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और जांच-पड़ताल की। कम से कम 60 बूथों में छेड़छाड़ के सबूत मिले। ईवीएम में कथित हेरफेर के अलावा, जांच में यह भी सामने आया कि कई मतदान केंद्रों पर लगे वेब कैमरों में फुटेज के साथ भी छेड़छाड़ करने की कोशिशें की गई थीं।

एआईसीसी सचिव सूरज हेगड़े का निधन

सीएम शिवकुमार ने जताया दुख, कहा-उनका जीवन पिछड़ों के लिए समर्पित रहा

बंगलूरू, 8 जून (एजेंसियां)। एआईसीसी सचिव और कर्नाटक सरकार की गारंटी समिति के उपाध्यक्ष सूरज हेगड़े का कल रात निधन हो गया। यह जानकारी पार्टी सूत्रों ने सोमवार को दी। सूत्रों के अनुसार, उनकी उम्र लगभग 55 वर्ष थी। एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर दुख जताया। उन्होंने लिखा 'सूरज हेगड़े जी के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। एआईसीसी सचिव और भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व प्रभारी के रूप में उन्होंने पार्टी के आदर्शों में गहरी आस्था के साथ काम किया। युवा कांग्रेस उनके लिए महज एक दायित्व नहीं थी।' उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने युवा भारतीयों का मार्गदर्शन किया, जो आज कांग्रेस की न्याय और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को आगे बढ़ा रहे हैं। उनका निधन कांग्रेस परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके परिवार, उनके सहयोगियों और कांग्रेस के हर कार्यकर्ता के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, जिनके जीवन को उन्होंने छुआ।

मुख्यमंत्री ने दुख व्यक्त किया

भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व प्रभारी हेगड़े, पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स के पोते थे। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने हेगड़े के निधन पर शोक व्यक्त किया। शिवकुमार ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा,' मुझे अपने प्रिय सहयोगी सूरज हेगड़े के अचानक निधन के बारे में जानकर गहरा सदमा लगा है, जिन्होंने एआईसीसी पदाधिकारी, केपीसीसी उपाध्यक्ष और राज्य गारंटी समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

खबरें जरा हटके

जवान बीवी तलाश रहा बूढ़ा अरबपति, चाहिए बस एक वारिस, बदले में देगा 50 कमरों का आलीशान महल!

ब्रिटेन में 79 साल की उम्र में भी शादी की तलाश कर रहे अरबपति की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रही है. सर बेंजामिन स्लेड नाम के इस अरिस्टोक्रेट को अब जवान पत्नी चाहिए जो उन्हें वारिस दे सके. इसके बदले में वे अपनी दौलत, 50 कमरों वाले भव्य महल और लग्जरी जीवन की पेशकश कर रहे हैं. सर बेंजामिन स्लेड सोमरसेट स्थित प्रसिद्ध मॉनसेल हाउस के मालिक हैं. यह 50 कमरों का ऐतिहासिक महल सदियों पुराना है. उन्होंने कई डेटिंग वेबसाइट्स पर प्रोफाइल बनाई है, अखबारों में विज्ञापन दिए हैं और टीवी पर भी अपनी तलाश का ऐलान किया है. उनका कहना है कि उन्हें एक ऐसी जवान साथी चाहिए जो उनकी फैमिली लाइन को आगे बढ़ा सके.

पार्टनर के लिए जी तोड़ मेहनत

स्लेड ने पार्टनर को आकर्षित करने के लिए आकर्षक ऑफर रखा है. महल में रहने की सुविधा, सालाना मोटा भत्ता, लग्जरी कारें और पूरी तरह सुरक्षित व लग्जरी जीवन. फिर भी उन्हें सही साथी मिलना मुश्किल हो रहा है. उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि यह तलाश जितनी आसान लग रही थी, उतनी नहीं है. यह खबर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है. कई लोग इसे अमीरी का घमंड बता रहे हैं तो कुछ इसे ढलती उम्र में वारिस की स्वाभाविक चिंता मान रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, "80 के करीब पहुंचकर भी जवान बीवी की तलाश-ये पैसे का जोर है या अकेलापन?" जबकि दूसरे कह रहे हैं कि अमीर लोग अक्सर अपनी शर्तों पर रिश्ता बनाते हैं. सर बेंजामिन स्लेड ब्रिटेन के जाने-माने अरिस्टोक्रेट हैं. उन्होंने पहले भी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोरी हैं. अब उनकी उम्र 79 साल हो चुकी है और उन्हें लग रहा है कि परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए जल्दी कोई वारिस चाहिए. उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे किसी युवती से शादी कर महल और संपत्ति सौंपना चाहते हैं.

अपना शरीर छोड़ सकता था ये शख्स, घूम आया दूसरे ग्रह, साइंटिस्ट्स ने भी कर दिया कंफर्म!

दुनिया में कई रहस्य हैं जो विज्ञान की समझ से परे हैं. ऐसा ही एक नाम है इंगो स्वान का. कोलोराडो में जन्मे इस शख्स ने दावा किया था कि वह अपनी मर्जी से शरीर छोड़कर कहीं भी जा सकता है. सिर्फ बैठे-बैठे वह दूसरे ग्रहों की यात्रा कर सकता था. उनकी सबसे चर्चित यात्रा बृहस्पति की रही, जिसने नासा के साइंटिस्ट्स को भी हैरान कर दिया था. 1973 में इंगो स्वान ने स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में एक एक्सपेरिमेंट किया. उन्होंने जुपिटर की रिमोट व्यूइंग की. उन्होंने बताया कि वहां छल्ले हैं, स्वर्लिंग क्लाउड्स हैं, वातावरण में क्रिस्टल्स हैं और कई अनोखी चीजें हैं. उस समय वैज्ञानिकों को जुपिटर के रिंग्स का कोई पता नहीं था. लेकिन बाद में इंगो की सारी बात सच साबित हुई. उस समय ज्यादातर लोग मानते थे कि सैटर्न के अलावा किसी ग्रह के रिंग्स नहीं हैं. लेकिन छह साल बाद 1979 में नासा का वोयाजेर 1 स्पेसक्राफ्ट जुपिटर पहुंचा. जब उसने जो तस्वीरें और डेटा भेजा तो इंगो स्वान की बातें काफी हद तक मैच करती दिखी.

रिंग्स की खोज हुई, अमोनिया के आइस क्रिस्टल मिले और कई अन्य विवरण भी करीब-करीब सही पाए गए. इस घटना ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी. इंगो स्वान को रिमोट व्यूइंग का जनक माना जाता है. उन्होंने ही इस शब्द को गढ़ा था. सीआईए और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने उनके ऊपर स्टारगेट प्रोजेक्ट चलाया. इस प्रोजेक्ट में रिमोट व्यूइंग को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश की गई. इंगो स्वान ने ना सिर्फ जुपिटर बल्कि मार्स, मर्क्युरी और यहां तक कि चांद के डार्क साइड की भी व्यूइंग की थी. विशेषज्ञों का कहना है कि इंगो स्वान की सफलता दर काफी ऊंची थी. उन्होंने हजारों एक्सपेरिमेंट्स में हिस्सा लिया. कई बार उनकी जानकारी इतनी सटीक होती थी कि सीआईए के जासूस भी हैरान रह जाते थे. लेकिन सबसे बड़ा सवाल था-शरीर से अलग होकर कैसे यात्रा कर सकता है?

ये है एक किडनी वाला गांव, एक गुर्दे के बदले मिलता है राशन! मजबूरी में बेच रहे लोग

अफगानिस्तान में गरीबी और बेरोजगारी ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है. यहां का एक गांव अब 'वन किडनी विलेज' के नाम से कुख्यात हो गया है. इस गांव के लोग अपनी जिंदगी चलाने के लिए अपना गुर्दा बेचने को मजबूर हैं. मात्र राशन, आटा-चावल और कर्ज चुकाने के बदले में लोग अपना एक गुर्दा बेच रहे हैं. हेरात प्रांत के पास स्थित इस गांव में सैकड़ों परिवार ऐसे हैं जिन्होंने भूख और कर्ज के बोझ से तंग आकर अपना अंग बेच दिया है. स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां के कई युवा और यहां तक कि कुछ महिलाएं भी किडनी बेचकर गुजारा कर रहे हैं. एक गुर्दा बेचने पर उन्हें कुछ हजार डॉलर या फिर राशन सामग्री मिलती है, जिससे कुछ महीनों का खाना तो चल जाता है, लेकिन स्वास्थ्य बर्बाद हो जाता है.

एक स्थानीय निवासी ने बताया कि "हमारे पास खाने के लिए कुछ नहीं है. कर्ज चुकाने की तंगी है. जब कोई और रास्ता नहीं बचा तो हमने किडनी बेचने का फैसला किया." कई परिवारों ने बताया कि गुर्दा बेचने के बाद भी उनकी हालत नहीं सुधरी. उल्टा अब स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं शुरू हो गई हैं. चिकित्सकों के अनुसार एक गुर्दा बेचने के बाद बचे हुए गुर्दे पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है. भविष्य में किडनी फेलियर, हाई ब्लड प्रेशर और अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इसके बावजूद मजबूरी में लोग इस रास्ते पर जा रहे हैं. यह घटना अफगानिस्तान की मौजूदा आर्थिक स्थिति को दर्शाती है. तालिबान शासन के बाद अंतरराष्ट्रीय मदद कम हुई है, रोजगार के अवसर नहीं हैं और सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने हालात और खराब कर दिए हैं. गरीब परिवारों के पास ना खेती है, ना नौकरी और ना ही कोई सरकारी सहायता. ऐसे में किडनी ट्रेड एक तरह का व्यवसाय बन गया है. सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इस गांव की खबर फैलने के बाद दुनिया भर में हड़कंप मच गया है.

तमिलनाडु विधानसभा सत्र 18 जून से होगा शुरू

वंदे मातरम बनाम तमिल वाझ्थु पर नजर

चेन्नई, 8 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा का सत्र 18 जून को शुरू होगा। इसमें राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर सत्र के उद्घाटन के मौके पर सदस्यों को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही ध्यान इस बात पर केंद्रित है कि क्या कार्यवाही बिना किसी विवाद के शुरू होगी। या लोक भवन और राज्य सरकार के बीच आधिकारिक समारोहों में वंदे मातरम, राष्ट्रगान और तमिल वाझ्थु के गायन को लेकर एक नया टकराव देखने को मिलेगा।

राज्य में एक संवेदनशील घटना बन गई

जो कभी एक सामान्य संवैधानिक औपचारिकता मानी जाती थी। वह हाल के वर्षों में तमिलनाडु में एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील घटना बन गई है। पूर्व राज्यपाल आर.एन. रवि के कार्यकाल के दौरान, विधानसभा में दिए गए भाषणों ने अक्सर विवाद पैदा किया।

खासकर राष्ट्रीय प्रतीकों के उपयोग और औपचारिक प्रोटोकॉल से संबंधित मुद्दों पर। रवि की एक चिंता यह भी थी कि आधिकारिक कार्यक्रमों और विधानसभा की कार्यवाही के दौरान राष्ट्रगान किस तरह गाया जाता है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार में राजकीय समारोहों में औपचारिक गीतों के क्रम को लेकर असहमति के बाद यह मुद्दा फिर से सामने आया है।

ऑनलाइन गेमिंग के विवाद में बेटे ने पिता और बहन की ली जान, मां गंभीर

बंगलूरू, 8 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोप्पल जिले से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक सेकेंड ईयर प्री-यूनिवर्सिटी छात्र ने कथित तौर पर अपने पिता और बड़ी बहन की चाकू मारकर हत्या कर दी, जबकि मां को गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी छात्र ने खुद की गर्दन पर भी चाकू से हमला कर लिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में ऑनलाइन गेमिंग को लेकर घर में विवाद होने की बात सामने आ रही है, हालांकि असली वजह की जांच अभी जारी है।

आर्डी ग्रुप विवाद से जुड़े पक्ष मध्यस्थता समझौता लागू करें

सुप्रीम कोर्ट की पीठ के अहम निर्देश

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिवंगत रियल एस्टेट डेवलपर अशोक वर्मा के परिवार से जुड़े वर्षों पुराने प्राथमिकी दर्ज को समाप्त करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने आर्डी ग्रुप और संबंधित पारिवारिक संपत्तियों से जुड़े विवादों में हुए मध्यस्थता समझौते को लागू करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने मध्यस्थता प्रक्रिया में हुई प्रगति पर ध्यान दिया। पीठ ने पक्षों को अदालत की निगरानी में हुई मध्यस्थता कार्यवाही के दौरान हुए समझौते को लागू करने का निर्देश दिया।

कैसे हुआ सौहार्दपूर्ण समाधान?

यह विवाद वर्षों से व्यापक मुकदमेबाजी का विषय रहा है। इसमें मुख्य रूप से अशोक वर्मा की बेटियां शेफाली वर्मा और शिबानी वर्मा कपूर शामिल थीं। विवाद पारिवारिक व्यापारिक हितों, रियल एस्टेट संपत्तियों और आर्डी ग्रुप से जुड़ी संपत्तियों से संबंधित था। यह सफलता पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश कुरियन जोसेफ की देखरेख में हुई मध्यस्थता प्रक्रिया के माध्यम से मिली। न्यायालय ने पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण समाधान की सुविधा के लिए उन्हें नियुक्त किया था।

सहमत शर्तों को आगे बढ़ाने का निर्देश

इस साल की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कार्यवाही के अनुसार, न्यायाधीश कुरियन जोसेफ ने एक अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में बताया गया कि पक्षों ने मध्यस्थता के माध्यम से अपने प्रमुख विवादों को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। रिपोर्ट में 5 फरवरी, 2026 को एक अंतिम और बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने का भी उल्लेख किया गया। मध्यस्थ ने न्यायालय को सूचित किया कि एक व्यापक समझौता ढांचा तैयार करने और कार्यान्वयन प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी।

रिपोर्ट पर ध्यान देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने समझौते के कार्यान्वयन के लिए समय दिया। न्यायालय ने पक्षों को सहमत शर्तों को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। इस घटनाक्रम को आर्डी ग्रुप से जुड़े सबसे चर्चित पारिवारिक व्यापार विवादों में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। इस मुकदमेबाजी ने कई मंचों पर कार्रवाई को जन्म दिया था। इसमें दशकों से जमा हुई मूल्यवान पारिवारिक संपत्तियों के स्वामित्व, प्रबंधन और उत्तराधिकार से संबंधित मुद्दे शामिल थे।

खान सर कोचिंग सेंटर फायरिंग केस

फैजल खान को मिलेगी राहत या बढ़ेंगी मुश्किलें? अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई आज

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। चर्चित शिक्षक और कोचिंग संचालक फैजल खान उर्फ खान सर ने पटना सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की है। फैजल खान की याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होगी। खान सर के वकील अरविंद कुमार मव्वर ने जमानत याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि मामले पर कानूनी प्रक्रिया जारी है और आगे का फैसला अदालत तथा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर होगा।

आपको बता दें कि दो जून को पटना स्थित खान सर के कोचिंग संस्थान के बाहर कथित गोलीबारी की घटना हुई थी जिसमें एक सुरक्षा गार्ड घायल हो गया था। घटना के बाद कदमकुआं थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत खान सर समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पुलिस के अनुसार, एफआईआर एक वायरल वीडियो के आधार पर दर्ज की गई थी जिसमें दो सुरक्षा गार्ड कथित तौर पर फायरिंग करते दिखाई दिए थे। बाद में दोनों गार्डों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी मामले में कानूनी कार्रवाई के तहत अब खान सर ने गिरफ्तारी से राहत पाने के लिए पटना सिविल कोर्ट का रुख किया है।

खान सर की गिरफ्तारी के लिए प्रदर्शन

गोलीकांड के बाद जारी विवाद के बीच रविवार को ज्ञान बिंदु जीएस अकादमी के शिक्षकों और छात्र नेताओं ने संस्थान के निदेशक रौशन आनंद की तत्काल रिहाई की मांग की। उनका कहना है कि रौशन आनंद की गिरफ्तारी बेबुनियाद है, जबकि खान सर के खिलाफ एफआईआर होने के बावजूद उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इतिहास के शिक्षक शशांक पाठक ने न्यूज एजेंसी से कहा, "रौशन आनंद सर की गिरफ्तारी के लिए जो भी कारण बताए गए थे, वे सभी गलत साबित हो चुके हैं। प्रशासन को भी यह बात पता है, फिर भी उन्हें हिरासत में रखा गया है। हम उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हैं। अगर उन्हें रिहा नहीं किया गया तो हम भूख हड़ताल करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में एआई के इस्तेमाल को लेकर जारी नियमों पर बहस जारी

20 जून तक सुझाव और टिप्पणियां मांगी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। देश की न्यायिक व्यवस्था में तेजी के साथ बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस्तेमाल को लेकर बीते काफी वक्त से चिंता जताई जा रही थी । इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के लिए नए ड्राफ्ट नियम जारी किए हैं, जिन्हें लेकर भी बहस खड़ी हो गई है। सुप्रीम कोर्ट की एआई समिति ने इन नियमों पर आम जनता और संबंधित पक्षों से 20 जून तक सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं। हालांकि इसे लेकर जानकारों की अपनी अलग अलग राय है।

डिजिटल कानूनों के जानकार विराग गुप्ता का कहना है कि इस मसौदे में यह नहीं लिखा कि सुप्रीम कोर्ट नियम 2013 के किन प्रावधानों के अनुसार इसे लागू किया जाएगा। अप्रैल 2026 के आदेश के अनुसार पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट और जिला अदालतों में चैट जीपीटी, जेमिनी, मेटा जैसे एआई प्लेटफार्म का लीगल रिसर्च और फैसलों में इस्तेमाल नहीं हो सकता। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के नियम न्यायिक आदेश के ऊपर कैसे प्रभावी होंगे। सभी अदालतों के मुकदमों का विवरण और दस्तावेज एक जगह इक्ट्ठा हो रहे हैं। इनमें करोड़ों वादकारियों की संवेदनशील निजी जानकारियां हो सकती हैं। विदेशी एआई प्लेटफॉर्म में निजी और न्यायिक डाटा की सुरक्षा कैसे होगी, जब अभी तक डेटा सुरक्षा कानून-2023 ही लागू नहीं है। हालांकि इसे सकारात्मक फैसला बताते हुए टेक विशेषज्ञ कनिष्क गौर ने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने वह कदम उठाया है जिस पर कई देश अभी भी बहस कर रहे हैं।

सीमा पर 142 करोड़ रुपये की जब्ती

म्यांमार-बांग्लादेश बॉर्डर समेत बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम में भी तलाशी

आईजोल, 8 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को धन शोधन के एक बड़े मामले में मिजोरम-म्यांमार सीमा, त्रिपुरा-बांग्लादेश सीमा और पश्चिम बंगाल में चार स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, ईडी की आइजोल सब-जोनल कार्यालय की कई टीमों ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत सुबह-सुबह यह कार्रवाई शुरू की, जो अभी भी जारी है।

क्या है मामला?

यह मामला नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा 21 अगस्त 2025 को त्रिपुरा में 49.101 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और 40 ग्राम हेरोइन की बरामदगी से जुड़ा है। जांच में सामने आया है कि म्यांमार से मिजोरम के चंफाई और जोखावथर सेक्टर के रास्ते मेथामफेटामाइन की तस्करी कर इसे त्रिपुरा तक पहुंचाया जाता था। इसके बाद अवैध कमाई को कई बैंक खातों और शेल कंपनियों के जरिए छिपाने की कोशिश की जाती थी।

ड्रग तस्करी नेटवर्क का खुलासा

अधिकारियों के मुताबिक, जांच में एक संगठित अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जो भारत-म्यांमार और भारत-बांग्लादेश सीमाओं का इस्तेमाल कर रहा था।

ईडी ने अब तक इस मामले में 142 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध से अर्जित संपत्ति (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) की पहचान की है। मामले में शामिल संदिग्धों और वित्तीय लेन-देन की गहन जांच जारी है।

गृह मंत्री अमित शाह लॉन्च करेंगे एलपीएमएस

> डिजिटल होगा भारत का बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारत की सीमा और आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में केंद्र सरकार मंगलवार को एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह नई दिल्ली में 'लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम' (एलपीएमएस) का शुभारंभ करेंगे। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मार्ट बॉर्डर मैनेजमेंट के विजन को आगे बढ़ाने वाली महत्वपूर्ण परियोजना मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य तकनीक के माध्यम से सीमा पार व्यापार और यात्री आवागमन को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाना है। इस अवसर पर अमित शाह मेघालय के दावकी और त्रिपुरा के श्रीमंतपुर लैंड पोर्ट पर विकसित नई स्टेकहोल्डर आवास सुविधाओं का भी उद्घाटन करेंगे। इन सुविधाओं से सीमा सुरक्षा से जुड़े कर्मियों और अन्य हितधारकों को बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा।

एलपीएमएस क्या है?

लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) एक अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे देश के सभी लैंड पोर्ट्स की गतिविधियों को एकीकृत करने के लिए तैयार किया गया है। यह प्रणाली लॉजिस्टिक्स और नियामक सूचनाओं के सुरक्षित एवं रियल-टाइम आदान-प्रदान को संभव बनाएगी, जिससे लैंड पोर्ट्स की कार्यप्रणाली हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों की तरह आधुनिक और डिजिटल हो सकेगी। सरकार के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म सरकारी एजेंसियों और निजी ऑपरेटरों सहित सभी हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगा। इससे प्रक्रियाओं में देरी कम होगी और संचालन क्षमता में वृद्धि होगी। एलपीएमएस के जरिए कार्गो और यात्रियों की आवाजाही से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाएगा, जिसमें स्लॉट बुकिंग, भुगतान, ट्रैकिंग और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी सुविधाएं शामिल हैं। गृह मंत्रालय के सीमा प्रबंधन विभाग के अंतर्गत कार्यरत लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एलपीएआई) देश के लैंड पोर्ट्स के विकास और संचालन की जिम्मेदारी संभालती है। वर्तमान में एलपीएआई भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर स्थित 15 लैंड पोर्ट्स का संचालन कर रही है। इनमें पंजाब के अटारी और डेरा बाबा नानक, बिहार के रक्सौल और जोगबनी, उत्तर प्रदेश का रूपईडीहा, असम का दरंगा, पश्चिम बंगाल का पेट्रापोल, मेघालय का दावकी, असम के सुतारकांडी, गोलकगंज और मनकाचर, त्रिपुरा के अगरतला, श्रीमंतपुर और सबरूम तथा मणिपुर का मोरेह शामिल हैं।

केंद्र सरकार का मानना है कि एलपीएमएस का शुभारंभ भारत में आधुनिक और तकनीक-संचालित स्मार्ट बॉर्डर मैनेजमेंट की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। इससे व्यापार सुविधा, क्षेत्रीय संपर्क, राष्ट्रीय सुरक्षा और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को गति मिलने की उम्मीद है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: ठहरा हुआ पानी सड़ जाता है, बहता पानी निर्मल व स्वच्छ रहता है। उसी तरह अपनी सोच को बहने दो, उसे ठहराओ मत।

12 वर्षों में कोयला एवं खनन क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार हुए : किशन रेड्डी

केंद्रीय कोयला खान मंत्री का दावा, प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए

नई दिल्ली/हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में कोयला और खनन क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुए हैं, जिनके परिणामस्वरूप भारत आज विश्व का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन चुका है। उन्होंने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि 2014 में शुरू हुई सुशासन, विकास और आत्मनिर्भर भारत की यात्रा ने देश के प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और कोयला एवं खनन क्षेत्र इन सुधारों का सबसे बड़ा उदाहरण है।

किशन रेड्डी ने कहा कि कोयला क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से लगभग 5 लाख और अप्रत्यक्ष रूप से 25 लाख लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है। देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और सर्कुलर इकोनॉमी में इस क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल यात्रियों को 51 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है, जबकि रेलवे की आय का बड़ा हिस्सा माल ढुलाई से आता है और उसमें भी लगभग 51 प्रतिशत योगदान कोयले के परिवहन से होता है। केवल कोयला ढुलाई से रेलवे को प्रतिवर्ष करीब 90 हजार करोड़ रुपये की आय प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि देश की लगभग 72 प्रतिशत बिजली आज भी कोयले से उत्पादित हो रही है। कांग्रेस के शासनकाल में बिजली संकट आम बात थी, जबकि आज देशभर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान कोयला क्षेत्र भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का पर्याय बन गया था, लेकिन मोदी सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए इस क्षेत्र को पूरी तरह पारदर्शी बनाया। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में कोयला क्षेत्र में एक भी बड़ा भ्रष्टाचार या घोटाला सामने नहीं आया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के पास विश्व का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। छत्तीसगढ़ की गेवरा कोल माइंस विश्व की दूसरी सबसे बड़ी तथा कुसमुंडा कोल माइंस विश्व की चौथी सबसे बड़ी कोयला खदान है।

उन्होंने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी है। वर्तमान में देश की 426 खदानों में कोयला उत्पादन हो रहा है और सार्वजनिक क्षेत्र, कैप्टिव तथा वाणिज्यिक खदानों के माध्यम से उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। पिछले दो वर्षों में भारत ने एक-एक बिलियन टन कोयला उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री स्वयं प्रत्येक सप्ताह कोयला उत्पादन, परिवहन और विद्युत संयंत्रों में उपलब्ध भंडार की समीक्षा करते हैं। वर्तमान में कोयला कंपनियों, ट्रांजिट और बिजलीघरों में कुल 189 मिलियन टन कोयला उपलब्ध है, जो लगभग 85 दिनों की आवश्यकता के लिए पर्याप्त है। सरकार का लक्ष्य किसी भी परिस्थिति में बिजली उत्पादन बाधित न होने देना है। किशन रेड्डी ने कहा कि कोयला केवल बिजली उत्पादन के लिए ही नहीं, बल्कि इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, स्पंज आयरन, रसायन और अनेक उद्योगों के लिए भी प्रमुख कच्चा माल है।

उन्होंने कहा कि पहले भारत को बड़ी मात्रा में कोयला आयात करना पड़ता था, लेकिन मोदी सरकार द्वारा किए गए सुधारों के कारण आयात में लगातार कमी आ रही है।

निलोफर अस्पताल में डॉक्टर पर हमले के बाद हंगामा

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के निलोफर अस्पताल में एक रेजिडेंट डॉक्टर पर कथित हमले की घटना के बाद सोमवार सुबह पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) रेजिडेंट डॉक्टरों ने अचानक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। डॉक्टरों ने अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हमलावरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, यह घटना अस्पताल के रेस्पिरेटरी इंटेंसिव केयर यूनिट (आरआईसीयू) में हुई, जहां दूसरे वर्ष का एक पीजी डॉक्टर ड्यूटी पर तैनात था। बताया गया कि एक शिशु की हालत में सुधार होने के बाद उसे आरआईसीयू से आइसोलेशन वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया था। रविवार शाम ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने बच्चे की स्थिति की जानकारी उसके परिजनों को दी और आवश्यक चिकित्सकीय निर्देश भी समझाए।

डॉक्टरों के अनुसार, बच्चे के लगातार रोने के कारण उसके पांच परिचारक, जिनमें दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल थीं, दोबारा आरआईसीयू में पहुंच गए।

'ऑपरेशन कवच' के बाद सेकंड-हैंड वाहन बाजार पर पुलिस की सख्ती

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 'ऑपरेशन कवच' के तहत किए गए हालिया निरीक्षणों के बाद हैदराबाद पुलिस ने सेकंड-हैंड और यूज्ड वाहनों के बाजार पर निगरानी कड़ी कर दी है। जांच के दौरान कई डीलरों द्वारा नियमों के व्यापक उल्लंघन के मामले सामने आने के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने सोमवार को इस संबंध में एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसमें वाहन डीलरों और खरीदारों को सभी कानूनी प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी गई है।

एडवाइजरी के अनुसार, डीलरों को वाहन बेचने से पहले विक्रेता की पहचान की पुष्टि करना, स्वामित्व रिकॉर्ड की जांच करना और 'वाहन' पोर्टल के माध्यम से वाहन की स्थिति सत्यापित करना अनिवार्य होगा।

मुख्यमंत्री की सभा में रियल्टर्स का विरोध प्रदर्शन

प्रतिबंधित भूमि की श्रेणी से जमीनें हटाने की मांग, उप्पल में नारेबाजी

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रियल्टर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने अपनी जमीनों को प्रतिबंधित भूमि की श्रेणी से हटाने की मांग को लेकर रविवार को उप्पल में आयोजित मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की जनसभा में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए कार्यक्रम स्थल पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पहुंचे तेलंगाना रियल्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने हाथों में तख्तियां लेकर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी। मुख्यमंत्री का भाषण शुरू होते ही प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां लहराते हुए विरोध तेज कर दिया। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने और तख्तियां हटाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर नारे लगाते रहे।

एसोसिएशन के प्रतिनिधियों का कहना है कि नरपल्ली उप-पंजीयक कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कई भूखंडों को प्रतिबंधित भूमि की श्रेणी में रखा गया है, जिससे जमीनों की खरीद-फरोख्त और अन्य लेन-देन प्रभावित हो रहे हैं। उनका आरोप है कि कुछ भूखंडों पर कानूनी विवाद होने के कारण पूरे सर्वे नंबर की जमीनों को प्रतिबंधित घोषित कर दिया गया है, जिससे विवादमुक्त भूमि के मालिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की कि जिन भूखंडों पर किसी प्रकार का कानूनी विवाद या मुकदमा नहीं है, उनके लेन-देन की अनुमति देने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। उनका कहना है कि वर्तमान व्यवस्था के कारण बड़ी संख्या में भूमि मालिकों और रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

तेलंगाना रियल्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मेडचल-मलकाजगिरि जिला कलेक्टर से भी प्रतिबंधित भूमि संबंधी निर्णय की समीक्षा करने और प्रभावित जमीनों को इस श्रेणी से बाहर करने की मांग की। संगठन का कहना है कि मामले के समाधान से हजारों भूमि मालिकों को राहत मिलेगी और रियल एस्टेट गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

भाजपा में अंदरूनी कलह फिर आई सामने

ईटेला राजेंद्र के खिलाफ पोस्टर मामले में छह पर केस, एक नेता निलंबित

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा में वरिष्ठ नेताओं के बीच कथित मतभेदों को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच एक नया विवाद सामने आया है। मलकाजगिरि से भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र के खिलाफ आपत्तिजनक फ्लेक्सी और पोस्टर लगाने के मामले में केपीएचबी पुलिस ने पूर्व एससीबी उपाध्यक्ष जे. रामकृष्ण समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस घटनाक्रम ने राज्य भाजपा इकाई के भीतर गुटबाजी और आंतरिक मतभेदों की चर्चाओं को और तेज कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, पिछले सप्ताह मलकाजगिरि, केपीएचबी और सिकंदराबाद सहित कई इलाकों में ऐसे फ्लेक्सी और पोस्टर लगाए गए थे, जिनमें ईटेला राजेंद्र पर तेलंगाना में भाजपा के विकास में बाधा बनने का आरोप लगाया गया था। कुछ पोस्टरों में उन्हें भाजपा के लिए अभिशाप तक बताया गया। इन पोस्टरों के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई और पार्टी की अंदरूनी स्थिति को लेकर सवाल उठने लगे। हालांकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने पार्टी के भीतर किसी भी प्रकार की कलह की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा का इन फ्लेक्सी और पोस्टरों से कोई संबंध नहीं है। इसके बावजूद मामला तूल पकड़ता गया। भाजपा के कुकटपल्ली कार्यालय ने 1 जून को केपीएचबी पुलिस में मानहानिकारक बैनरों और पोस्टरों को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के बाद पुलिस ने रविवार को जे. रामकृष्ण समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का मानना है कि इन पोस्टरों को भाजपा और ईटेला राजेंद्र दोनों की छवि को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से लगाया गया था। गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के साथ जे. रामकृष्ण की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगीं, जिससे विवाद ने नया राजनीतिक रंग ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए तेलंगाना भाजपा नेतृत्व ने जे. रामकृष्ण को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया। पार्टी ने कहा कि यह कार्रवाई संगठन की आचार संहिता का उल्लंघन करने और पार्टी नेताओं की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के आरोपों के आधार पर की गई है। साथ ही उन्हें एक सप्ताह के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

इसी बीच भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य शेखर राव ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से मामले को और चर्चा में ला दिया। उन्होंने दावा किया कि उन्हें पहले भी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने जे. रामकृष्ण पर पार्टी निधियों के दुरूपयोग के आरोपों की जानकारी दी थी।

लूट के लिए हत्या का मामला सुलझा, दो आरोपी गिरफ्तार

राजमिस्त्री का काम करता था मध्यप्रदेश का जयप्रकाश देशमुख

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लालागुड़ा पुलिस ने लूट के उद्देश्य से की गई हत्या के एक सनसनीखेज मामले का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मृतक का चोरी किया गया मोबाइल फोन तथा अपराध में प्रयुक्त इलेक्ट्रिक बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 3 जून को भार में डायल-100/112 पर सूचना मिली थी कि तुकारामगेट स्थित रेलवे पुल और रेलवे निलयम के समीप बाईपास रोड पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव खून से लथपथ अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही लालागुड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान शव के सिर के पास खून से सने दो पत्थर मिले। घटनास्थल से एक छोटी शराब की बोतल और भूरे रंग का बैग भी बरामद हुआ, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी।

इस संबंध में लालागुड़ा थाने में दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिकंदराबाद जोन के डीसीपी के पर्यवेक्षण में चार विशेष टीमों का गठन किया गया तथा टास्क फोर्स की सहायता से जांच शुरू की गई। पुलिस ने मृतक की तस्वीर के साथ लुकआउट नोटिस जारी कर विभिन्न पुलिस आयुक्तालयों, प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से पहचान कराने का प्रयास किया। तीन दिन बाद मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के किरनापुर तहसील स्थित साल्हे गांव निवासी 38 वर्षीय जय प्रकाश देशमुख के रूप में हुई। वह हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में राजमिस्त्री का काम करता था। सोशल मीडिया के जरिए जानकारी मिलने पर उसके परिजन गांधी अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे और शव की पहचान की। इसके बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि जय प्रकाश 2 जून की शाम काजीपेट से सिकंदराबाद आया था और उसे मियापुर में रहने वाले अपने भाई के पास जाना था। हत्या से पहले तक वह अपने रिश्तेदारों के संपर्क में था, लेकिन बाद में उसका मोबाइल फोन बंद हो गया।

जांच के दौरान पुलिस और टास्क फोर्स की टीमों ने अनेक सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिरों से जानकारी जुटाई तथा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। इसके आधार पर पुलिस ने 8 जून की सुबह दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान किराना डिलीवरी बॉय तुकारामगेट निवासी 30 वर्षीय धाबी विनोद तथा डिलीवरी बॉय अड्डागुट्टा निवासी 19 वर्षीय मक्कला मोहन के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने सिकंदराबाद के मोंडा मार्केट क्षेत्र में मृतक को रेलवे स्टेशन छोड़ने का झांसा देकर अपनी बाइक पर बैठाया था। उनका उद्देश्य उसे सुनसान इलाके में ले जाकर लूटना था। रेलवे निलयम के निकट एक एकांत स्थान पर पहुंचने के बाद दोनों ने उससे नकदी और मोबाइल फोन लूटने का प्रयास किया। जब जय प्रकाश ने विरोध किया तो आरोपियों ने बड़े पत्थरों से उसके सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी और उसके पास से 110 रुपये नकद तथा मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी धाबी विनोद का आपराधिक इतिहास भी है। वह वर्ष 2021 में मलकाजगिरि थाने में दर्ज एक मामले में भी आरोपी रह चुका है। विनोद और मोहन पहले एक ही दुकान में काम करते थे, जहां उनकी पहचान हुई थी। बाद में मोहन ने नौकरी छोड़कर स्विगी में डिलीवरी बॉय के रूप में काम शुरू कर दिया। घटना की रात दोनों आरोपी बाइक पर सिकंदराबाद क्षेत्र में घूम रहे थे और अकेले यात्रियों को निशाना बनाकर लूटपाट की योजना बना रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर जय प्रकाश पर पड़ी और उन्होंने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। सिकंदराबाद जोन की डीसीपी रक्षिता कृष्ण मूर्ति ने मामले के शीघ्र खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी में शामिल लालागुड़ा पुलिस तथा टास्क फोर्स की टीमों की सराहना की है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि तकनीकी जांच, सीसीटीवी विश्लेषण और समन्वित कार्रवाई के कारण हत्या का यह मामला कम समय में सुलझाया जा सका।

तेलंगाना में मानसून का आधिकारिक प्रवेश

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सोमवार दोपहर को दक्षिण-पश्चिम मानसून ने आधिकारिक रूप से प्रवेश कर लिया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पुष्टि की है कि मानसून की धाराएं राज्य के दक्षिणी सीमावर्ती जिलों नारायणपेट, जोगुलम्बा गडवाल और नागरकर्नूल में पहुंच चुकी हैं, जिससे राज्य में वर्षा गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में मानसून की उत्तरी सीमा (एनएलएम) ने उत्तर की ओर महत्वपूर्ण प्रगति की है और महाराष्ट्र के हरनाई और सोलापुर, कर्नाटक के कलबुर्गी तथा आंध्र प्रदेश के नंद्याल से होकर गुजरती हुई नई स्थिति में स्थापित हो गई है।

बुद्धिकोंडा-तेजपुर सड़क निर्माण का शिलान्यास

आदिलाबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बोथ विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनिल जाधव ने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने सोमवार को नेरादिगोंडा मंडल के बुद्धिकोंडा और तेजपुर गांवों के बीच बनने वाली पक्की सड़क का शिलान्यास किया। इस सड़क निर्माण परियोजना की अनुमानित लागत 2 करोड़ रुपये बताई गई है। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अनिल जाधव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में बेहतर सड़क अवसंरचना की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि सड़क बनने से क्षेत्र के लोगों, विद्यार्थियों और किसानों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा वे अपने गंतव्य तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में ग्रामीणों को विशेष रूप से बरसात के मौसम में आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद मानसून के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी और दोनों गांवों के बीच संपर्क व्यवस्था भी मजबूत होगी।

स्मार्ट पुलिसिंग के विजन को आगे बढ़ाएंगे : सीवी आनंद

डीजीपी ने स्टाफ ऑफिसर्स मीटिंग का पुनः शुभारंभ किया

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी कार्यालय में स्टाफ ऑफिसर्स मीटिंग को पुनः शुरू किया। यह एक पखवाड़े में एक बार होने वाला मंच है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी नीतियों, कार्यक्रमों और अंतर-विभागीय मुद्दों पर चर्चा करते हैं। यह व्यवस्था पिछले कुछ समय से निष्क्रिय थी, जिससे विभाग के विभिन्न विंग के बीच समन्वय में कमी देखी जा रही थी। बैठक में डीजीपी ने व्यापक एजेंडा पर चर्चा की, जिसमें विदेशी घरेलू कामगारों का संरचित डेटाबेस तैयार करना, सीसीटीएनएस 2.0, तकनीक आधारित पुलिसिंग, एआई, ड्रोन और डेटा इंटेलिजेंस सिस्टम के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। बैठक के दौरान उन्होंने हैदराबाद, साइबराबाद, मलकाजगिरी और भविष्य शहर कमिश्नरेट्स की सीमाओं, पुलिस स्टेशन सीमाओं, बॉर्डर विलेज डिवीजन और अन्य प्रशासनिक क्षेत्रों के पुनर्गठन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सर्किल, जोन और गांवों के पुनर्गठन की व्यापक योजना तैयार की जाए, जिससे प्रशासनिक दक्षता और परिचालन प्रभावशीलता बढ़ सके।

डीजीपी ने हाल की उन घटनाओं पर चिंता जताई, जिनमें अन्य राज्यों और विशेष रूप से नेपाल से आए घरेलू कामगारों की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के मामले सामने आए हैं। उन्होंने राज्य भर में ऐसे घरेलू कामगारों का विस्तृत डेटा एकत्र करने और उनके आवास एवं रोजगार से संबंधित संरचित डेटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में सीसीटीएनएस 2.0 के कार्यान्वयन, पुलिस प्रणाली के आधुनिकीकरण और मैनुअल प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने पर भी समीक्षा की गई। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि अक्टूबर 2026 में महिला पुलिस सम्मेलन और नवंबर 2026 में पुलिस रिट्रीट आयोजित किया जाएगा। महिला पुलिस कर्मियों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर देते हुए डीजीपी ने 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

उन्होंने महिला अधिकारियों को कानून-व्यवस्था और फील्ड ड्यूटी में अधिक अवसर देने की बात कही। डीजीपी ने आधुनिक पुलिसिंग में तकनीक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए एआई आधारित पुलिसिंग, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एचआरएमएस और डेटा इंटेलिजेंस सिस्टम के व्यापक उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से डायल-100, अपराधियों के रिकॉर्ड, वाहन जांच और हिस्ट्री शीटर डेटा तक तेज पहुंच सुनिश्चित की जा सकती है, जिससे पुलिसिंग अधिक प्रभावी होगी। उन्होंने तेलंगाना स्मार्ट पुलिसिंग के विजन को आगे बढ़ाने की बात कही और अधिकारियों से इसे तेजी से लागू करने का आह्वान किया। बैठक में गृह सचिव शिखा गोयल, इंटेलिजेंस डीजी विजय कुमार, तेलंगाना पुलिस अकादमी निदेशक अभिलाषा बिष्ट, डीजी लॉ एंड ऑर्डर महेश भागवत, डीजी तकनीकी सेवाएं वी.वी. श्रीनिवास राव, हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार, साइबराबाद सीपी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलुगु अभिनेता सुप्रीथ रेड्डी पर मारपीट का आरोप

टैक्सी चालक की शिकायत पर कीसारा पुलिस ने दर्ज किया मामला

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु फिल्म अभिनेता सुप्रीथ रेड्डी के खिलाफ सड़क किनारे वाहन पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक टैक्सी चालक के साथ कथित मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। कीसारा पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, टैक्सी चालक श्रीहरि कुंदनपल्ली क्षेत्र में यात्रियों को छोड़ने के बाद नागरम स्थित साईं बाबा मंदिर के पास अपनी गाड़ी खड़ी कर अगली बुकिंग का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान टोयोटा फॉर्च्यूनर वाहन से वहां पहुंचे अभिनेता सुप्रीथ रेड्डी ने कथित तौर पर सड़क किनारे टैक्सी खड़ी किए जाने पर आपत्ति जताई और कहा कि इससे यातायात प्रभावित हो रहा है। बताया जा रहा है कि इस मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और अभिनेता पर टैक्सी चालक के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने तथा शारीरिक रूप से मारपीट करने का आरोप लगाया गया। घटना के दौरान क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति भी बन गई।

घटना के बाद टैक्सी चालक श्रीहरि ने पुलिस सहायता के लिए फोन किया और बाद में कीसारा पुलिस थाने पहुंचकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने अभिनेता पर मारपीट और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीथ रेड्डी अभिनेता प्रभास अभिनीत छत्रपति में निभाई गई कटराज की भूमिका सहित कई फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक अभिनेता की ओर से इन आरोपों पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

तेलंगाना में इबोला को लेकर हाई अलर्ट

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने इबोला वायरस को लेकर राज्य में हाई अलर्ट घोषित करते हुए निगरानी और जांच व्यवस्था को और सख्त कर दिया है। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दमोदर राजा नरसिम्हा ने सोमवार को सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों पर 21 दिनों तक विशेष निगरानी रखी जाएगी। समीक्षा बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि अब तक दो संदिग्ध मामलों की जांच रिपोर्ट नकारात्मक आई है, जबकि पुष्टि के लिए अतिरिक्त नमूनों की जांच की जा रही है।

PUBLIC NOTICE

Under instructions and on behalf of my client **Mr. Manoj Kumar Agarwal**, S/o. Late Sri Bhagwan Das Agarwal residing at Plot No.E-33, Raghavendra Colony, Opp. Police Academy, Hyderabad, it is hereby notified for the information of the general public that my client, being a senior citizen, has severed all financial and proprietary relations with his son **Mr. Ashish Agarwal** and daughter-in-law **Mrs. Palak Agarwal** owing to their conduct and continuous acts causing mental harassment and distress to him and his family.

Accordingly, my client hereby **disowns, debars, and disinherits** . Mr. Ashish Agarwal and Mrs. Palak Agarwal from all his movable and immovable properties, whether existing or acquired in future. They shall have no right , title, interest, claim, or authority in respect of any property belonging to my client.

The general public is hereby cautioned not to enter into any transaction with Mr. Ashish Agarwal or Mrs. Palak Agarwal concerning my client's properties or affairs. Any person dealing with them shall do so entirely at his/her own risk and consequences, and my client shall not be liable for the same.

Place: Hyderabad
Date: 06/06/2026

Sd/-
V. Shashikant Reddy, Advocate
 # 3-4-174, Barkatpura, Hyderabad 27, Telangana, Cell: +91-7013252543

नितिन नवीन की 'पुरानी गद्दी' पर जदयू की नजर

दीघा के बदले बांकीपुर की ख्वाहिश

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई बांकीपुर में अभी तक बीजेपी उम्मीदवार की चर्चा चल रही थी। लेकिन अब ये सवाल सामने आया है कि बांकीपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी का उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा या जदयू का? यह सवाल इसलिए कि जदयू के सूत्र बताते हैं कि बांकीपुर विधानसभा सीट पर जदयू के रणनीतिकारों ने दावा ठोक डाला है। क्यों जदयू बांकीपुर विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता है, समझिए।

दीघा के बदले बांकीपुर

बांकीपुर के विधायक रहे नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद अब बांकीपुर विधानसभा के लिए उपचुनाव होना है। इस बीच जदयू के रणनीतिकारों को यह ख्याल आया कि राजधानी पटना के मेन हार्ट लैंड में फुलवारी विधानसभा के अलावा कोई सीट नहीं है। इसलिए जदयू ने यह मोर्चा खाला है। इसके साथ साथ जदयू पटना के मेन हार्ट लैंड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है। जदयू के रणनीतिकार इस मंशा को खारिज भी करना चाहते हैं कि पटना शहरी क्षेत्र से सिर्फ भाजपा ही जीत सकती है।

दावे के मूल में क्या है?

दीघा विधानसभा जब अस्तित्व में आया तभी से जदयू ने अपना दावा उस पर ठोक रखा था। 2008 में हुए परिसीमन के बाद जब साल 2010 में बिहार विधानसभा चुनाव हुए तो जदयू ने दावा ठोक दिया था तब दीघा विधानसभा के पहले चुनावी वर्ष यानी वर्ष 2010 विधानसभा चुनाव के दौरान यहां से जदयू ने उम्मीदवारी दी थी। तब जनता दल यू की नेता पूनम देवी को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया था। इस चुनाव में जदयू उम्मीदवार पूनम देवी ने लोजपा के सत्यानन्द शर्मा को भारी मतों के अंतर से हराया था। तब जदयू उम्मीदवार पूनम देवी को 81,247 (62.03 प्रतिशत) और लोजपा उम्मीदवार सत्यानंद शर्मा को 20,785 (15.87 प्रतिशत) मत मिल थे। वही कांग्रेस के उम्मीदवार राजेश कुमार को 9 हजार से थोड़ा ज्यादा मत मिले थे।

साल 2015 विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यू ने एनडीए का साथ छोड़ दिया था। तब जदयू ने यह चुनाव महागठबंधन के साथ लड़ा था। तब बीजेपी की तरफ से संजीव चौरसिया और जनता दल यू से राजीव रंजन चुनाव लड़े थे। इस चुनाव में जदयू हार गई थी। तब बीजेपी उम्मीदवार संजीव चौरसिया को 92,671 (50.74 प्रतिशत) और जदयू के राजीव रंजन को 67,892 वोट मिले थे। बाद में जदयू ने जब एक बार फिर एनडीए का दामन थामा तो साल 2020 के विधानसभा चुनाव में सिटिंग सीट के कारण दीघा बीजेपी के पास ही रही। तब से अब तक संजीव चौरसिया ही यहां से बीजेपी के विधायक हैं।

दबाव पर कोई निर्णय नहीं

हालांकि इस दबाव के बाद एनडीए के प्लेटफार्म पर कोई नया निर्णय नहीं आया है। और अभी भी बीजेपी के गलियारों में कौन बनेगा बीजेपी का उम्मीदवार खेल चालू है।

संजय मयूख के एमएलसी बनने के बाद अब बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की पुरानी सीट बांकीपुर विधानसभा के लिए ऋतुराज सिन्हा, अजय आलोक, आशीष सिन्हा, रितु जायसवाल और सुषमा साहू के नाम की दौड़ चालू है।

यूपी में मौसम बदला
गोरखपुर-जालौन में तेज बारिश

लखनऊ, 8 जून (एजेंसियां)। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर जिलों में दिन की शुरुआत तेज धूप के साथ हुई। हवा की रफ्तार कम होने से उमस महसूस हुई। हालांकि, 10 बजते-बजते मौसम बदल गया। लखनऊ, बाराबंकी, हरदोई समेत 5 जिलों में बादल छाए गए। ठंडी हवाएं चलने लगी।

गोरखपुर में दोपहर 1.30 बजे अचानक बादल छा गए। तेज हवाएं चलने लगीं। जोरदार बारिश शुरू हो गई। करीब 15 मिनट हुई बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। इससे पहले जालौन में सुबह 8.30 बजे करीब आधे घंटे तक बारिश हुई।

मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, इस बार यूपी में मानसून 4 से 6 दिन लेट पहुंच सकता है। 11 जून के बाद प्री-मानसून बारिश का सिलसिला शुरू होगा। मानसून 24 जून तक प्रदेश में एंट्री कर सकता है। फिर 10 दिन के अंदर यह पूरे यूपी पर छा जाएगा। मानसून आमतौर पर 18-20 जून के बीच यूपी पहुंचता है।

फिल्मों की तरह राजनीति में भी गाड़ेंगे झंडे, बोले पवन सिंह के भाई गुड्डू सिंह

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। भोजपुरी सिनेमा के 'पावर स्टार' पवन सिंह को बिहार विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद उनके परिवार में खुशी का माहौल है। इस कड़ी में उनके बड़े भाई गुड्डू सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए खुशी का बात है। जिस तरह पवन सिंह ने भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है, उसी तरह राजनीति में भी वह परिवार का नाम रोशन करेंगे।

गुड्डू सिंह ने कहा, 'पवन सिंह को बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाए जाने पर हमारी खुशी का ठिकाना नहीं है। बस एक बार वह एमएलसी बन जाएंगे, तो यह खुशी और भी दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने अभिनेता और गायक के रूप में जो पहचान हासिल की है, नेता के रूप में भी वह हमारा नाम रोशन करेंगे। हम भारतीय जनता पार्टी का दिल से धन्यवाद करना चाहते हैं कि उसने पवन सिंह पर भरोसा जताया।' वहीं, एमएलसी उम्मीदवार बनाए जाने के बाद खुद पवन सिंह ने भी भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार जताया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का आभार जताना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी दी है।'

पवन सिंह ने कहा, 'मैं बिहार की जनता को दिल से नमन करता हूं और वादा करता हूं कि मुझे सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।' दरअसल, भाजपा ने 5 जून को बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की थी।

इस सूची में पवन सिंह के अलावा संजय मयूख, अनिल ठाकुर और शीला पंडित को भी उम्मीदवार बनाया गया। हालांकि, सबसे ज्यादा चर्चा पवन सिंह के नाम की ही हुई।

मैं बिहार की जनता को दिल से नमन करता हूं और वादा करता हूं कि मुझे सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।

बता दें कि पवन सिंह ने साल 2024 में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी और तब से लगातार पार्टी के कार्यक्रमों और अभियानों से जुड़े रहे हैं।

जिसका दरबार लगता था उसे दरबारी बना दिया

नीतीश को लेकर आनंद मोहन का जेडीयू नेताओं पर हमला बोले-उकसाने की कोशिश न करें, जवाब देना आता है

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। पूर्व सांसद और बाहुबली नेता आनंद मोहन ने एक बार फिर नाम लिए बिना जेडीयू के कुछ नेताओं पर तीखा हमला बोला है। मुजफ्फरपुर में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि 'विधानसभा चुनाव के दौरान 25 से 30, फिर से नीतीश" का नारा दिया गया था, लेकिन चुनावी जीतने के बाद ऐसी कौन-सी परिस्थितियां बन गईं कि नीतीश कुमार को सत्ता से दूर कर दिया गया।'

उन्होंने कहा कि, 'इस पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।'

आनंद मोहन ने कहा कि 'जिनके आवास पर कभी बड़े-बड़े नेता और अधिकारी पहुंचकर मुलाकात किया करते थे, आज उनकी स्थिति बदल दी गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्वार्थी और चाटुकार प्रवृत्ति के लोगों ने पार्टी और नेतृत्व दोनों को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। जिस नेता का कभी दरबार लगता था, आज उसी को दरबारी बना दिया गया है, जो उनके सम्मान के खिलाफ है।'

पूर्व सांसद ने जेडीयू कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि, 'वे ऐसे लोगों के खिलाफ आवाज उठाएं जो पार्टी और उसके नेतृत्व को कमजोर करने का काम कर रहे हैं।

पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं को नेतृत्व के सम्मान और संगठन की मजबूती के लिए आगे आना चाहिए।'

आनंद मोहन ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि, उन्हें बेवजह निशाना बनाने या उकसाने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। उनका किसी समाज से कोई विवाद नहीं है और सभी वर्गों का उन्हें सहयोग मिलता रहा है। हालांकि, यदि कोई उन्हें चुनौती देने की कोशिश करेगा तो वे उसका मजबूती से जवाब देंगे।

12 से 16 साल की लड़की की कीमत डेढ़ लाख

5 लाख में 4 नाबालिगों की नेपाल में डील बॉर्डर तक पहुंच गए थे, मौलवी का कबूलनामा

मोतिहारी, 8 जून (एजेंसियां)। अगर पुलिस एक घंटे और लेट करती तो मैं सभी नाबालिग लड़कियों को लेकर भारत बॉर्डर को पार कर नेपाल पहुंच जाता। वहां इन लड़कियों को बेचकर 5 लाख रुपए से ज्यादा की कमाई करता। इसके बाद ऐशोआराम की जिंदगी जीता।

ये कहना है लव ट्रैप में फंसाकर 4 नाबालिग लड़कियों के अपहरण और उन्हें बेचने की कोशिश करने वाले मौलवी असफाक का। रविवार को उसने पुलिस को अपना कबूलनामा दिया है।

पुलिस पूछताछ में आरोपी अशफाक ने बताया, मैं 4 साल पहले 2022 में मौलवी की पढ़ाई कर रहा था। इसी दौरान दोस्तों के साथ छुट्टी पर नेपाल घूमने गया था। यहां हम सभी दोस्त एक होटल में रूके थे। वहां मौजूद एक भारतीय लड़के से मेरी अच्छी जान पहचान हो गई।

उसने मुझसे पूछा- तुम इंडिया में क्या करते हो? इसपर मैंने कहा, 'मैं अभी मौलवी की पढ़ाई कर रहा हूं। 2 साल बाद मेरी पढ़ाई खत्म हो जाएगी तो मैं किसी भी मदरसे में मौलवी बन सकता हूं।'

अशफाक ने आगे कहा, जैसे ही मैंने अपनी पढ़ाई की कहानी सुनाई उस लड़के ने मुझसे तुरंत मेरा फोन नंबर ले लिया। उसने मुझसे कहा, तुम मौलवी बनकर मदरसे में पढ़ाओगे। इस दौरान वहां पर कई सारी नाबालिग लड़कियां भी पढ़ने के लिए आएंगी। उनसे तुम्हारी अच्छी जान-पहचान हो जाएगी।

अगर तुम उन लड़कियों में से किसी को भी नेपाल मेरे होटल में लेकर आओगे तो उसके बदले तुम्हें लाखों रुपए मिलेंगे। 12 से 16 साल की लड़कियों की डेढ़ लाख रुपए कीमत है।

वहीं इससे कम लड़कियों की एक लाख रुपए...तुम जैसे ही लड़की मेरा हाथ में हैंडओवर करोगे मैं तुम्हे तुरंत पैसे दे दूंगा।

असफाक ने आगे बताया, 'मेरे दिमाग में उन लड़कों की बात बैठ गई थी। मुझे बहुत सारे पैसे कमाने थे। अपनी जिंदगी आलीशान तरीके से काटनी थी। मैंने जैसे ही पढ़ाई खत्म की मुझे मोतिहारी के शिकारगंज थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित मदरसे में पढ़ाने के लिए नौकरी मिल गई।

कारोबारी का हत्यारोपी भानु सिंह एनकाउंटर में ढेर

अयोध्या, 8 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में एसटीएफ ने 2 लाख रुपए के इनामी बदमाश भानु प्रताप सिंह उर्फ बबलू (38) को मार गिराया।

रविवार देर रात एसटीएफ को सूचना मिली थी कि आरोपी साथी के साथ बाइक से भाग रहा है। टीम ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने स्टेन-गन से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसे गोली लग गई। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ रात करीब 11 बजे महाराजगंज थाना क्षेत्र के एमी घाट के पास हुई।

सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत

औरंगाबाद में काशी जा रहे आंध्र प्रदेश के 3 की गई जान, अरवल में नहर में गिरी कार

अरवल, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार में दो अलग-अलग सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। 20 से ज्यादा घायल हैं। औरंगाबाद में सोमवार सुबह पर्यटकों से भरी बस की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में आंध्र प्रदेश के 3 लोगों की मौत हुई है। 20 घायल हो गए हैं।

बताया जा रहा कि आंध्र प्रदेश से करीब 40 लोग धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए यात्रा पर निकले थे। सभी रविवार रात बोधगया से यूपी के काशी के लिए बस से रवाना हुए थे। इसी दौरान भवानी होटल के पास उनकी बस का एक्सीडेंट हो गया।

वहीं अरवल में रविवार रात सड़क हादसे में पटना के 4 युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा कि गाड़ी में कुल 5 लोग सवार थे। सभी अरवल के एक विधायक से मुलाकात कर पटना लौट रहे थे। उस समय गाड़ी की स्पीड 100किमी थी।

इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। जिससे 4 लोगों की डूबने से मौत हो गई। एक युवक को बचा लिया गया है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। हादसा अरवल-पटना नहर रोड पर गांधी मैदान पर हुआ।

औरंगाबाद में ट्रक और बस की टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने राहत-बचाव कार्य शुरू किया और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर सदर अस्पताल पहुंचाया। मृतकों की पहचान आंध्रप्रदेश के नेल्लौर जिले के कुटूर प्रखंड के संगम गांव निवासी 60 साल के चावादम हजरत थेटा, इसी गांव की रहने वाली 43 साल की पद्मा और पशु पुलेटी वेंकटेश्वरलू के रूप में की गई है। जबकि घायलों की पहचान रामा रेड्डी, प्रसाद रेड्डी, टी राजलक्ष्मी, के सुब्रता, सुब्बमा वैरा, पद्मावती, नरेंद्र रेड्डी, मिरामां, वात्सलू, कामाक्षी, यश प्रसाद, बी लक्ष्मया, चंद्रमौली, लक्ष्ममा, सोमा पद्मा आदि के रूप में की गई है।

इनमें आठ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी। मोड़ पर ड्राइवर गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिसके कारण यह हादसा हुआ। कुछ सेकेंड में ही गाड़ी नहर में जा गिरी।

कार के अंदर फंसे तीन युवकों के शवों को गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला गया। चौथे शव को क्रेन से बाहर निकाला गया। सभी को अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें डेड घोषित कर दिया।

मृतकों में तीन की पहचान हो गई है। इनमें बिहटा के रिशांक, मनोज और कंकड़बाग के अमन के रूप में हुई है। चौथे मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। जबकि कार ड्राइवर रोहित को स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला।

फायरिंग मामले में खान सर ने दायर की जमानत याचिका

गाड्र्स की बेल पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित, अपोजिशन के वकील बोले- जानबूझकर गोली चलवाई

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। फायरिंग मामले में खान सर ने पटना सिविल कोर्ट में सोमवार को अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। कल यानी मंगलवार को इस पर सुनवाई होगी। गोली चलाने वाले दोनों गाड्र्स की बेल के लिए भी आज अप्लाई किया गया है।

गाड्र्स की बेल पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया है। कोर्ट में गाड्र्स की जमानत को लेकर ज्ञान बिंदु के वकील की ओर से विरोध किया गया। ज्ञान बिंदु के वकील की ओर से कहा गया है कि इरदातन गोली चलवाई गई थी। भीड़ हटाने के लिए फायरिंग नहीं हुई थी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों गाड्र्स की केस डायरी और क्रिमिनल हिस्ट्री मांगी है।

इधर, रौशन आनंद की जमानत पर भी कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान खान के वकील ने बेल का विरोध किया। उन्होंने कहा कि पहले से इनका आपराधिक इतिहास है।

पुलिस ने खान सर के गाड्र्स के बयान पर उनके ऊपर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया है।

पुलिस की एफआईआर में बताया गया है कि खान सर ने गाड्र्स से कहा था- तुम गोली चलाओ बाकी मैं देख लूंगा। दरअसल, 2 जून की रात पटना स्थित खान सर की कोचिंग पर हमला हुआ था। घटना के दौरान उनके बॉडीगाड्र्स के फायरिंग किए जाने का वीडियो सामने आया था। मामले में पुलिस पहले ही दोनों बॉडीगाड्र्स को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है और खान सर से भी पूछताछ की जा चुकी है।

खान सर की कोचिंग में फायर सेफ्टी को लेकर कमियां पाई गई हैं। बिहार फायर सर्विस कमांडेट रितेश पांडेय ने कहा, 'खान ग्लोबल स्टडीज को एक 31 मई को नोटिस दिया गया था।

आज हमारी टीम फिर से जांच करने गई थी, लेकिन कमियों को दूर करने को लेकर सही प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। 15 जून के बाद अगर सभी मानक पूरे नहीं होते तो एक्शन लिया जाएगा।'

इससे पहले बिहार फायर सर्विस के डीआईजी मनोज कुमार नट ने कहा था, 'तय वक्त में सारे मानक पूरे नहीं किए जाते तो कोचिंग सील करने की कार्रवाई की जाएगी।'

खान सर के दूसरे चाचा इमरान ने भी कहा 'खान सर शिक्षक नहीं माफिया है, जो बच्चे उनके यूट्यूब पर क्लास कर रहे हैं, वो उनको धोखा दे रहे हैं।

वो जिंदगी से खिलवाड़ करते हैं। गंदे नेचर के हैं और अपने सामने किसी को आगे बढ़ता नहीं देखना चाहते।

राम मंदिर से 7 करोड़ चोरी का मामला

शंकराचार्य बोले- चोर को रक्षक बनाएंगे तो यही होगा पंकज चौधरी ने कहा- अखिलेश को जवाब क्यों दें

अयोध्या/आगरा, 8 जून (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर में आए चढ़ावे में करोड़ों रुपए की चोरी के दावे पर सियासत शुरू हो गई है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने सोमवार को आगरा में कहा- जब आप चोर को रक्षक बना देंगे तो वो क्या करेगा। पहले जमीनों के नाम पर हुआ। अब सीधे पेटी से निकाल लिया जा रहा। वहीं, सपा मुखिया अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा- कौन कह रहा है। कुछ गायब हुआ है। अखिलेश कहते रहे, उनका हम जवाब थोड़े ही देते रहेंगे। यह सरकार का विषय नहीं है। मंदिर प्रशासन इसका जबाब देगा। आर्य संत वरुण दास महाराज ने कहा- राम भक्तों को प्रताड़ित करने वाले अखिलेश को बोलने का हक नहीं है।

इससे पहले, सपा सरकार में मंत्री रहे चुके पवन पांडेय ने रविवार को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ तक की चोरी की गई है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को खुद इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए।

साक्षी यादव ने खाली गैस सिलेंडर को चूल्हा बना सेंकी रोटियां

अखिलेश ने वीडियो शेयर कर लिखा- आपदा में आविष्कार!

प्रयागराज, 8 जून (एजेंसियां)। पिछले कुछ महीने के भीतर सरकार ने तीसरी बार घरेलू गैस के दाम बढ़ाए हैं। इससे आम जनता को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रयागराज में एक फैमिली ने गैस सिलेंडर को काटकर चूल्हे का शक्ल दे दिया है। घर की महिलाएं इस चूल्हे पर रोटियां सेंकती नजर आई हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर लिखा है- आपदा में आविष्कार! महंगी हुई गैस तो जिस 'सिलेंडर' से चूल्हा जलता था उसे ही चूल्हा बना लिया।

इस वीडियो में प्रयागराज में रहने वालीं साक्षी यादव चूल्हे पर रोटी बनाती दिख रही हैं।

उनका कहना है- 'पहले जब 450 रुपये गैस सिलेंडर का दाम हुआ करता था तब कितनी हाय तौबा मचती थी। अब लगभग दाम 1 हजार रुपये हो गया है। एक मिडिल क्लास फैमिली के लिए बहुत दिक्कत हो गई है।

चाहे वह राशन हो चाहे गैस हो, हर चीज महंगी हो चुकी है। महिलाओं की शौक करने की इच्छा खत्म हो चुकी है। अब हम लोग बस घर के बच्चों को खाना खिला लें, वही बहुत है।'

और बुरे फंसे दीपक प्रकाश

सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका

पटना/नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश की पुनर्नियुक्ति को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में मुख्य सवाल यह उठाया गया है कि क्या कोई व्यक्ति, जो बिहार विधानमंडल के किसी भी सदन का सदस्य नहीं है, संविधान के अनुच्छेद 164(4) के तहत दी गई छह माह की अवधि समाप्त होने के बाद पुनः मंत्री पद पर नियुक्त किया जा सकता है।

याचिकाकर्ता ने दीपक प्रकाश की मंत्री पद पर निरंतरता को असंवैधानिक बताते हुए उनकी नियुक्ति रद्द करने की मांग की है। याचिका में दलील दी गई है कि अनुच्छेद 164(4) के अंतर्गत गैर-विधायक को मंत्री बनाए जाने की छह महीने की संवैधानिक छूट केवल एक बार ही उपलब्ध है। इसका बार-बार इस्तेमाल इस्तीफा देकर, मंत्रिमंडल पुनर्गठन या पुनर्नियुक्ति के माध्यम से नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि अनुच्छेद 164(4) का प्रावधान संविधान की मूल भावना और लोकतांत्रिक जवाबदेही को दरकिनार करने के लिए नहीं है। याचिका में स्पष्ट किया गया है कि यह प्रावधान केवल अस्थायी व्यवस्था है, जिसका दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। याचिका में कहा गया है कि यह मामला केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति तक सीमित नहीं है बल्कि इससे संवैधानिक शासन, संसदीय लोकतंत्र, मंत्रिपरिषद की जवाबदेही और कार्यपालिका की शक्तियों की संवैधानिक सीमाओं जैसे व्यापक मुद्दे जुड़े हुए हैं।

सुरक्षा घटाने पर लालू बोले- पागल हो गए हैं

मीसा ने कहा- नोटिस से पहले बंगला खाली कर देंगे, राबड़ी कौटिल्य नगर वाला घर देखने पहुंचीं

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। सुरक्षा घटाने और बंगला खाली करने के नोटिस पर लालू यादव ने कहा, 'सब पागल हो गए। घृणा कर रहे हैं। मुझे उन लोगों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। सरकार को जो करना है करे।'

लालू रविवार रात सिंगापुर से दिल्ली पहुंचे। जहां उन्होंने ये बयान दिया। लालू के साथ मीसा भारती भी थीं। बंगला खाली करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'हम 15 दिन के अंदर बंगला खाली कर देंगे।' वहीं लालू परिवार की सुरक्षा घटाने पर कहा, 'लालू जी और राबड़ी जी को सुरक्षा की जरूरत नहीं है। लालू-राबड़ी के साथ उनके चाहने वाले बहुत हैं। मैं भी अपनी सुरक्षा लौटा रही हूं।'

इन सब के बीच रविवार को राबड़ी देवी पटना के कौटिल्य नगर वाले घर का कामकाज देखने पहुंचीं। बताया जा रहा है कि राबड़ी आवास खाली करने के बाद लालू परिवार यहीं शिफ्ट होगा। 29 मई को भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को बंगला खाली करने के लिए तीसरा नोटिस दिया। दिल्ली से पटना लौटते ही पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के तेवर बेहद आक्रामक नजर आए। उन्होंने सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा, '10, सर्कुलर रोड वाला आवास किसी भी कीमत पर खाली नहीं करेंगे। सम्राट चौधरी अभी नए-नए मुख्यमंत्री बने हैं।

बारिश में गिरे 4 मकान अब ढहाए जा रहे

आगरा, 8 जून (एजेंसियां)। आगरा के बालूगंज में बारिश में गिरे चारों मकान अब पूरी तरह से ढहाए जा रहे हैं। नगर निगम ने इन्हें तोड़ना शुरू कर दिया है। ये चारों मकान नाले के ऊपर बने हुए थे। नगर निगम की टीम इन मकानों को गिराकर इनका मलबा उठवा रहा है। इधर, स्कूल के नीचे बने नाले की मरम्मत का भी काम शुरू कर दिया गया है।

2 जून तड़के आगरा में मूसलाधार बारिश हुई थी। इसमें बालूगंज स्थित चार मकान गिर गए थे। हादसे के वक्त घरों में करीब 15 लोग थे। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। अगले ही दिन यानि 3 जून को डीएम मनीष बंसल ने नगर निगम और प्रशासन की टीम के साथ यहां का निरीक्षण किया था।

जिसमें पता चला था कि ये चारों मकान नाले के ऊपर बने हुए थे। इसके साथ ही बैनी सिंह इंटर कॉलेज भी नाले के ऊपर बना था।

उपद्रवियों पर बड़े प्रहार की तैयारी, जवानों को खुली छूट

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में शांति बहाली के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक सख्त और ठोस कार्ययोजना तैयार की है। राज्य में सक्रिय उपद्रवियों के खिलाफ अब सुरक्षा बल निर्णायक प्रहार करेंगे। सीआरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) जीपी सिंह ने मणिपुर में तैनात अपने जवानों और अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उपद्रवियों के खात्मे के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह स्वतंत्र हैं। उन्होंने जवानों को खुली छूट देते हुए भरोसा दिलाया कि एक साल के भीतर मणिपुर के हालात पूरी तरह सामान्य हो जाएंगे।

विभागीय सवाल, कानूनी पचड़ों की न करें चिंता

डीजी जीपी सिंह ने जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए साफ कहा कि यदि उपद्रवियों पर सुरक्षा बल गोली नहीं चलाएंगे, तो सरकार ने उन्हें गोला-बारूद क्यों दिया है? उन्होंने जवानों को आश्वस्त किया कि वे किसी भी कार्रवाई के बाद विभागीय सवालों या कानूनी पचड़ों की चिंता न करें। डीजी ने कहा कि जब तक वे पद पर हैं, वास्तविक और प्रामाणिक कार्रवाई के दौरान जवानों पर कोई आंच नहीं आएगी। यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। जीपी सिंह ने जवानों से कहा कि यहां पर दो तरह की समस्या है। पहला, हथियार वाले मिलिटेंट हैं। वे चाहे किसी सरेंडर किए हुए समूह के सदस्य हैं या फिर सक्रिय उग्रवादी समूहों के मेंबर हैं। वे हथियारों का नाजायज उपयोग कर रहे हैं। दूसरा, उन्हीं से संबंधित कानून व्यवस्था का विषय है। वहां पर कई समूह, हथियारबंद लोगों को ऐसा माहौल देते हैं कि जिससे वे राज्य के विभिन्न हिस्सों में अशांति फैला सकें। ऐसे में हमारे सुरक्षा बलों को सूक्ष्म तरीके से रणनीति बनाकर इन दोनों पर प्रहार करना होगा।

'पुलिस के साथ करें सहयोग'

राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीजीपी मुकेश सिंह की जनता से अपील

इंफाल, 8 जून (एजेंसियां)। मणिपुर के डीजीपी मुकेश सिंह ने लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। इसके साथ ही सभी के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में पुलिस के साथ सहयोग करने को कहा है। उन्होंने कांगपोकपी और सेनापति जिलों की अपनी पहली यात्रा के दौरान कुकी और नागा नागरिक समाज संगठनों के साथ बातचीत में यह टिप्पणियां कीं। डीजीपी को मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति, सुरक्षा उपायों और पुलिस की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया, 'उन्होंने जिला पुलिस बलों के समग्र कामकाज और परिचालन तैयारियों की भी समीक्षा की।' सिंह ने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कमांडरों के साथ भी बातचीत की।

'हर मामले को निष्पक्ष तरीके से निपटाएं'

रविवार शाम को पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने कहा, 'पुलिसकर्मियों को मेरा निर्देश है कि वह हर मामले को निष्पक्ष तरीके से निपटाएं। कानून के किसी भी उल्लंघन से गंभीरता से निपटा जाएगा।' उन्होंने दोहराया कि पुलिस बिना किसी डर या पक्षपात के निष्पक्ष रूप से लोगों की सेवा करना जारी रखेगी।

डीजीपी का कांगपोकपी और सेनापति का दौरा ऐसे समय में हुआ है जब संदिग्ध सशस्त्र समूहों द्वारा कथित तौर पर कम से कम 20 लोगों को बंधक बनाए जाने के बाद नागा और कुकी समुदायों के बीच तनाव बना हुआ है और उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। मणिपुर में मई 2023 से लेकर अब तक मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हुई हिंसा में कम से कम 260 लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग विस्थापित हो गए।

पाक हैंडलर ने कर्नाटक के युवकों को ग्रुप बनाने का दिया आदेश, जांच में खुलासा

तुमकुरु, 8 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक की तुमकुरु पुलिस की ओर से पकड़े गए कथित टेरर-लिंक्ड सोशल मीडिया नेटवर्क की जांच से पता चला है कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर ने गिरफ्तार युवकों को एक बड़ा ग्रुप बनाने और 50 से 60 सदस्य जोड़ने का निर्देश दिया था। साथ ही, उनकी गतिविधियों के लिए आर्थिक मदद का वादा भी किया था। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी साझा की। जांचकर्ताओं के अनुसार राणा नामक हैंडलर ने कथित तौर पर इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए आरोपियों को कट्टरपंथी बनाया। उसने धीरे-धीरे बातचीत को धार्मिक चर्चाओं से हटाकर भड़काऊ बातों की ओर मोड़ दिया। बातचीत के दौरान उसने कथित तौर पर आरोपियों को 50 से 60 लोगों का एक ग्रुप बनाने और अपने निर्देशों के अनुसार उन्हें ट्रेनिंग देने के लिए कहा। साथ ही, उन्हें असीमित आर्थिक मदद का भरोसा भी दिलाया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि हैंडलर का मकसद सोशल मीडिया पर प्रभावित किए जा सकने वाले युवाओं का इस्तेमाल करके भारत में एक संगठित नेटवर्क बनाना था। फंड का वादा और ग्रुप को बढ़ाने के निर्देश अब चल रही जांच में एक अहम घटनाक्रम माने जा रहे हैं। इस मामले में दो युवाओं, तुमकुरु के अल्लाबकाश (23) और दावणगेरे के जमीर खान (23) को गिरफ्तार हुई है। उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पाकिस्तान में मौजूद एक व्यक्ति से कथित संबंध होने के कारण गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत हिरासत में लिया गया था। जांचकर्ताओं ने बताया कि आरोपी लगभग 20 दिनों तक इंस्टाग्राम, एक्स और व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए हैंडलर के लगातार संपर्क में थे। बातचीत कथित तौर पर धार्मिक कंटेंट से शुरू हुई और बाद में बदला लेने और लोगों को एकजुट करने जैसी चर्चाओं में बदल गई। पुलिस ने बताया कि हैंडलर ने कथित तौर पर पुरानी घटनाओं का जिक्र किया और समुदाय की शिकायतों के आधार पर नैरेटिव बनाकर आरोपियों को भावनात्मक रूप से प्रभावित करने की कोशिश की। उस पर यह भी शक है कि उसने आरोपियों को अन्य संपर्कों से मिलवाकर और ग्रुप-आधारित तालमेल को बढ़ावा देकर अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश की।

अधिकारियों ने बताया कि कर्नाटक पुलिस को सतर्क करने में केंद्रीय खुफिया जानकारी ने अहम भूमिका निभाई, जिसके बाद एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया और दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया। खबरों के मुताबिक हिरासत में लिए जाने से पहले आरोपियों में से एक फरार था। पुलिस सूत्रों ने कहा कि जांच का दायरा अब यह पता लगाने के लिए बढ़ा दिया गया है कि क्या कथित नेटवर्क के हिस्से के तौर पर और लोगों को निशाना बनाया गया या भर्ती किया गया।

सीएम विजय की आलोचना करना पड़ा भारी

> टीवीके सरकार से सवाल करने वाले यूट्यूबर मारिदास की गिरफ्तारी, गरमाई राजनीति

मदुराई, 8 जून (एजेंसियां)। लोकप्रिय यूट्यूबर मारिदास को सोमवार को चेन्नई साइबर क्राइम पुलिस ने मदुरई स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय और उनकी टीवीके सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर लगातार मानहानिकारक टिप्पणियां प्रसारित कीं। तमिलनाडु में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही यूट्यूबर मारिदास अपने X अकाउंट और यूट्यूब के जरिए सरकार की गतिविधियों की तीखी आलोचना कर रहे थे।

खासतौर पर जब भी मुख्यमंत्री विजय की नई योजनाओं, नीतियों और घोषणाओं की जानकारी जारी की जाती थी, तब वे आंकड़ों और अलग-अलग तथ्यों का हवाला देते हुए सरकार की आलोचना वाली पोस्ट करते थे। वे सवाल उठाते थे कि इन योजनाओं को व्यवहार में लागू करने की वास्तविक संभावनाएं क्या हैं? क्या इन्हें वास्तव में लागू किया जा सकता है या फिर यह केवल घोषणाओं के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास है? इसके बाद चेन्नई साइबर क्राइम पुलिस के पास एक अधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई। इस शिकायत में कहा गया कि मारिदास द्वारा पब्लिश की गई सभी जानकारी और आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। मुख्यमंत्री और तमिलनाडु सरकार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जानबूझकर फैलाया गया मानहानिकारक प्रचार है। शिकायत की गंभीरता की जांच करने के बाद साइबर क्राइम इंस्पेक्टर के नेतृत्व में एक विशेष टीम आज सीधे मदुरई पहुंची और कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। मारिदास मदुरई के सूर्य नगर एरिया में रहते हैं। सोमवार सुबह चेन्नई साइबर क्राइम पुलिस उनकी आवास पर पहुंची और उनसे शुरुआती पूछताछ शुरू की। उनकी संभावित गिरफ्तारी की सूचना फैलने के बाद यह आशंका जताई जा रही थी कि बीजेपी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता या उनके समर्थक बड़ी संख्या में वहां इकट्ठा हो सकते हैं।

नकवी बोले-इंडी गठबंधन रणछोड़ बहादुरों का राजनीतिक रंगमंच

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को दिल्ली में होने वाली 'इंडिया' ब्लॉक की बैठक को लेकर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन रणछोड़ बहादुरों का राजनीतिक रंगमंच है।

इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधा। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने इंडिया गठबंधन की बैठक पर आईएएनएस से बात करते हुए कहा, यह (इंडी गठबंधन) रणछोड़ बहादुरों का राजनीतिक रंगमंच है। विरोधाभास और अंतरविरोध से भरा हुआ है। इनकी खानदान अनेक और ख्वाहिशें एक वाली स्थिति है, लेकिन हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पर दम निकले। क्योंकि इस गठबंधन में सब 'प्रधानमंत्री इन वेटिंग' हैं। इसमें सारथी 'गुरु' है और साथी 'गुरु' घंटाल है, तो इसलिए इस गठबंधन का सफर शुरू होने से पहले ही धाराशायी हो जाता है।

अमरनाथ यात्रा : हाईटेक निगरानी के साथ श्रद्धालुओं को मिलेगा अभेद्य सुरक्षा कवच

आधुनिक तकनीक से होगी निगरानी

जम्मू, 8 जून (एजेंसियां)। तीन जुलाई से शुरू हो रही श्री अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं को अभेद्य सुरक्षा कवच मिलेगा। इसके लिए सुरक्षा इंतजामों को और पुख्ता किया जा रहा है। यात्रा मार्ग पर तैनात सुरक्षाबलों को अब अत्याधुनिक तकनीक वाले उपकरण दिए जा रहे हैं। ये किसी भी खतरे की पहचान करने और समय रहते उसे टालने में मदद करेंगे।

अधिकारियों के अनुसार यात्रा मार्ग, आधार शिविर और श्रद्धालुओं के आवागमन वाले क्षेत्रों में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इसमें विस्फोटकों की पहचान, रिमोट कंट्रोल बम निष्क्रिय करना और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आधुनिक उपकरण शामिल हैं। लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए शारीरिक जांच के साथ-साथ वाहनों और सामान की भी जांच होगी। इस बार सुरक्षा एजेंसियां एक्स-रे आधारित स्कैनिंग सिस्टम, एक्सबीआईएस स्कैनर, हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर और लिक्विड एक्सप्लोसिव डिटेक्टर जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करेंगी। यात्रा मार्ग पर वाहनों को एक्स-रे आधारित स्कैनिंग सिस्टम और वाहन निरीक्षण उपकरणों से जांचा जाएगा। बैग और अन्य सामान एक्सबीआईएस स्कैनरों से होकर गुजरेंगे।

तीर्थयात्रियों को मिलेगा सुरक्षित वातावरण

आईजी सुरक्षा सुजीत कुमार ने कहा, हाईटेक उपकरणों का उद्देश्य जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना और श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। आधुनिक तकनीक की मदद से सुरक्षाबल कम समय में अधिक लोगों और वाहनों की जांच कर सकेंगे। इससे किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की पहचान तेजी से हो सकेगी। रिमोट कंट्रोल से संचालित विस्फोटकों के खतरे से निपटने के लिए पोर्टेबल आरसीआईईडी जैमर भी तैनात रहेंगे। आगामी अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) और रामकी इंफ्रास्ट्रक्चर ने श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर सुधार और सौंदर्य बढ़ाने का काम तेज कर दिया है। इसका उद्देश्य तीर्थयात्रियों के सफर को आसान और सुरक्षित बनाना है। अधिकारियों ने बताया कि हाईवे पर कई जगहों पर पेंटिंग और रखरखाव का काम किया जा रहा है।

'बीजेपी की सी-टीम है सीजेपी'

अलंकार अग्निहोत्री ने बोला सरकार पर हमला

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। शिक्षण संस्थानों के लिए आए यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ विरोध करने वाले बरेली के निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि सीजेपी असल में बीजेपी की ही 'सी टीम' है। इसके अलावा राम मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी के मुद्दों को लेकर भी अलंकार अग्निहोत्री ने योगी सरकार और मंदिर ट्रस्ट पर सवाल उठाए हैं। अलंकार अग्निहोत्री ने अपना अलग संगठन बनाया है, जिसका नाम राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा रखा है। बलरामपुर में संगठन के ही एक कार्यक्रम के दौरान अलंकार अग्निहोत्री ने कहा, "कॉकरोच जनता पार्टी बीजेपी की 'सी' टीम है। वास्तव में सीजेपी ही बीजेपी है। एक तरफ सत्ताधारी दल सीजेपी को देशद्रोही बताता है, और दूसरी तरफ 6 जून को सीजेपी नेता अभिजीत दिपके के स्वागत के लिए दिल्ली एयरपोर्ट के बाहर सैकड़ों वाहनों की कतारें लग जाती हैं।" अलंकार अग्निहोत्री ने कहा, उन्हें जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति भी मिल गई। अग्निहोत्री ने राम मंदिर में चढ़ावे के रूप में आए करोड़ों रुपये के चंदे के गायब होने की खबरों को भी दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल और कुछ खास लोग 'सनातनी' परंपरा के नाम पर देश के मंदिरों, मठों और श्रद्धालुओं के धन को लूट रहे हैं, जो देश के तीर्थस्थलों के प्रति उनकी वास्तविक चिंता की कमी को दर्शाता है।

अवैध हथियारों और हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़

सीमा पार से तस्करी; अफगानी नागरिक समेत चार गिरफ्तार

अमृतसर, 8 जून (एजेंसियां)। अमृतसर जिला शहरी पुलिस ने सीमा पार संचालित अवैध हथियार तस्करी और हवाला नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक अफगान नागरिक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से आठ अत्याधुनिक पिस्तौल और सात जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

विदेशी तस्कर के संपर्क में थे आरोपी

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे एक तस्कर के संपर्क में थे, जो छिपे हुए ड्रॉप प्वाइंट्स के जरिए अवैध हथियारों की खेप भेजता था। पुलिस के अनुसार ये हथियार आपराधिक तत्वों तक पहुंचाए जाने थे, जहां से उन्हें आगे सप्लाई किया जाना था। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि थाना इस्लामाबाद और थाना गेट हकीमां में केस दर्ज किए गए हैं। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने, विदेश में बैठे संचालकों तक पहुंचने और आगे-पीछे के संपर्कों की जांच में जुटी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी व अतिरिक्त बरामदगी की संभावना है। उन्होंने कहा कि अवैध हथियार तस्करी, हवाला कारोबार और संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

इंडिया गठबंधन से आप ने किया किनारा

संजय सिंह बोले-हम अब गठबंधन का हिस्सा नहीं बदले समीकरण का क्या होगा असर

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में सोमवार को इंडिया गठबंधन की बैठक आयोजित हुई, लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) ने इससे साफ तौर पर दूरी बना ली है। बैठक से पहले आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने साफ कहा कि उनकी पार्टी अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है, इसलिए बैठक में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। इन सबका क्या होगा इंडिया गठबंधन पर असर, आइए जानते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में आप इंडिया गठबंधन का हिस्सा थी। हालांकि, दिल्ली विधानसभा चुनाव और कई अन्य मुद्दों पर कांग्रेस तथा आप के बीच बढ़ी राजनीतिक दूरी के बाद दोनों दलों के रिश्तों में खटास साफ दिखाई देने लगी थी। अब आप ने खुद को गठबंधन से अलग बताकर विपक्षी एकजुटता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। आप के इस रुख से साफ संकेत मिलता है कि पार्टी फिलहाल कांग्रेस के साथ किसी साझा राजनीतिक मंच पर लौटने के मूड में नहीं है। दूसरी ओर, विपक्षी दल आगामी चुनावी चुनौतियों और संसद के मुद्दों पर एकजुटता बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई से मांगा जवाब, रोका था सऊदी अरब में रहने वाले 12वीं के छात्र का परीक्षा परिणाम

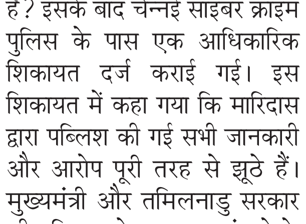

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सऊदी अरब में रहने वाले कक्षा 12 के एक छात्र की याचिका पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और उसके दुबई स्थित क्षेत्रीय अधिकारी को नोटिस जारी किया। छात्र ने अपना परिणाम घोषित किए जाने की मांग की है, जो पश्चिम एशियाई देशों में परीक्षा रद्द होने से प्रभावित छात्रों के लिए विशेष मूल्यांकन योजना बनाए जाने के बावजूद अब तक रोका गया है।

न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने सीबीएसई और उसके दुबई के क्षेत्रीय अधिकारी को नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई 12 जून को तय की। सुनवाई के दौरान सीबीएसई की ओर से पेश वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि छात्र प्रांशु जिगरकुमार पटेल का मूल्यांकन संबंधित स्कूल द्वारा किया जाना जरूरी था। हालांकि, याचिकाकर्ता ने निजी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा दी थी, इसलिए ऐसा कोई मूल्यांकन रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

12 जून को होगी मामले की अगली सुनवाई

इस पर न्यायमूर्ति मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि याचिकाकर्ता के पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड पर विचार किया जा सकता है और सीबीएसई के वकील से शुक्रवार तक इस संबंध में निर्देश प्राप्त करने को कहा। सीबीएसई के वकील ने अदालत को बताया कि बोर्ड पहले से ही इस मुद्दे पर काम कर रहा है और सोमवार तक का समय मांगा। हालांकि, शीर्ष अदालत ने मामले को 12 जून को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका में प्रांशु जिगरकुमार पटेल ने कहा है कि परिणाम घोषित नहीं होने से उनकी उच्च शिक्षा की संभावनाएं प्रभावित हुई हैं और उन्हें प्रवेश के अवसरों से वंचित होना पड़ा है। याचिका के अनुसार, पटेल ने सऊदी अरब के अल जुबैल से सीबीएसई कक्षा 12 सुधार परीक्षा 2026 में निजी परीक्षार्थी के रूप में भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, अंग्रेजी और कंप्यूटर विज्ञान विषयों की परीक्षा दी थी।

बिना शादी सहमति से संबंध खराब चरित्र का आधार नहीं

यह नैतिक दोष नहीं, अर्जी दायर करने वाले को पुलिस में नियुक्ति की मंजूरी दी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि दो अविवाहित बालिगों के बीच सहमति से बने शारीरिक संबंध को किसी व्यक्ति के चरित्र को खराब बताने का आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसा कोई कानून नहीं है, जो दो बालिग और अविवाहित लोगों को अपनी पसंद का संबंध रखने से रोकता हो। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह टिप्पणी तेलंगाना स्टेट लेवल पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड के एक मामले की सुनवाई के दौरान की।

कोर्ट ने उस उम्मीदवार की अपील मंजूर कर ली, जिसकी पुलिस कांस्टेबल भर्ती रद्द कर दी गई थी। कोर्ट ने कैंडिडेट को अपॉइंट करने का निर्देश दिया। उम्मीदवार की नियुक्ति इसलिए रद्द की गई थी क्योंकि उसके खिलाफ 2014 में शादी का वादा कर दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। भर्ती बोर्ड ने इसे नैतिक अधमता (मॉरल टरपिट्यूड) का मामला मानते हुए उसे अयोग्य ठहराया था। कैंडिडेट ने इसी को चुनौती दी थी। हालांकि, यह मामला एक असफल प्रेम संबंध से जुड़ा था। रिकॉर्ड के अनुसार, उम्मीदवार और शिकायतकर्ता पड़ोसी थे और करीब चार साल तक रिश्ते में रहे थे। बाद में दोनों के बीच समझौता हो गया और 2015 में लोक अदालत में मामला खत्म कर दिया गया। मामले में आईपीसी की धारा 376 के तहत कोई आरोप आगे नहीं बढ़ाया गया।

गुजरात सरकार से एक सड़क नहीं बन रही

दो गर्भवती महिलाओं की मौत; एचसी भी कर चुका हस्तक्षेप

छोटा उदयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। गुजरात का छोटा उदयपुर एक आदिवासी जिला है। यहां के तुरखेड़ा गांव में बसकारिया फलिया की सड़क असल में खत्म नहीं होती, बल्कि गायब हो जाती है। मेन रोड से ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी की ओर मुड़ने के लगभग दो किलोमीटर बाद गांव है। पहाड़ियों में जितना अंदर जाते हैं, गाड़ियां कम होती जाती हैं और मोटरसाइकिल भी इस रास्ते पर नहीं चल सकतीं। 32 साल के किशन भील के घर सिर्फ पैदल ही पहुंचा जा सकता है।

रास्ते में हुई थी गर्भवती कविता की मौत

इसी पहाड़ी रास्ते पर 1 अक्टूबर 2024 को सुबह होने से पहले गांव वालों ने किशन की गर्भवती पत्नी कविता को लेबर पेन होने के बाद बांस के डंडों से बंधे एक कामचलाऊ कपड़े के स्ट्रेचर पर ले जाया था। सबसे पास की जगह जहां 108 एम्बुलेंस पहुंच सकती थी, वो लगभग पांच किलोमीटर दूर थी। कविता की मौत उससे पहले ही हो गई, लेकिन इससे पहले वह एक बच्ची को दुनिया में ले आईं। एक साल बाद 16 सितंबर 2025 को 36 साल की गर्भवती औरत वंशी नायक को भी इसी तरह कपड़े के स्ट्रेचर पर पांच किलोमीटर तक एम्बुलेंस तक ले जाया गया। इसके बाद उन्हें लोकल हॉस्पिटल और फिर वडोदरा SSG हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। पहाड़ी रास्ते के एक तरफ टूटी-फूटी बजरी की ढलानें पहाड़ के किनारे से चिपकी हुई हैं। दूसरी तरफ एक खड़ी घाटी है, जो मिट्टी के घरों और अलग-थलग आदिवासी बस्तियों से भरी हुई है।

वहां कोई रेलिंग नहीं है, कोई रिटेनिंग वॉल नहीं है, कोई ड्रेनेज चैनल नहीं है, कोई साइनेज नहीं है, सिर्फ धूल भरी सड़क पर टायर के निशान ही तुरखेड़ा के अंदरूनी फलिया (घरों का झुंड) और बाहरी दुनिया के बीच के नाजुक कनेक्शन को दिखाते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 9 जून - 2026

आर्थिक संतुलन की परीक्षा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की आंच अब विश्व अर्थव्यवस्था पर भी साफ दिखाई देने लगी है। ऊर्जा आपूर्ति, कच्चे तेल की कीमतों और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर पड़ रहे प्रभावों के कारण महंगाई रोज मुंह बाए जा रही है। विश्व के साथ ही भारत भी इससे अछूता नहीं है। आम आदमी की जेब पर बढ़ता बोझ और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ रहा दबाव इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में महंगाई देश के लिए एक गंभीर चुनौती बन सकती है। इसीलिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई दर का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि सरकार का लक्ष्य महंगाई दर को 4 प्रतिशत के आसपास बनाए रखने का है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह लक्ष्य कठिन दिखाई दे रहा है। बहरहाल, अभी तक सरकार की ओर से महंगाई के संभावित दबावों से निपटने के लिए कोई ठोस और व्यापक रणनीति स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई है। आरबीआई ने रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसे आम लोगों और उद्योगों के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि कम ब्याज दरों से ऋण लेना अपेक्षाकृत आसान होता है। इससे घर, वाहन और व्यवसायिक ऋण लेने वालों को राहत के साथ ही निवेश और उपभोग को प्रोत्साहन मिल सकता है। लेकिन यह भी सच है कि केवल ब्याज दरों के सहारे महंगाई को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। यदि वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होती है और कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो मौद्रिक उपायों का प्रभाव सीमित रह जाता है। देश के आर्थिक परिदृश्य के सामने कई अन्य जोखिम भी मौजूद हैं। कच्चे तेल की कीमतों में संभावित उछाल आयात बिल को बढ़ा सकता है। इसके साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी से पूंजी बाजार प्रभावित हो सकते हैं और डॉलर के मुकाबले रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। कमजोर रुपया आयातित वस्तुओं को और महंगा बनाता है, जिससे महंगाई की समस्या और गंभीर हो जाती है। स्थिति को जटिल बनाने वाले घरेलू कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में सामान्य से कम मानसून और एल-नीनो की आशंका का उल्लेख किया है। यदि वर्षा कम होती है, तो कृषि उत्पादन प्रभावित होगा और खाद्यान्न, फल तथा सब्जियों की कीमतों में तेजी आ सकती है। इससे खाद्य महंगाई बढ़ेगी, जिसका सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ेगा। यह चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि खाद्य वस्तुओं का बड़ा हिस्सा आम परिवारों के मासिक खर्च में शामिल होता है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार वर्तमान समय में महंगाई नियंत्रण की तुलना में आर्थिक वृद्धि को गति देने पर अधिक जोर देती दिखाई दे रही है। आर्थिक विकास निश्चित रूप से आवश्यक है, लेकिन यदि महंगाई लगातार बढ़ती रही तो विकास का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पाएगा। बढ़ती कीमतों के कारण लोगों की क्रय शक्ति कमजोर होगी और जीवन-यापन कठिन होता जाएगा। नतीजतन, भारत के सामने चुनौती केवल पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न जोखिमों की नहीं है, बल्कि घरेलू मांग, आपूर्ति और कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं की भी है। सरकार और आरबीआई को मिलकर ऐसे कदम उठाने होंगे जो आर्थिक वृद्धि और महंगाई नियंत्रण के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। यही संतुलित दृष्टिकोण देश को वर्तमान संकट से सुरक्षित निकालने और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

मोदी के फैसलों ने बदला भारत का मिजाज

सुरेश गांधी

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड ऐसे होते हैं जो केवल सरकारों के कार्यकाल नहीं होते, बल्कि वे राष्ट्र की दिशा और सोच को बदलने वाले युग बन जाते हैं। वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, तब देश परिवर्तन की आकांक्षा, भ्रष्टाचार के खिलाफ जनाक्रोश और विकास की उम्मीदों के साथ एक नए मोड़ पर खड़ा था। गुजरात मॉडल की सफलता के साथ राष्ट्रीय राजनीति में उभरे मोदी ने अच्छे दिन का नारा दिया और जनता ने उन्हें अभूतपूर्व जनादेश देकर सत्ता की बागडोर सौंप दी। आज, 2026 में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे हो चुके हैं। यह सफर केवल चुनावी जीतों का नहीं, बल्कि उन निर्णयों, नीतियों और परिवर्तनों का भी है जिन्होंने भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, विदेश नीति और सामाजिक संरचना को नई दिशा देने का प्रयास किया। समर्थकों के लिए यह राष्ट्र के पुनर्जागरण का कालखंड है, जबकि आलोचकों के लिए कई प्रश्नों और बहसों से भरा दौर। लेकिन इतना निर्विवाद है कि इन 12 वर्षों ने भारत की राजनीति की धुरी बदल दी है।

2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला। यह तीन दशक बाद पहली बार था जब किसी एक दल को अपने दम पर इतनी बड़ी जीत मिली। इसके साथ ही गठबंधन राजनीति के लंबे दौर के बाद देश ने एक मजबूत और निर्णायक नेतृत्व को देखा। मोदी ने स्वयं को केवल प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि प्रधान सेवक के रूप में प्रस्तुत किया। सीधे संवाद, रेडियो कार्यक्रम मन की बात, सोशल मीडिया की सक्रियता और

जनसंपर्क की नई शैली ने उन्हें आम जनता से सीधे जोड़ दिया। मोदी सरकार के कार्यकाल की चर्चा आर्थिक सुधारों के बिना अधूरी है। सरकार ने वित्तीय समावेशन, डिजिटल भुगतान और कर सुधारों को नई दिशा दी। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा। पहली बार गांवों और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के खाते खुले। इसका सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों तक पहुंचने लगा और बिचौलियों की भूमिका कम हुई।

डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत को तकनीकी रूप से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज यूपीआई भुगतान प्रणाली पूरी दुनिया में भारत की पहचान बन चुकी है। सड़क किनारे चाय बेचने वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक डिजिटल भुगतान को अपनाने लगे हैं। नकदी आधारित अर्थव्यवस्था से डिजिटल लेनदेन की ओर बढ़ता भारत आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन रहा है। 2017 में लागू वस्तु एवं सेवा कर स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में गिना जाता है। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद इसने देश को एकीकृत बाजार की दिशा में आगे बढ़ाया। कर प्रणाली में पारदर्शिता आई और कर संग्रह में वृद्धि दर्ज की गई। 8 नवंबर 2016 को घोषित नोटबंदी मोदी सरकार का सबसे चर्चित फैसला रहा। सरकार ने इसे काले धन, भ्रष्टाचार और नकली मुद्रा के खिलाफ अभियान बताया। हालांकि इस निर्णय को लेकर अर्थशास्त्रियों और विपक्ष ने कई सवाल भी उठाए। फिर भी यह फैसला मोदी की निर्णायक नेतृत्व शैली का प्रतीक बन गया।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत उसकी जनकल्याणकारी योजनाएं रही हैं, जिनका सीधा लाभ गरीब और मध्यम वर्ग तक पहुंचा। ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़ा अभियान बन गया। गरीब परिवारों को पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा की सुविधा देकर सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा हस्तक्षेप किया। लाखों लोगों को महंगे इलाज का लाभ मिला। सबके लिए आवास के लक्ष्य के साथ करोड़ों परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इसका प्रभाव दिखाई दिया। महात्मा गांधी के स्वच्छता के सपने को जनआंदोलन में बदलने का प्रयास किया गया। करोड़ों शौचालयों के निर्माण ने ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मोदी सरकार की पहचान एक मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति से भी बनी। उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भारत ने पहली बार खुलकर सीमा पार सैन्य कार्रवाई की। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक नीति अपनाने को तैयार है। सरकार का दावा है कि आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी सुरक्षा बलों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 5 अगस्त 2019 भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण तारीखों में दर्ज हो गई। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाकर विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया गया। सरकार का मानना था कि इससे विकास, निवेश और राष्ट्रीय एकीकरण को मजबूती मिलेगी। विपक्ष ने इस कदम पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया और संघीय ढांचे को लेकर सवाल उठाए, लेकिन सरकार अपने निर्णय पर कायम रही। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण भाजपा के वैचारिक एजेंडे का प्रमुख हिस्सा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ और 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक क्षण का रूप लिया। यह केवल धार्मिक घटना नहीं थी, बल्कि भारतीय राजनीति और सांस्कृतिक विमर्श में एक नए अध्याय की शुरुआत भी थी।मोदी सरकार ने महिला सशक्तिकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया।

आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत करते स्वदेशी मेले

जगराम गुर्जर

भारत को समझना हो तो केवल उसके बाजारों को नहीं बल्कि उसके कारीगरों, बुनकरों, किसानों और छोटे उद्यमियों के हुनर को भी समझना होगा। हमारे गांवों और कस्बों में बसा यही हुनर भारत की असली ताकत है। देश के गांवों, कस्बों और छोटे शहरों में ऐसे लाखों लोग हैं जो अपने हाथों के हुनर, परंपरागत ज्ञान और स्थानीय संसाधनों के बल पर आजीविका चलाते हैं लेकिन उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती हमेशा बाजार तक पहुंच की रही है। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले इसी चुनौती का एक सार्थक समाधान बनकर उभरे हैं। इन मेलों में भारत अपने असली रूप में दिखाई देता है।

22 नवंबर 1991 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय नागपुर में स्थापित स्वदेशी जागरण मंच भारत को आत्म निर्भर बनाने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और विदेशी कंपनियों के आर्थिक वर्चस्व को कम करने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। हालांकि स्वदेशी का विचार डेढ़ सौ साल पुराना है। लोकमान्य तिलक, वीर सावरकर, श्री अरबिंदो और महात्मा गांधी जैसे राष्ट्रनायकों ने इसे स्वतंत्रता आंदोलन की एक महत्वपूर्ण शक्ति बनाया था। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का आह्वान केवल राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा नहीं था बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता का भी संदेश था।

आजादी के बाद भी यह सवाल बना रहा कि क्या केवल राजनीतिक स्वतंत्रता ही पर्याप्त है? यदि हमारी जरूरतों की पूर्ति और बाजारों पर दूसरों का नियंत्रण बना रहे तो आर्थिक स्वतंत्रता कैसे आएगी? इसी चिंता ने स्वदेशी के विचार को नई ऊर्जा दी। यदि देश को वास्तव में मजबूत बनाना है तो आर्थिक आत्म निर्भरता भी आवश्यक है। इसी सोच को व्यवहार में उतारने के लिए स्वदेशी जागरण मंच ने अनेक अभियान चलाए और उनमें स्वदेशी मेलों की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। वर्ष 1991 में दिल्ली में आयोजित पहला स्वदेशी मेला एक नई शुरुआत थी। इसके बाद यह पहल एक आंदोलन का रूप लेती चली गई। अब तक देश के विभिन्न रा'यों में 600 से अधिक स्वदेशी मेलों का आयोजन किया जा चुका है।

हर वर्ष 10 लाख से अधिक लोग इन मेलों में शिरकत करते हैं। यह आंकड़ा केवल लोकप्रियता का प्रमाण नहीं है बल्कि इस बात का संकेत भी है कि समाज का एक बड़ा वर्ग स्वदेशी और आत्म निर्भरता की अवधारणा से जुड़ रहा है। मुझे देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित कई स्वदेशी मेलों को नजदीक से देखने का अवसर मिला है।

लोक मेलों से मेरा पुराना जुड़ाव रहा है, इसलिए जब मैं किसी स्वदेशी मेले में जाता हूं तो मुझे यह केवल एक प्रदर्शनी नहीं लगती। वहां मुझे भारत की जीवंत संस्कृति, लोगों का आत्मविश्वास और अपने हुनर के प्रति गर्व साफ दिखाई देता है। स्वदेशी मेलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल उत्पादों की बिक्री तक सीमित नहीं हैं। इन मेलों में भारत की आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक शक्ति एक साथ दिखाई देती है।

छोटे उद्योगों, कुटीर उद्योगों, हस्त शिल्पियों, बुनकरों, किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को इन मेलों में अपनी प्रतिभा और उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। जो कारीगर विभिन्न कारणों से बड़े बाजारों तक नहीं पहुंच पाते, उन्हें इन मेलों के माध्यम से न सिर्फ पहचान मिलती है बल्कि उत्पादों को खरीदने वाले ग्राहक भी मिलते हैं। मैंने कई बार देखा है कि लोग किसी कारीगर से सीधे सामान खरीदते समय उसके काम की कहानी भी सुनते हैं। उस समय लेन-देन केवल क्रय-विक्रय तक सीमित नहीं रह जाता।

एक ओर कारीगर को अपने हुनर की पहचान मिलने की खुशी होती है और दूसरी ओर खरीदार को यह संतोष होता है कि उसका पैसा किसी स्थानीय परिवार की आजीविका को मजबूत कर रहा है। यही इन मेलों की सबसे बड़ी ताकत है।

इन मेलों में हथकरघा उत्पाद, हस्तशिल्प, जैविक कृषि उत्पाद, आयुर्वेदिक वस्तुएं, ग्रामीण तकनीक तथा विभिन्न कुटीर उद्योगों के उत्पाद प्रदर्शित किए जाते हैं। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोककलाओं का प्रदर्शन और कारीगरों द्वारा अपने कौशल का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र होते हैं। यही कारण है कि स्वदेशी मेले अब केवल व्यापारिक आयोजन नहीं रह गए हैं। वे भारतीय संस्कृति, लोक जीवन और स्वावलंबन के उत्सव बन चुके हैं।

आज जब वैश्वीकरण के दौर में बहुराष्ट्रीय कंपनियां बाजार पर अपना प्रभाव बढ़ा रही हैं, तब स्वदेशी मेले स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का एक प्रभावी माध्यम बनकर सामने आए हैं। ये मेले 'लोकल फॉर वोकल' की भावना को व्यावहारिक रूप देते हैं। जब लोग अपने आसपास बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं तो उसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों को मिलता है। इससे रोजगार बढ़ता है, छोटे उद्योगों को सहारा मिलता है और गांवों-कस्बों की अर्थव्यवस्था में नई जान आती है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा भी इसी सोच पर आधारित है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं है बल्कि अपनी क्षमताओं को पहचानना और उन्हें सशक्त बनाना है। स्वदेशी मेले इसी दिशा में समाज को प्रेरित करते हैं। स्वदेशी मेले उपभोक्ता और उत्पादक के बीच एक सेतु बनकर उभरे हैं। तीन दशक से अधिक समय से चल रहे स्वदेशी मेले केवल रस्मी कार्यक्रम नहीं हैं बल्कि समाज को जोडऩे वाला एक सशक्त माध्यम बन गए हैं। मैंने मेलों में देखा है कि किस प्रकार एक छोटे कारीगर के चेहरे पर तब चमक आ जाती है जब उसके उत्पाद को पहचान और खरीदार दोनों मिल जाते हैं।

अगर समाज स्थानीय उत्पादों को अपनाएगा, स्वदेशी उद्यमों को प्रोत्साहित करेगा और ऐसे आयोजनों में भागीदारी करेगा तो इसका लाभ उत्पादकों को तो मिलेगा ही, इसके साथ-साथ पूरे देश की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

निःसंदेह, स्वदेशी मेले आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत करने वाले ऐसे मंच हैं जहां आर्थिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण साथ-साथ चलते हैं। स्वदेशी मेले आज केवल प्रदर्शनियों का नाम नहीं हैं। यह मेले एक विचार, एक अभियान और एक राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बन चुके हैं। छोटे कारीगरों को सम्मान, स्थानीय उत्पादों को बाजार, संस्कृति को संरक्षण और राष्ट्र को आत्म निर्भरता की दिशा देने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की यात्रा में स्वदेशी मेले न केवल उपयोगी हैं बल्कि समय की आवश्यकता भी हैं। राष्ट्र की समग्र प्रगति के लिए सबको इन मेलों से जुडऩा और अपने देश के हुनरमंद हाथों को समर्थन देना चाहिए। देश की आत्मनिर्भरता के लिए यह अत्यंत जरूरी है। मेरा मानना है कि आत्मनिर्भर भारत केवल सरकारी योजनाओं से नहीं बनेगा। इसके लिए समाज की भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। स्वदेशी मेले हमें यही अवसर देते हैं कि हम अपने देश के कारीगरों, किसानों और उद्यमियों के साथ खड़े हों। यदि हम अपने हुनरमंद हाथों पर भरोसा करेंगे तो आत्मनिर्भर भारत का सपना निश्चित रूप से साकार होगा।

द कॉकरोच बस्ट : एक लाख जीवित कॉकरोच पकड़े गए

अनिकेत सिंह

हमारे देश में भी पिछले कुछ दिनों से कॉकरोच चर्चा में हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर जब प्रदर्शन का आयोजन हुआ, तब ऐसी बातें चल रही थीं कि ऐसा हो जाएगा और वैसा हो जाएगा। ऐसा कुछ हुआ नहीं। कुल मिलाकर यह प्रदर्शन फ्लॉप शो जैसा साबित हुआ है। खैर, आज हमें इस बारे में बात नहीं करनी है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया में पकड़े गए एक लाख जितने जीवित जायंट कॉकरोच की बात करनी है। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के बाथर्स्ट शहर में पर्यावरण विभाग द्वारा एक ब्रीडर के पास से एक लाख जितने जीवित कॉकरोच पकड़ कर जब्त किए गए थे।

एक साथ एक लाख कॉकरोच पकड़े गए हों ऐसी यह दुनिया की पहली घटना है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार इन कॉकरोचों को मार डालने वाली है। अगर कॉकरोच छूट जाएं तो वे खेती-बाड़ी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इन कॉकरोचों से लोगों को तरह-तरह की बीमारियां होने का भी डर है।

ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में कीड़े-मकोड़ों की यह सबसे बड़ी जब्ती है। पकड़े गए कॉकरोच में मेडागास्कर हिसिंग कॉकरोच और ड्यूबिया कॉकरोच शामिल हैं। ये कॉकरोच सामान्य कॉकरोचों की तुलना में कई गुना बड़े होते हैं। कुछ कॉकरोच तो इंसान की हथेली जितने बड़े भी होते हैं। ब्लैक मार्केट में इन कॉकरोचों की कीमत दो लाख ऑस्ट्रेलियन डालर यानी कि लगभग एक करोड़ चौदह लाख रुपए जितनी होने का अनुमान है। ऑस्ट्रेलिया पूरी दुनिया में अपने कड़े बायो-सिक्योरिटी रूल्स (जैव-सुरक्षा नियमों) के लिए जाना जाता है। ऑस्ट्रेलिया में विदेशी कॉकरोच और अन्य कीड़े-मकोड़े लाने, रखने और बेचने पर प्रतिबंध है।

ऑस्ट्रेलिया सरकार का मानना है कि जो जीव यहां के नहीं हैं, वे जीव-जंतु अगर बाहर निकल गए तो स्थानीय पर्यावरण और जीव-सृष्टि को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इतना ही नहीं, कुछ जीव-जंतुओं के कारण मनुष्यों में भी बीमारियां फैल सकती हैं। जो कॉकरोच पकड़े गए हैं, वे कई तरह से जोखिम भरे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में वर्ष 1935 में एक घटना घटी थी। केन टोड्स नाम के बड़े मेंढकों को लोग गन्ने की फसल को कीड़ों से बचाने के लिए लाए थे। देखते ही देखते ये मेंढक पूरे देश में फैल गए।

ये मेंढक अन्य जीवों को खाने लगे और देश के पर्यावरण के लिए संकट पैदा हो गया था। इसके अलावा शिकार के शौक के लिए लाए गए जंगली खरगोश और लाल लोमड़ी के कारण ऑस्ट्रेलिया के कंगारूओं पर खतरा पैदा हो गया था। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया में जीव-जंतुओं को पालने, पोसने, रखने और बेचने के नियम अत्यंत सख्त बना दिए गए थे। इसके बावजूद चोरी-छिपे यह सब चलता रहता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि। इतने बड़े पैमाने पर कॉकरोचों को पालने की क्या ज़रूरत थी? इसका कारण पेट फूड मार्केट यानी कि पालतू जानवरों का भोजन बाजार था। ये कॉकरोच बहुत बड़े और अन्य कीड़े-मकोड़ों की तुलना में वजन में भारी होते हैं। लिजार्ड (छिपकली) और मछलियों सहित अन्य जीवों के लिए इन कॉकरोचों का भोजन के रूप में उपयोग होता है। बहुत कम कॉकरोचों में पालतू जानवरों का पेट भर जाता है।

अन्य कीड़े-मकोड़ों की तुलना में ये सस्ते पड़ते हैं। ऐसा भी माना जाता है कि जीव-जंतुओं को ये कॉकरोच बहुत पसंद आते हैं। कॉकरोचों की संख्या एक लाख से अधिक है, इसलिए पुलिस का मानना है कि यह सब लंबे समय से चल रहा होगा। जांच में एक बात यह भी सामने आई है कि विदेश से लाने वाले, इसे पालने वाले, कॉकरोच खरीदने वाले और इसे फिर से बेचने वाले लोगों का एक पूरा नेटवर्क काम कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने यह घोषणा की है कि पालतू जीवों को खिलाने के लिए विदेशी जीव-जंतु न खरीदें, बल्कि केवल स्थानीय यानी कि ऑस्ट्रेलिया के ही क्रिकेट्स (झींगुर) और वुड रोचिस यानी कि लकड़ी में पैदा होने वाले कॉकरोचों का ही उपयोग करें। ऑस्ट्रेलिया में अवैध रूप से विदेशी जीव-जंतुओं को पालने की सजा दस वर्ष जितनी है। इस केस में भी ब्रीडर को सजा होने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

जो एक लाख कॉकरोच पकड़े गए हैं, उन्हें ऑस्ट्रेलिया सरकार ने इच्छा मृत्यु देने की यानी कि मार डालने की घोषणा की है। सरकार का कहना है कि, मेडागास्कर हिसिंग कॉकरोच अगर ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में फैल गए, तो वे बैक्टीरिया और वायरस फैलाकर दूसरे जीवों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। ऐसा होने पर ऑस्ट्रेलिया की खेती-बाड़ी को करोड़ों डॉलर का नुकसान हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में जीव-जंतुओं के अवैध पालन और तस्करी की कई घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। उसमें भी ऑस्ट्रेलिया के सिडनी एयरपोर्ट से पकड़ी गई जहरीली मकड़ियों की घटना बहुत चर्चित रही थी। नवंबर, 2025 में एक स्टूडेंट को उसके सामान में 100 जितनी जहरीली मकड़ियों और अन्य कीड़ों के साथ पकड़ा गया था।

कियान झांग नाम का 22 वर्ष का चीन का यह स्टूडेंट ऑस्ट्रेलिया में पढ़ता था और साथ ही साथ जीव-जंतुओं की तस्करी करता था। उसके पास से 'बेंडेड हंट्समैन स्पाइडर्स' नाम की जहरीली मकड़ियां मिली थीं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के कानून के तहत सुरक्षित श्रेणी में रखे गए अन्य कीड़े भी उसके पास से मिले थे। वह इन मकड़ियों को शंघाई ले जा रहा था। कियान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की अदालत में केस चला था और उस पर लगभग 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया था।

मरीज, मशीन और हैकर
स्वास्थ्य व्यवस्था का नया संकट

आरके जैन

अस्पतालों की सुरक्षा की पारंपरिक तस्वीर बदल रही है। आज स्वास्थ्य सेवाएँ इंटरनेट, डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित हैं। मरीज की जांच रिपोर्ट से लेकर उपचार रिकॉर्ड तक सब कुछ डिजिटल नेटवर्क से जुड़ा है। चिकित्सा जगत इसे प्रगति का प्रतीक मानता है, लेकिन इसके साथ एक अदृश्य खतरा भी उभर रहा है-साइबर हमलों का। अब अस्पताल के सर्वर में सेंध लगना केवल डेटा चोरी नहीं रह गया। जब चिकित्सा उपकरण और उपचार डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हों, तब कंप्यूटर नेटवर्क पर हुआ हमला सीधे मानव जीवन को प्रभावित कर सकता है। इसलिए जन स्वास्थ्य की सुरक्षा अब चिकित्सा विज्ञान के साथ-साथ साइबर सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय बन गई है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स का विस्तार अभूतपूर्व रहा है। पेसमेकर, इंसुलिन पंप, वेंटिलेटर, हार्ट मॉनिटर और एमआरआई जैसी मशीनें अब एक विशाल डिजिटल नेटवर्क का हिस्सा हैं। इससे उपचार और निगरानी बेहतर हुई है, लेकिन जोखिम भी बढ़े हैं। किसी डिवाइस की मामूली तकनीकी खामी साइबर अपराधियों के लिए प्रवेश का मार्ग बन सकती है। विश्व की कई नियामक संस्थाएँ लगातार ऐसी कमजोरियों को लेकर चेतावनी देती रही हैं, फिर भी स्वास्थ्य क्षेत्र का बड़ा हिस्सा उन्हें पर्याप्त गंभीरता से नहीं लेता। जबकि आज चिकित्सा उपकरणों में सुरक्षा कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि जीवनरक्षा की अनिवार्य आवश्यकता है। जब साइबर हमले अस्पतालों को निशाना बनाते हैं, तब उनके दुष्परिणाम केवल कंप्यूटरों तक सीमित नहीं रहते। वर्ष 2017 में वानाक्राई रैंसमवेयर ने ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा को इस तरह प्रभावित किया कि कंप्यूटर ठप पड़ गए, सर्जरियाँ टालनी पड़ीं और स्वास्थ्य सेवाएँ बाधित हो गईं। यह डिजिटल युग की कठोर सच्चाई थी। कोविड महामारी के बाद भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण तेज़ी से बढ़ा, पर सुरक्षा व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो सकी। डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन परामर्श और स्मार्ट उपकरणों के बढ़ते उपयोग के बीच अनेक अस्पताल अब भी पुराने सॉफ्टवेयर और असुरक्षित नेटवर्क पर निर्भर हैं। ऐसे में स्वास्थ्य संस्थान साइबर अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बनते जा रहे हैं।

स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अब केवल अस्पतालों के रिकॉर्ड में नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के मोबाइल ऐप्स में भी सुरक्षित है। फिटनेस, शुगर मॉनिटरिंग, ब्लड प्रेशर और टेलीमेडिसिन ऐप्स व्यक्ति की बीमारी, दवाओं, पारिवारिक स्वास्थ्य इतिहास और कई बार आनुवंशिक जानकारी तक संजोते हैं। किंतु अनेक ऐप्स में सुरक्षा मानकों का पालन पर्याप्त नहीं होता। कमजोर पासवर्ड, अपर्याप्त एन्क्रिप्शन और समय पर अपडेट का अभाव उन्हें साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील बनाता है। ऐसे में स्वास्थ्य डेटा अपराधियों के लिए बहुमूल्य संपत्ति बन जाता है, जिसका दुरुपयोग ब्लैकमेल से लेकर व्यावसायिक शोषण तक किया जा सकता है।जब स्वास्थ्य संबंधी गोपनीय सूचनाएँ लीक होती हैं, तब क्षति केवल डेटा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि विश्वास की नींव भी हिल जाती है। बैंक खाते का पासवर्ड बदला जा सकता है, पर किसी व्यक्ति की बीमारी का इतिहास नहीं। यदि संवेदनशील स्वास्थ्य जानकारी सार्वजनिक हो जाए, तो उसका असर सामाजिक संबंधों, रोजगार के अवसरों और बीमा सुविधाओं तक पड़ सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य क्षेत्र अन्य क्षेत्रों से भिन्न है। यहाँ डेटा का मूल्य केवल आर्थिक नहीं, बल्कि व्यक्ति की पहचान, प्रतिष्ठा और गरिमा से जुड़ा होता है।

सड़क पर बिखरा साहित्य

सुरेश कुमार मिश्रा

सड़कों पर दौड़ते वाहन केवल वाहन नहीं होते, बल्कि चलती-फिरती दर्शनशास्त्र की यूनिवर्सिटी होते हैं। जब कोई नौसिखिया ड्राइवर अपनी चमचमाती कार में बैठकर स्टियरिंग थामता है तो उसे लगता है कि वह सड़क का सिकंदर है लेकिन असली ज्ञान तो उस खटारा ट्रक के पीछे लिखा होता है जो धुएं का गुबार छोड़ते हुए कहता है मालिक की ज़िंदगी, चेले की ऐश... उड़ाओ कैश। यह लाइन पढ़ते ही कार के गियर में हाथ लगाए बैठे मध्यमवर्गीय इंसान का सारा घमंड वैसे ही पिघल जाता है जैसे चिलचिलाती धूप में कुल्फी पिघलती है। हमारे देश की सड़कों पर ट्रैफिक रूल्स की कॉपियां भले ही धूल खा रही हों पर इन ट्रकों और ऑटो के पीछे लिखे जीवन के गहरे फलसफे हर आने-जाने वाले की आत्मा को झकझोर कर रख देते हैं। आप किसी भी बड़े शहर के चौराहे पर खड़े हो जाइए आपको यमराज की ड्यूटी और इंसानी मजबूरी का ऐसा लाइव कॉम्बिनेशन कहीं और देखने को नहीं मिलेगा जो इन गाड़ियों के बंपर पर मुफ्त में उपलब्ध रहता है। यह इस देश का सबसे सस्ता और टिकाऊ मनोरंजन है जिसे देखने के लिए किसी मल्टीप्लेक्स का टिकट नहीं कटाना पड़ता बस अपनी आंखें खुली रखनी पड़ती हैं। सड़क पर निकलते ही पहला मुकाबला उस बिरादरी से होता है जो जीवन को एक रेस समझती है और जिनकी गाड़ियों के पीछे लिखा होता है धीरे चलोगे तो बार-बार मिलोगे, तेज़ चलोगे तो हरिद्वार मिलोगे। इस एक लाइन में जीवन और मृत्यु का जो अद्भुत ककहरा सिखाया गया है उसे पढ़कर बड़े-बड़े संतों की समाधि भंग हो सकती है। लोग सुबह-सुबह ऑफिस जाने की जल्दी में अपनी बाइक को हवाई जहाज बनाने की कोशिश करते हैं तभी उनके सामने कोई ऐसा ही ऑटो आ जाता है जिसके पीछे बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा होता है हँस मत पगली, प्यार हो जाएगा... ब्रेक मत मार, एक्सीडेंट हो जाएगा। इसे पढ़कर अच्छे-अच्छे रोमियो अपनी गाड़ी की स्पीड चालीस से नीचे कर लेते हैं क्योंकि मोहब्बत और हाईवे दोनों में ही जब ब्रेक फेल होता है तो नुकसान सीधा दिल और बंपर का ही होता है। भारतीय सड़कों पर ड्राइविंग करना किसी युद्ध के मैदान में उतरने जैसा है जहाँ आपको हर मोड़ पर एक नई चुनौती का सामना करना पड़ता है। यहाँ यमराज किसी कोने में बैठकर चाय की चुस्की ले रहे होते हैं और उनके प्रतिनिधि के रूप में हमारी गाड़ियों के पीछे लिखा होता है दम है तो पास कर, वरना बर्दाश्त कर। यह सीधा सा संदेश उस पूरी व्यवस्था पर करारा तमाचा है जो हर वक्त आगे निकलने की अंधी दौड़ में अंधी हो चुकी है। सच्ची मोहब्बत की तलाश में भटके हुए आशिकों के लिए तो ये गाड़ियां किसी मंदिर के चबूतरे जैसी हैं जहाँ हर टूटे दिल की दास्तान पेंट से लिखी होती है। जब कोई आशिक अपनी महबूबा की शादी के गम में देवदास बनने की बजाय ट्रक का ड्राइवर बन जाता है तो वह अपनी गाड़ी पर लिखवाता है दिल दिया था जिसको, वो चली गई विप्रो, अब ढूँढ रहा हूँ उसको मेट्रो-मेट्रो।

भगवान नारायण के मदुरै मंदिर की जमीन पर नहीं पड़ती कभी परछाई

दक्षिण भारत का अनोखा अष्टांग विमान मंदिर भगवान विष्णु को अति प्रिय पुरुषोत्तम मास चल रहा है, जो नारायण की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पुरुषोत्तम या अधिक मास में किए गए दर्शन-पूजन का फल कई गुना बढ़कर मिलता है। आज आपको नारायण के एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अपने आप में खास और अद्भुत है। दक्षिण भारत के इस अनोखे नारायण मंदिर का नाम कूडल अझगर है, जो मदुरै शहर में स्थित है। यह मंदिर सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि अपनी अनोखी वास्तुकला के लिए भी प्रसिद्ध है। करीब छह सौ साल से भी अधिक पुराना यह विष्णु मंदिर 108 दिव्य देशमों में शामिल है, जहां भगवान नारायण कूडल अझगर अर्थात सुंदर सर्प शय्या पर विराजमान रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं।

सबसे बड़ी खासियत अष्टांग विमान

मंदिर की सबसे बड़ी खासियत इसका अष्टांग विमान (आठ हिस्सों वाला शिखर) है। दोपहर के समय भी इस शिखर की परछाई जमीन पर नहीं पड़ती। यह वास्तुशिल्प का एक अद्भुत चमत्कार है, जो हजारों पर्यटकों और भक्तों को हैरान कर देता है। कूडल अझगर मंदिर पांड्य राजाओं के काल का है। बाद में विजयनगर साम्राज्य और मदुरै नायक शासकों ने इसमें भव्यता बढ़ाई। मंदिर ग्रेनाइट की ऊंची दीवारों से घिरा हुआ है। प्रवेश द्वार पर पांच मंजिला राजगोपुरम है, जिसमें दशावतार, लक्ष्मी-नारायण, लक्ष्मी-नरसिंह और अन्य देवी-देवताओं की सुंदर नक्काशी बनी है। मंदिर परिसर में नवग्रहों का मंडप भी है।

मंदिर में कई छोटे मंदिर भी मौजूद

मुख्य मंदिर में भगवान कूडल अझगर के साथ उनकी पत्नी देवी मधुरवल्ली (लक्ष्मी) का अलग मंदिर है। परिसर में श्रीराम, श्रीकृष्ण और अन्य देवताओं के छोटे मंदिर भी बने हैं। दीवारों पर प्राचीन तमिल साहित्य जैसे सिलप्पादिकारम, परिपादल और मदुरै कांची के शिलालेख उत्कीर्ण हैं, जो मंदिर की प्राचीनता को प्रमाणित करते हैं।

मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथाएं

इस मंदिर से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार, राक्षस सोमका ने ब्रह्माजी से चारों वेद चुरा लिए थे। तब भगवान विष्णु ने कूडल अझगर रूप में अवतार लिया और राक्षस का वध कर वेदों को वापस लौटाया। ब्रह्मांड पुराण में भी इस घटना का उल्लेख है। बारह अलवार संतों में से एक पेरियालवार (विष्णुचित्त) ने पांड्य राजा के दरबार में भगवान की महिमा गाई थी। उनके भक्ति गान से प्रभावित होकर स्वयं भगवान कूडल अझगर प्रकट हुए और उन्हें आशीर्वाद दिया।

ऐसे पहुंचे यह विष्णु मंदिर

मंगुडी मरुदन द्वारा रचित मदुरै कांची, कलित्थोकाई, परिपाटल और सिलप्पदिकारम जैसी साहित्यिक कृतियों में भी मंदिर का उल्लेख मिलता है। यह स्थान वैष्णव संप्रदाय के लिए खास महत्व रखता है। मदुरै की गर्म जलवायु को देखते हुए यहां घूमने का सबसे अच्छा समय दिसंबर से फरवरी तक है, जब मौसम सुहावना रहता है। मदुरै शहर में स्थित यह मंदिर पहुंचने में बहुत आसान है। मदुरै बस स्टैंड और रेलवे जंक्शन से मंदिर की दूरी मात्र 1 किलोमीटर है। मदुरै एयरपोर्ट से मंदिर करीब 14 किलोमीटर दूर है। यहां ऑटो, टैक्सी या लोकल बस से आसानी से पहुंचा जा सकता है।

सुबह प्रकृति में आनंद, ताजगी और नई ऊर्जा का वातावरण रहता है

प्रातःकाल जब हमारी आंख खुलती है, तब सूर्य की किरणें हमारे घर तक पहुंच जाती हैं। पक्षियों की मधुर चहचहाहट सुनाई देती है और चारों ओर प्रकृति में आनंद, ताजगी और नई ऊर्जा का वातावरण होता है। हमें इस नई ऊर्जा का लाभ उठाना चाहिए। दिन की शुरुआत अच्छे विचारों और शुभ संकल्पों के साथ करनी चाहिए। हमें यह निश्चय करना चाहिए कि आज हम सभी के प्रति सम्मान और प्रेम का व्यवहार करेंगे। केवल नमस्कार ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों की सहायता भी करेंगे।

गायत्री मंत्र का सही अर्थ और मंत्र जप का नियम

क्यों सूर्योदय से पहले जप करना शुभ

हिंदू धर्म में गायत्री मंत्र का सबसो शक्तिशाली और ताकतवर मंत्र माना गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति जीवन में कई तरह की समस्याओं से छुटकारा पा जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं गायत्री मंत्र जप करने का भी एक समय निर्धारित है। आइए जानते हैं गायत्री मंत्र कब करें और मंत्र जप के नियम।

गायत्री मंत्र ('ऊं भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात।।')को बहुत ही शक्तिशाली और प्रभावशाली मंत्र माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंत्र व्यक्ति को ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जोड़ता है। मान्यता है कि गायत्री मंत्र का उच्चारण करने से व्यक्ति को मानसिक शांति मिलती है। ऐसा कहा जाता है कि गायत्री मंत्र का पाठ करने पर लाभ प्राप्त होता है साथ ही दरिद्रता भी दूर होती है। ऐसा कहा जाता है कि गायत्री मंत्र का पाठ करने के लिए कुछ नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं गायत्री मंत्र का अर्थ और मंत्र जप के नियम।

जानिए गायत्री मंत्र का अर्थ और नियम

इस मंत्र का अर्थ है सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के तेज का हम ध्यान करते हैं, परमात्मा का तेज हमारी बुद्धि को सदमार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस मंत्र का जप करने के लिए कुछ विशेष नियमों का पालन करना चाहिए। गायत्री मंत्र अमूमन हम किसी भी समय करने लगते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं गायत्री मंत्र करना का भी सही समय है। गायत्रा मंत्र का जप सूर्योदय से पहले या फिर सूर्यास्त के बाद ही करना उत्तम माना गया है। अगर आप सूर्यास्त से पहले मंत्र जप करना चाहते हैं तो कुछ बातों का विशेष ख्याल रखें। सूर्यास्त से पहले गायत्री मंत्र जप मौन रहकर ही करें। गायत्री मंत्र का जप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का ही प्रयोग करें। इस बात का ख्याल रखें कि मंत्र जप की संख्या कम से कम 108 ही होना चाहिए। मंत्र जप के लिए एक शांत स्थान पर जाकर बैठें और गायत्री माता का ध्यान करने के बाद ही जप का आरंभ करें। गायत्री मंत्र जप के कई फायदे बताए गए हैं। जो भी व्यक्ति गायत्री मंत्र का जप करता है उसके जीवन में उत्साह और सकारात्मकता बनी रहती है। इस बात का ख्याल रखें कि गायत्री मंत्र का

जप करते समय अपने मन को सकारात्मक रखें क्योंकि, ऐसा कहा जाता है कि जिस संकल्प के साथ आप गायत्री मंत्र को सिद्ध करते हैं वैसा ही फल मिलता है।

क्या ऐसे ही कर सकते हैं गायत्री मंत्र

गायत्री मंत्र बहुत ही प्राचीन और ताकतवर है। इसका जप आमतौर पर ऐसे ही नहीं किया जा सकता है। इसके लिए गुरु से दीक्षा लें। गुरु द्वारा बताए गए समय और तरीके से ही इसका जप करें। उनके बताए गए समय और तरीके से ही इसे किया जाता है। गायत्री मंत्र का जप आप ऐसी ही नहीं कर सकते हैं बल्कि इसके लिए आपका स्वच्छ होना बेहद जरूरी है। माना जाता है कि गायत्री मंत्र बच्चों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होता है।

शिक्षा में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। इस मंत्र का नियमित और सही तरीके से जप करने से व्यक्ति सफलता की सीढ़ी चढ़ सकता है। यह मंत्र जप व्यक्ति को बेहतर निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करता है।

त्रिपुर सुंदरी शक्तिपीठ का इतिहास और महत्व

देवी त्रिपुरासुंदरी भगवान शिव की पत्नी देवी पार्वती का अवतार हैं। मंदिर का गर्भगृह बंगाल की पारंपरिक ग्रामीण झोपड़ी की शैली में बना है। आइए जानते हैं महत्व और इतिहास...

त्रिपुर सुंदरी मंदिर के बारे में, जो त्रिपुरा राज्य के उदयपुर शहर में स्थित है। यह एक प्रसिद्ध शक्तिपीठ है, जिसे स्थानीय लोग "माताबाड़ी" के नाम से भी जानते हैं। यह मंदिर देवी त्रिपुर सुंदरी को समर्पित है, जो माता पार्वती का स्वरूप मानी जाती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार यहां माता सती के दाहिने पैर का अंगूठा गिरा था, इसलिए इसे 51 शक्तिपीठों में विशेष स्थान प्राप्त है। मंदिर का निर्माण वर्ष 1501 में महाराजा धन्य माणिक्य ने कराया था।

इस मंदिर की वास्तुकला बंगाल शैली की एक-रत्न शैली पर आधारित है। मंदिर एक छोटे कछुए की पीठ जैसे टीले पर बना है, इसलिए इसे कूर्म पीठ भी कहा जाता है। मंदिर परिसर के पीछे कल्याणसागर झील इसकी सुंदरता को और बढ़ाती है। इस झील में पाए जाने वाले दुर्लभ कछुए श्रद्धालुओं के बीच आस्था का केंद्र हैं। दीपावली के समय यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

त्रिपुर सुंदरी मंदिर का इतिहास

इतिहास के अनुसार महाराजा धन्य माणिक्य ने भगवान विष्णु के लिए मंदिर बनवाने का विचार किया था, लेकिन उन्हें सपने में देवी त्रिपुर सुंदरी की स्थापना का आदेश मिला। इसके बाद देवी की काले पत्थर की प्रतिमा चटगांव (वर्तमान बांग्लादेश) से लाकर यहां स्थापित की गई। मंदिर आज भी पूर्वोत्तर भारत के सबसे प्रमुख शक्ति उपासना केंद्रों में गिना जाता है।

कैसे पहुंचें मंदिर

त्रिपुरा सुंदरी मंदिर त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से लगभग 55 किलोमीटर दूर उदयपुर शहर में है। अगरतला का महाराजा बीर बिक्रम एयरपोर्ट यहां का सबसे पास हवाई अड्डा है। वहीं एयरपोर्ट से टैक्सी और बस आसानी से मिल जाती हैं। रेल मार्ग से आने वाले लोगों के लिए अगरतला रेलवे स्टेशन सबसे पास है और फिर सड़क मार्ग से मंदिर जा सकते हैं।

कल्कि भगवान 23 वर्षों तक दिखाएंगे अपनी लीलाएं

भविष्य मालिका से जानें कलियुग के अंत का रहस्य

कलयुग में इस समय अधर्म ने धर्म को घेर लिया है। अधर्म तेजी से फैल रहा है। जब धर्म और अधर्म के बीच युद्ध अपने चरम पर पहुंच जाएगा तब जन्म होगा भगवान कल्कि का जिसकी भविष्यवाणी हुई थी महाभारत की रणभूमि पर। भगवान कृष्ण के जाने के बाद कलयुग की आरंभ हो चुका था। शहर बढ़ रहे थे व्यापार बढ़ रहा था। लोगों के खान पान का बदलाव हो रहा था। कलयुग की शुरुआत बेहद ही सामान्य तरीके से हुई थी लेकिन, जैसे जैसे कलयुग आगे बढ़ रहा है अपना असर दिखा रहा है। लोगों में क्रोध, द्वेष, मारपीट, लूट, छल, कपट और द्वेष की भावना बढ़ रही है। भविष्य मालिका में कल्कि भगवान के प्राकट्य से जुड़े कई रहस्य बताए गए हैं। जैसे कल्कि भगवान का जन्म कब और कहा होगा वह कितने वर्ष तक धरती पर रहेंगे यानी उनकी आयु कितनी होगी। कल्कि अवतार के बारे में जानने से पहले जानते हैं कलयुग का प्रभाव कैसा है।

कलयुग का प्रभाव कैसा है

महाभारत के वन पर्व के अध्याय 53 में राजा नल और कलयुग की कथा का वर्णन मिलता है। विदर्भ राज्य की राजकुमारी दमयंती ने स्वयंवर के दौरान निषाद देश के पराक्रमी और गुणी राजा नल को अपने पति के रुप में चुना था। राजकुमारी दमयंती से विवाह करने के लिए कई देवता भी आए थे। लेकिन, राजकुमारी ने राजा नल को अपना पति मानकर वरमाला पहनाई। सभी देवता जब स्वयंवर से लौट रहे थे तो उनकी मुलाकात कलयुग से हुई। जब कलयुग को पता चला तो कलयुग बहुत क्रोधित हुआ कि मानव को देवताओं से अधिक प्राथमिकता मिली है। राजा नल से बदला लेने के लिए कलयुग उनके राज्य में पहुंचा और राजा नल के शरीर में प्रवेश करने का प्रयास किया लेकिन, वह नाकाम रहा क्योंकि, राजा नल सदाचारी और धर्मात्मा थे। कलयुग उनके शरीर में चाहकर भी प्रवेश नहीं कर पाया। पूरे 12 वर्ष तक कलयुग इंतजार करते रहा कि राजा नल से कोई गलती या चूक हो और वह उनके अंदर प्रवेश करे। एक दिन संध्या पूजा के दौरान राजा नल बिना पैर धोए अपवित्र अवस्था में बैठकर पूजा करने लगें जिसका परिणाम यह हुआ कि कलयुग उनके शरीर में प्रवेश कर गया।

कलयुग का प्रभाव ऐसा रहा कि उसके आते ही राजा नल की बुद्धि पलट गई। राजा नल का भाई पुष्कर जो उनसे मन ही मन द्वेष रखता था उसने राजा नल को चौसर खेलने के लिए आमंत्रित किया। चौसर में हारने पर राजा नल अपना राजपाट हार गए और उन्हें रानी दमयंती के साथ जंगल में भटकना पड़ा। कलयुग के कारण ही राजा नल जंगल में रानी दमयंती को छोड़कर चले गए।

कल्कि अवतार की आयु कितनी होगी ?

विष्णु पुराण भविष्य पुराण और श्रीमद्भागवत गीता में भी कल्कि अवतार का वर्णन मिलता है। कि जब अधर्म अपने चर्म पर होगा तब धर्म की रक्षा के लिए कल्कि भगवान आएंगे। भविष्य मालिका के अनुसार, कलयुग के 5000 हजार वर्ष होने पर कलयुग अपने चरम पर पहुंच जाएगा। पाप आचरण बढ़ जाएंगे। इसके बाद जब कलयुग का कुल अवधि 23 वर्ष बचेगी तब जाकर कल्कि भगवान का अवतार होगा और वह 23 वर्षों तक अपनी लीलाएं दिखाएंगे और कलयुग का अंत इसी दौरान होगा। उनकी लीलाओं की आयु 23 वर्ष की होगी।

कब और कहां जन्म लेंगे कल्कि भगवान ?

भविष्य मालिका, विष्णु पुराण, श्रीमद् भागवत महापुराण के अनुसार, कलयुग की छाया के बीच भगवान विष्णु के कल्कि अवतार संबल गांव में होगा और विष्णुयशा नाम ब्राह्मण के घर भगवान कल्कि जन्म लेंगे। हालांकि, देवी भागवत में विष्णुयशा का नाम गरुड़ लिखा है जबकि संबल नामक गांव का वर्णन पुराण में मिलता है। कलिका अवतार के बारे में कहा जाता है कि कल्कि भगवान धरती की पुनः स्थापना करेंगे। कल्कि भगवान ही कलयुग का अंत करेंगे और पाप का नाश करेंगे।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव के प्रमुख विचार और जीवन मंत्र

सद्गुरु के विचार मुख्य रूप से जीवन को आनंदमय, जागरूक और जिम्मेदारी से जीने पर केंद्रित हैं। वे आंतरिक इंजीनियरिंग प्रेम, योग और व्यक्तिगत रूपांतरण के माध्यम से स्वयं को सुधारने की सलाह देते हैं। उनका मानना है कि आनंद आपका स्वभाव है, मंजिल नहीं।

जीवन का आनंद अपने आनंद को बाद के लिए बचाकर न रखें। जब आप आनंदित होते हैं, तो आपका पूरा जीवन एक उत्सव बन जाता है।

जिम्मेदारी ₹कर्म का अर्थ है जिम्मेदारी को स्वर्ग से हटाकर अपने ऊपर ले लेना। इस तरह आप स्वयं अपने भाग्य के निर्माता बन जाते हैं।

डर और चेतना डर अचेतन होने का परिणाम है। केवल सचेतन होकर ही हम सही मायनों में जीवन का निर्माण कर सकते हैं।

सफलता असफल होने का जोखिम उठाकर ही सफल हुआ जा सकता है। इसलिए कोशिश करते रहें, तभी सफलता मिलेगी।

सुख-दुख जब आप अपने और अपने शरीर/मन के बीच दूरी बना लेते हैं, वहीं दुःख का अंत हो जाता है।

संबंध जितना ज़्यादा आप खुद को खास बनाने की कोशिश करेंगे, उतना ही ज़्यादा आपको दुख होगा। बस शांत रहें और हर चीज़ का हिस्सा बन जाएं।

परिवर्तन जो रूपांतरित नहीं होता, वह मृत के समान है।

शांति शांति को बाहर से जबर्दस्ती थोपा नहीं जा सकता। हम अपने अंदर कैसे हैं, यही परिणाम तय करता है।

अनमोल वचन

सलाह हारे हुए की,
तजुर्बा जीते हुए का
और दिमाग खुद का
इंसान को कभी हारने नही देता।

किसी को भी ख़ुश करने का
मौक़ा मिले तो छोड़ना मत।
वो फ़रिश्ते ही होते है

जो किसी के चेहरे पर
मुस्कुराहट दे पाते है।
सार्वजनिक रूप से की गई आलोचना
अपमान में बदल जाती है
और ....
एकांत में बताने पर
सलाह बन जाती है...!!

उस व्यक्ति की शक्ति का
कोई मुकाबला नहीं,
जिसके पास शक्ति के साथ
सहनशक्ति भी हो।

बहुत मुश्किल नहीं हैं,
ज़िंदगी की सच्चाई समझना,
जिस तराज़ू पर
दूसरों को तौलते हैं,
उस पर कभी
ख़ुद बैठ के देखिये।

मंगलसूत्र में काले मोतियों का क्या है महत्व

क्यों सोने में पिरोए जाते हैं ये मोती

हिंदू धर्म में मंगलसूत्र का खास महत्व बताया गया है। विवाह में सात फेरे लेने के साथ ही वर वधू को गले में मंगलसूत्र पहनाता है और वहीं से शुरू होता है एक नया जीवन। मंगलसूत्र को सुहाग का प्रतीक माना गया है। और आपने देखा होगा की आमतौर पर काले मोती वाला ही मंगलसूत्र पहना जाता है और इसके मोती कई लोग सोने में डलवाते हैं। ऐसे में मन में यह सवाल उठता है कि किसी भी शुभ कार्य में काले रंग का प्रयोग करना अच्छा नहीं माना जाता है तो फिर मंगलसूत्र में काले मोती क्यों होते हैं ? अगर आप भी इसी उलझन को दूर करना चाहते हैं तो आइए जानें की मंगलसूत्र में काले मोती का क्या महत्व है और इसे सोने में क्यों पिरोया जाता है।

मंगलसूत्र का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंगलसूत्र सुहाग का प्रतीक होता है। वहीं, इसमें लगे काले मोती बुरी नजर के दुष्प्रभाव को कम करते हैं। इसलिए काले रंग के मोती वाला मंगलसूत्र पहना जाता है। इन मोतियों से कई चीजें जुड़ी होती हैं जो दांपत्य जीवन में केवल शुभता लेकर आती है। मान्यता है की मंगलसूत्र धारण करने से पति-पत्नी के बीच प्रेम बना रहता है और संकट भी दूर होते हैं।

मंगलसूत्र में क्यों पिरोए जाते हैं काले मोती ?

मंगलसूत्र में लगे काले मोती सुरक्षा के कारक होते हैं। ये पति-पत्नी के रिश्ते को हर तरह की बुरी और काली नजर से बचाकर रखते हैं। यही कारण है कि मंगलसूत्र में काले मोती होना शुभ माना गया है। ऐसा भी कहा जाता है की ये मोती पति की रक्षा करते हैं और महिलाओं के लिए एक सुरक्षा कवच के प्रकार काम करते हैं। मंगलसूत्र को प्रेम का भी प्रतीक माना जाता है। इसे धारण किया जाता है ताकि पति-पत्नी के बीच हमेशा प्रेम और आपसी समझ बनी रहे। इसकी तुलना अन्य किसी भी आभूषण के साथ नहीं की जा सकती है।

सोने में क्यों पिरोते हैं काले मोती

आमतौर पर महिलाएं सोने की चेन में काले मोती डलवाकर उसे मंगलसूत्र के रूप में धारण करती हैं। इसका भी बहुत खास महत्व बताया गया है। ज्योतिष एक्सपर्ट के अनुसार, सोना माता लक्ष्मी और देवगुरु बृहस्पति का प्रतीक होता है। साथ ही, जब महिलाएं सोने में काले मोती डलवाकर मंगलसूत्र को धारण करती हैं तो यह सीधा हृदय चक्र को जाकर स्पर्श करता है। इसी के चलते पति और पत्नी के रिश्ते में मधुरता बनी रहती है।

शनि और गुरु का पड़ता है शुभ प्रभाव

सोने की चेन में काले मोती पिरोकर मंगलसूत्र पहनने से गुरु और शनि का शुभ प्रभाव दांपत्य जीवन पर पड़ता है। क्योंकि, सोने को गुरु ग्रह से संबंधित माना जाता है और काले मोती को शनि का प्रतीक माना गया है। यही कारण है कि इस मंगलसूत्र को पहनना अत्यंत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से दांपत्य जीवन की बाधाएं दूर रहती हैं और पति-पत्नी के रिश्ते में हमेशा शांति और प्रेम बना रहता है। हालांकि, अगर सोना धारण न कर पाएं तो इसे धागे या लाल अथवा पीले जैसे शुभ रंगों के मोती की माला में भी इसे पिरोकर पहना जा सकता है। ऐसा करने से वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहता है।

मां को तकलीफ न हो इसलिए कभी जिद नहीं की : रानी मुखर्जी

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी को लोग उनकी दमदार अदाकारी और शानदार फिल्मों के लिए जानते हैं। हाल ही में उनका एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं कि छोटी उम्र से ही उनके मन में एक ही इच्छा थी कि वह जिंदगी में कुछ बड़ा करें और अपने माता-पिता को दुनिया की हर खुशी दें।

मशहूर टेलीविजन होस्ट सिमी ग्रेवाल के चर्चित शो 'रेंडेजवस विद सिमी ग्रेवाल' में बातचीत के दौरान रानी मुखर्जी ने अपने बचपन की कई यादें साझा कीं। जब उनसे पूछा गया कि वह बड़ी होकर क्या बनना चाहती थीं तो रानी ने कहा, 'मैं हमेशा से जीवन में कुछ बड़ा करना चाहती थी। मेरे अंदर यह बात थी कि मैं अपने माता-पिता को सच में खुश करना चाहती थी। जब मैं किसी दुकान पर जाती थी तो कई चीजें मैं खरीदना चाहती थीं तो मन में ख्याल आता था कि एक दिन मैं इतनी सफल बनूं कि जो चाहे खरीद सकूं और अपने माता-पिता की हर इच्छा पूरी कर सकूं।''

रानी मुखर्जी ने बातचीत के दौरान बताया, बचपन में अगर मुझे किसी चीज की इच्छा होती थी, लेकिन मुझे लगता था कि मेरी मां वह चीज नहीं खरीद पाएंगी, तो मैं कभी जिद नहीं करती थी। मैं अपनी मां को किसी भी तरह की परेशानी में नहीं डालना चाहती थी। मैं मन ही मन सोचती थी कि जब बड़ी होंगी तो कुछ ऐसा करूंगी जिससे मेरे माता-पिता को किसी बात की चिंता न रहे और उन्हें दुनिया की सबसे अच्छी चीजें मिल सकें।₹

उन्होंने आगे कहा, ''मैं बचपन से ही अपनी उम्र के बच्चों की तुलना में ज्यादा समझदार थी। जहां अधिकतर बच्चे अपनी इच्छाओं और जरूरतों के बारे में सोचते हैं, वहीं मैं अपने परिवार की परिस्थितियों और माता-पिता की भावनाओं को समझने लगी थी। मेरे सपनों में भी परिवार की खुशियां सबसे पहले आती थीं।''

बता दें कि रानी मुखर्जी का जन्म 21 मार्च 1978 को मुंबई में एक फिल्मी परिवार में हुआ था। उनके पिता राम मुखर्जी फिल्म निर्देशक थे, जबकि उनकी मां कृष्णा मुखर्जी पार्श्व गायिका रह चुकी हैं। फिल्मी माहौल में पली-बढ़ी रानी ने कम उम्र में ही अभिनय की दुनिया की ओर कदम बढ़ाया। अपने करियर में रानी ने 'कुछ कुछ होता है', 'साथिया', 'हम तुम', 'ब्लैक', 'मर्दानी' समेत कई अन्य सफल फिल्मों में काम किया। उनकी अदाकारी को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने सराहा। आज वह बॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।

तलाक के 11 साल बाद जेनिफर विंगेट करेगी दूसरी शादी

जेनिफर विंगेट इस वक्त अपनी दूसरी शादी को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल हाल ही में उन्होंने शादी के डांस रील पर कुछ ऐसा कॉमेंट किया जिसके बाद से उनकी वेडिंग को लेकर चर्चा तेज हो गई है। बताया गया है कि जेनिफर विलियम इस्माइल के साथ शादी रचाने जा रही हैं।

जेनिफर विंगेट कर रही हैं दूसरी शादी

जेनिफर विंगेट अपने तलाक के करीब 11 साल बाद एक बार फिर से शादी को लेकर चर्चा में हैं। अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखने वालीं जेनिफर की शादी को लेकर पिछले कुछ समय से काफी अटकलें लग रही थीं। अब उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, एक्ट्रेस अपनी लाइफ का अगला जरूरी कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, बताया गया है कि जेनिफर विलियम इस्माइल के साथ शादी रचाने जा रही हैं। खबर के मुताबिक, एक्ट्रेस एक खुशहाल और स्टेबल रिश्ते में हैं। कहा जा रहा है कि छुट्टियों के दौरान विलियम ने जेनिफर को शादी का ऑफर दिया और जवाब में उन्होंने हां कर दी है। अब दोनों इस वक्त शादी को लेकर प्लानिंग में जुटे हैं। खबरों के मुताबिक, जेनिफर ने वेंडर्स से लेकर शादी से जुड़ी अन्य तैयारियां शुरू कर दी हैं।

लोगों को लगा कि उनकी लाइफ में कुछ बड़ा चल रहा

जेनिफर की दूसरी जिंदगी को लेकर चर्चा तब शुरू हुई जब फैन्स ने सोशल मीडिया पर एक शादी के डांस वीडियो पर उनका रिएक्शन देखा। फैन्स ने देखा कि एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर शादी से जुड़े कई पेज फॉलो करना शुरू कर दिया है, जिससे काफी लोगों को लगा कि उनकी लाइफ में कुछ बड़ा चल रहा है। हालांकि जेनिफर विंगेट और विलियम इस्माइल में से किसी ने भी इन खबरों पर कोई कॉमेंट नहीं किया है।

शादी के लिए सही डेस्टिनेशन की तलाश

सूत्रों के मुताबिक, दोनों की ये शादी क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से होनी है और सितंबर-अक्टूबर या फिर दिसंबर से लेकर अगले साल जनवरी के बीच कभी भी हो सकती है। बताया जा रहा है कि फिलहाल वो शादी के लिए सही डेस्टिनेशन की तलाश कर रही हैं। खबर ये भी है कि उन दोनों के करीबी दोस्त रहे हरलीन सेठी और जेनेलिया देशमुख जैसे उनके करीबी दोस्तों को उनकी शादी की प्लानिंग का पता है।

साथी-कलाकार करण वाही के साथ जोड़ा गया था नाम

हालांकि, इस साल की शुरुआत में जेनिफर का नाम उनके शो 'दिल मिल गए' के साथी-कलाकार करण वाही के साथ जोड़ा गया था। दोनों की शादी को लेकर भी खूब अफवाहें उड़ रही थीं। हालांकि, इन खबरों के बाद करण ने इन्हें खारिज करते हुए इन्हें बकवास बताया था।

कौन हैं कौन हैं विलियम इस्माइल

बताया जाता है कि इस्माइल विलियम सिंगापुर स्थित बिजनेसमैन हैं, जिनके साथ जेनिफर पिछले कुछ समय से डेट कर रही हैं। कहा जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे को बेहद पसंद करते हैं।

500 लड़कियों को पछाड़ने के बाद अमीषा पटेल को मिली थी 'गदर' की सकीना, 12 घंटे चला था ऑडिशन

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अपने करियर की शुरुआत में ही जबरदस्त पहचान बनाई थी। खासकर उनकी फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' में उनका किरदार सकीना आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। इस किरदार के लिए अमीषा ने 500 से ज्यादा लड़कियों के बीच बाजी मारी थी और कई घंटों ऑडिशन दिया था। अमीषा पटेल का जन्म 9 जून 1975 को मुंबई में एक गुजराती परिवार में हुआ था। उन्होंने मुंबई में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चली गईं। उन्होंने टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। पढ़ाई में वह इतनी तेज थीं कि उन्होंने गोल्ड मेडल तक हासिल किया और कॉलेज की हेड गर्ल भी बनीं। एक टॉपर स्टूडेंट होने के बावजूद उनका मन फिल्मों की दुनिया की ओर खींचता चला गया। भारत लौटने के बाद उन्होंने थिएटर से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। वह प्रसिद्ध रंगकर्मी सत्यदेव दुबे के थिएटर ग्रुप से जुड़ीं, जहां उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। इसके साथ ही उन्होंने मॉडलिंग और विज्ञापन जगत में भी कदम रखा।

साल 2000 में अमीषा के करियर को बड़ा मोड़ मिला, जब उन्हें निर्देशक राकेश रोशन की फिल्म 'कहो ना... प्यार है' में काम करने का अवसर मिला। फिल्म में उनके साथ ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल रही। इसी फिल्म ने अमीषा को रातों-रात स्टार बना दिया। उनकी मासूमियत और स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी सफलता के बाद, उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी काम किया और तेलुगु फिल्म 'बद्री' में नजर आईं।

हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' से मिली। फिल्म में निभाया गया उनका 'सकीना' का किरदार आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय है। इस फिल्म के लिए उनका चयन आसान नहीं था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस भूमिका के लिए बड़ी संख्या में अभिनेत्रियों का ऑडिशन लिया गया था, जिसके बाद अमीषा का चयन हुआ था। कहा जाता है कि इस रोल के लिए 500 से ज्यादा लड़कियों ने ऑडिशन दिया था। इतना ही नहीं, अमीषा ने करीब 12 घंटे तक लगातार ऑडिशन दिया था।

इसके बाद 2002 में उनकी फिल्म 'हमराज' रिलीज हुई, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन इसके बाद उनके करियर में उतार-चढ़ाव आने शुरू हो गए। उन्होंने 'ये जिन्दगी का सफर', 'क्रांति', 'क्या यही प्यार है', 'आप मुझे अच्छे लगने लगे', 'ये है जलवा', 'परवाना', 'सुनो ससुर जी', 'हनीमून ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'भूल भुलैया' और 'थोड़ा प्यार थोड़ा मैजिक' जैसी कई फिल्मों में काम किया, इनमें से कुछ फिल्में फ्लॉप रहीं, वहीं कुछ ने ठीक-ठाक कमाई की।

कई वर्षों बाद 2023 में रिलीज हुई 'गदर 2' के जरिए अमीषा पटेल ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। फिल्म में उन्होंने एक बार फिर 'सकीना' के अपने चर्चित किरदार को पर्दे पर जीवंत किया।

कुछ ही दिन में नौकरी से निकाली गईं थीं सोनम कपूर आगे चलकर बनीं बॉलीवुड की फैशन क्वीन

अक्सर स्टार किड्स की जिंदगी को बेहद आसान माना जाता है, लेकिन कई बार चमक-दमक के पीछे ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिनसे लोग अनजान होते हैं। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर आज भले ही देश की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों और फैशन आइकन में गिनी जाती हों, लेकिन उनकी जिंदगी में भी ऐसे दौर आए जब उन्हें छोटी-सी नौकरी करनी पड़ी और वह भी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी।

सोनम कपूर का जन्म 9 जून 1985 को मुंबई के चेंबूर में हुआ था। वह अभिनेता अनिल कपूर और पूर्व मॉडल सुनीता कपूर की बड़ी बेटी हैं। फिल्मी परिवार में जन्म लेने के बावजूद सोनम का सपना शुरू से अभिनेत्री बनने का नहीं था। उन्हें लेखन और निर्देशन में ज्यादा रुचि थी। अपनी पढ़ाई के दौरान वह सिंगापुर भी गईं। इसी दौरान उन्होंने अपने खर्चों और पॉकेट मनी के लिए एक रेस्टोरेंट में वेट्रेस की नौकरी की। हालांकि यह नौकरी ज्यादा समय तक नहीं चल सकी और कुछ ही दिनों बाद उन्हें वहां से हटा दिया गया। सोनम ने खुद कई इंटरव्यू में इस अनुभव का जिक्र किया है।

फिल्मों में आने से पहले सोनम का वजन काफी ज्यादा था। एक समय उनका वजन लगभग 90 किलो तक पहुंच गया था। उन्हें पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम और हार्मोनल समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। लेकिन उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव तब आया, जब उन्होंने निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ फिल्म 'ब्लैक' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया। भंसाली ने ही उन्हें अभिनय में आने के लिए प्रेरित किया और वजन कम करने की सलाह दी। सोनम ने कड़ी मेहनत से लगभग 35 किलो वजन कम किया और अभिनय की तैयारी शुरू की।

साल 2007 में सोनम कपूर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म से रणबीर कपूर ने भी अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन सोनम को नई पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'दिल्ली-6', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'आयशा', 'मौसम' और 'प्लेयर्स' जैसी फिल्मों में काम किया। शुरुआती सालों में उन्हें कई असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने प्रयास जारी रखे।

सोनम के करियर में साल 2013 शानदार रहा। इस साल फिल्म 'रांझणा' रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। इसके बाद 'भाग मिल्खा भाग', 'खूबसूरत', 'प्रेम रतन धन पायो', 'पैडमैन', 'वीरे दी वेडिंग' और 'संजू' जैसी सफल फिल्मों ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी। हालांकि, उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में 'नीरजा' को प्रमुख माना जाता है। एयर होस्टेस नीरजा भनोट के जीवन पर आधारित इस फिल्म में उनके अभिनय की दर्शकों और समीक्षकों ने जमकर प्रशंसा की।

'नीरजा' के लिए सोनम कपूर को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में स्पेशल मेंशन सम्मान मिला। इसके अलावा, उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड भी दिया गया। यह फिल्म उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जाती है। अभिनय के अलावा, सोनम ने फैशन की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बनाई और उन्हें बॉलीवुड की 'फैशनिस्टा' के रूप में भी जाना जाता है।

साल 2018 में सोनम कपूर ने उद्योगपति आनंद आहूजा से शादी की। शादी के बाद उन्होंने फिल्मों से थोड़ी दूरी बनाई और परिवार को समय देना शुरू किया। साल 2022 में वह बेटे वायु की मां बनीं। वह सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फैंस से लगातार जुड़ी रहती हैं।

शिल्पा शेट्टी ने करियर के सबसे मुश्किल दौर का सुनाया किस्सा-काम मिलना बंद हो गया था

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को फिटनेस क्वीन, टीवी स्टार, बिजनेसवुमन और प्रेरणादायक शख्सियत के तौर पर जाना जाता है, लेकिन उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें फिल्में मिलनी लगभग बंद हो गई थीं और कई प्रोड्यूसर्स उन्हें अपनी फिल्मों से बाहर कर देते थे। खुद शिल्पा ने बताया था कि उन्हें लगने लगा था कि उनका करियर पीछे जा रहा है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत की, आखिरकार अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं। 8 जून 1975 को कर्नाटक के मंगलुरु में जन्मी शिल्पा शेट्टी का असली नाम अश्विनी शेट्टी है। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के काम में हाथ बंटाने लगी थीं। इसी दौरान एक फैशन शो में हिस्सा लेने का मौका मिला। वहां एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींचीं, और यही तस्वीरें उनके लिए मॉडलिंग की दुनिया का दरवाजा खोल गईं। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे।

शिल्पा ने 1993 में फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और शिल्पा की भी खूब चर्चा हुई। 1990 के दशक में वह 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी कई चर्चित फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती गईं।

सफलता का यह सफर हमेशा नहीं रहता है। शिल्पा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर के एक दौर में उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। कई बार ऐसा हुआ जब उन्हें फिल्म के लिए चुना गया, लेकिन बाद में प्रोड्यूसर्स ने उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया। लगातार मिल रही निराशा ने उन्हें परेशान जरूर किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

साल 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' ने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहागया, और वह एक बार फिर चर्चा में आ गईं। इसके बाद उन्होंने 'रिश्ते', 'फिर मिलेंगे', 'दस' और 'लाइफ इन ए... मेट्रो' जैसी फिल्मों में काम किया। खासकर 'फिर मिलेंगे' में एचआईवी पीडित महिला के किरदार ने उनके अभिनय की नई पहचान बनाई।

फिल्मों के साथ-साथ शिल्पा ने टीवी की दुनिया में भी अपनी मजबूत जगह बनाई। ब्रिटेन के चर्चित रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' में हिस्सा लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की। शो में नस्लीय टिप्पणियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और विजेता बनकर उभरीं। इस जीत ने उन्हें दुनिया भर में लोकप्रिय बना दिया।

शिल्पा फिटनेस की पहचान भी बन चुकी हैं। योग और स्वास्थ्य को लेकर उनकी पहल को लोगों ने खूब पसंद किया। उन्होंने फिटनेस से जुड़ी किताबें लिखीं, योग वीडियो जारी किए और लाखों लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। समाज सेवा और जनजागरूकता अभियानों में योगदान के लिए भी उन्हें कई सम्मान मिले। उन्हें आईफा स्पेशल अवॉर्ड फॉर ग्लोबल इम्पैक्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स की मानद डॉक्टरेट और स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े कार्यों के लिए 'चैंपियंस ऑफ चेंज' सम्मान जैसे कई पुरस्कार प्राप्त हुए।

किडनी में पथरी होने का संकेत

खराब लाइफस्टाइल, पानी की कमी अनहेल्दी खानपान के

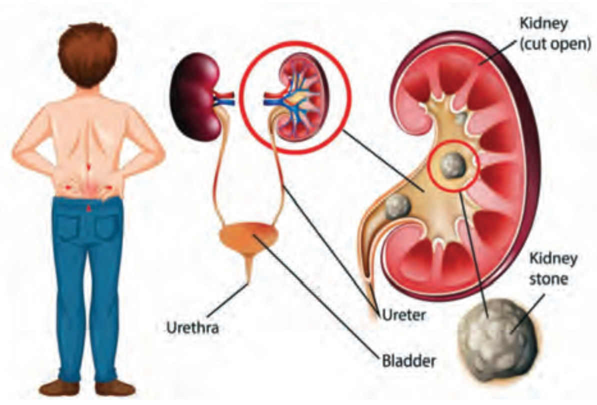

कारण हमारी हेल्थ पर इसका बुरा असर पड़ता है खासकर किडनी स्टोन का खतरा भी काफी ज्यादा बढ़ने लगता है. आजकल ये दिक्कत काफी ज्यादा देखने को मिल रही है. शुरुआत में किडनी में बनने वाली छोटी पथरी के कुछ खास लक्षण नहीं आते हैं, लेकिन जैसे-जैसे ये बदलती है आपको कई बड़े-बड़े लक्षण नजर लगते हैं, जिससे आप इसका आसानी से पता लगा सकते हैं. पथरी बढ़ने पर दर्द काफी ज्यादा खतरनाक होने लगता है. समझ में नहीं आता है कि क्या करें और क्या न करें. आपकी थोड़ी सी भी लापरवाही गंभीर दर्द का कारण भी बन सकती हैं. आइए आज आपको इस खबर में किडनी में पथरी के लक्षण बताते हैं, जिसको आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

किडनी में पथरी होने के संकेत

1. कमर या पीठ के निचले हिस्से में दर्द

किडनी स्टोन की समस्या होने पर कमर या पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द की समस्या काफी ज्यादा होने लग जाती है, जिससे लोग काफी ज्यादा परेशान हो जाते हैं. यह दर्द कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि बैठना तक मुश्किल हो जाता है.

2. बार-बार पेशाब आना

किडनी स्टोन की एक समस्या ये भी होती है कि बार-बार पेशाब आने की दिक्कत झेलनी पड़ सकती है. बार-बार पेशाब आने की समस्या रात में भी होने लगे, तो आपको इसको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. डॉक्टर से जाकर सलाह लेनी चाहिए.

3. पेशाब करते समय जलन या दर्द

किडनी स्टोन की समस्या होने पर पेशाब करते समय जलन या दर्द जैसी दिक्कत भी हो सकती है. कुछ लोग इस समस्या को हल्के में लेकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन आपको यूरिन इंफेक्शन समझकर नजरअंदाज गलती से भी नहीं करना है.

4. उल्टी और बुखार

कुछ-कुछ मामलों में किडनी स्टोन की वजह से उल्टी या बुखार की शिकायत हो सकती है और इसलिए गलती से भी आपको इस चीज को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, वरना आप और भी समस्या के शिकार हो सकते हैं.

5. पेशाब में खून आना

किडनी से जुड़ी समस्या होने पर पेशाब में खून आना जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं. इसको आपको गलती से भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. पेशाब का रंग गुलाबी, लाल या भूरे रंग का आपको दिखाई दे सकता है.

कमर की अकड़न से राहत पाने के लिए सुबह रोजाना करें ये योगासन

घंटों एक ही जगह पर बैठे रहने से हमारा शरीर काफी ज्यादा अकड़ना शुरू हो जाता है और साथ ही साथ उससे जुड़ी कई बीमारियों के भी आप शिकार हो जाते हैं. घंटों बैठकर काम करने,

गलत पोस्चर, शारीरिक गतिविधियों को न करना, बढ़ते तनाव के कारण कमर में अकड़न और दर्द की समस्याएं काफी ज्यादा होने लगती है. कई लोगों की रोजमर्रा की में ये तो हमेशा के लिए जैसे शामिल ही हो गया है. समय रहते इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो ये काफी गंभीर समस्या का भी रूप ले लेती है. योग से सारी दिक्कतें दूर होती हैं, अगर आप अपनी लाइफस्टाइल में थोड़ा सा बदलाव करके योगासन को करना शुरू करते हैं, तो कई सारी बीमारियों से आप छुटकारा पा सकते हैं. आइए आपको बताते हैं कौन-कौन से योगासन को आप कर सकते हैं.

कमर की अकड़न से राहत पाने के लिए योगासन

1. बटरफ्लाई पोज

बटरफ्लाई पोज आपके लिए लिए एक बेस्ट योगासन है, जो लोग लंबे समय तक ऑफिस में बैठकर काम करते हैं, उनको 15 मिनट निकालकर इसको एक बार जरूर सुबह के समय करके देखना चाहिए. मांसपेशियों पर खिंचाव पड़ता है और आपका शरीर भी मजबूत रहता है.

2. बालासन

बालासन भी आपके लिए बेस्ट योगासन है. अगर आप इसको करते हैं, तो आपको कई सारी दिक्कतों से छुटकारा मिल सकता है. बालासन शरीर को आराम देने वाला योगासन होता है, जो तनाव को भी दूर रखता है और साथ ही कमर और पीठ की मांसपेशियों को भी मजबूत रखता है.

3. ड्रैगन पोज

अगर आप शरीर में होने वाली चीजों से काफी ज्यादा परेशान हैं और छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आप ड्रैगन पोज को कर सकते हैं. शरीर की गतिशीलता बढ़ाने में भी ये मददगार होता है. सुबह के समय करेंगे, तो कमाल के असर नजर आ सकते हैं.

4. मार्जरीआसन

मार्जरीआसन भी आसान आपके लिए बेस्ट साबित होता है. कमर और रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने के साथ-साथ मजबूत बनाने में भी मददगार साबित होता है. पीठ की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है और साथ ही तनाव को भी कम करता है.

5. सेतु बंधासन

सेतु बंधासन अगर आप करते हैं, तो शरीर में कमाल के असर देखने को मिलते हैं. कमर, कूल्हों और रीढ़ की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के साथ-साथ कमाल के असर आपको मिलते हैं. बैठकर काम करने वाले लोगों के लिए ये किसी वरदान से कम नहीं.

5 गलतियों की वजह से बढ़ सकता है घुटनों में दर्द, आज ही कर लें सुधार

घुटनों का दर्द बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक में काफी ज्यादा देखने को मिलता है. बदलती लाइफस्टाइल, गलत खानपान और भी कई चीजें हैं, जिस वजह से ये समस्याएं काफी ज्यादा देखने के लिए मिलती है. कई लोग घुटनों में दर्द होने पर दवाइयों का सहारा लेते हैं,लेकिन इनमें कुछ हद तक राहत मिलती है, लेकिन बाद में दर्द शुरू हो जाता है. अक्सर कुछ लोग छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिनको गलती से भी नहीं करना चाहिए, जिससे कई कई गुना तक बढ़ जाती है. अगर समय रहते इस पर सुधार कर किया जाए, तो समस्या से बचाव कर सकते हैं. आइए आपको बताते हैं ऐसी कौन सी 5 गलतियां हैं, जिनको आपको भूलकर भी नहीं करना चाहिए वरना आप मुश्किल में पड़ सकते हैं. आइए आपको बातते हैं.

कौन सी गलतियां बढ़ा सकती है घुटनों में दर्द?

1. लंबे समय तक बैठे रहना

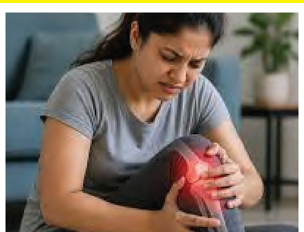

अगर आप लंबे समय तक बैठे रहते हैं, तो इसका असर आपकी हेल्थ पर काफी ज्यादा पड़ता है. लंबे समय तक एक ही जगह पर बैठे रहने से घुटनों के आसपास की मांसपेशियां काफी ज्यादा कमजोर होने लगती है. हर 30 से 40 मिनट में चलना-फिरना चाहिए.

2. बढ़ता वजन

जरूरत से ज्यादा बढ़ता वजन भी आपकी हेल्थ के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है. ये आपकी सेहत पर बुरा असर डालती है. मोटापे से पीड़ित लोगों में घुटनों के दर्द और ऑस्टियोआर्थराइटिस का खतरा भी काफी ज्यादा बढ़ने लगता है.

3. कैल्शियम और विटामिन D

शरीर में कैल्शियम और विटामिन D की कमी होने पर कई तरह-तरह की समस्याओं से परेशान आप हो सकते हैं. हड्डियां कमजोर हो सकती हैं और घुटनों में दर्द की समस्या भी काफी हद तक बढ़ सकती है. इसलिए आप अपनी डाइट को हमेशा हेल्दी रखना चाहिए.

4. घुटने के दर्द को नजरअंदाज

कुछ लोग घुटने में हो रहे थोड़े-थोड़े से दर्द को नजरअंदाज कर देते हैं, जिस वजह से दिक्कतें और भी काफी ज्यादा बढ़ जाती है. लगातार दर्द, सूजन या चलने-फिरने में परेशानी अगर हो रही है, तो आपको गलती से भी नजरअंदाज इसको नहीं करना चाहिए. आगे जाकर बड़े समस्या बन जाती है.

5. एक्सरसाइज में गलती

कुछ लोग एक्सरसाइज करते समय ऐसी गलतियों को कर देते हैं, जो आपके दर्द को काफी हद तक बढ़ा देता है. गलत वर्कआउट घुटनों को नुकसान पहुंचा सकता है. आपको अच्छे से देख-रेख कर लेनी बेहद ही जरूरी है.

हर समय रहती है थकान?

पैरों के नीचे बस इतने मिनट घुमाएं ठंडे पानी की बोतल, फिर देखें कमाल

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई थकाहारा होता है, ऐसे में दिनभर की नौकरी के बाद रात में शरीर थकान से टूटने लगता है, ऐसे में अगर आप भी हर समय थका महसूस करते हैं तो ठंडी पानी की बोतल आपके काम आ सकती है.

दिनभर बनी रहती है थकान-

आजकल स्ट्रेस और थकान हर किसी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है. हम में से अधिकतर लोग 9 घंटे की नौकरी करते हैं, जिसके बाद घर आते ही थकान होने लगती है. इतना ही नहीं कई लोगों को बिना किसी खास वजह के पूरे दिन थकान, सुस्ती, पैरों में भारीपन, जलन या कमजोरी महसूस होती रहती है.

थकान के पीछे के कारण-

ऑफिस का काम, खड़े रहना, ज्यादा चलना ये सब थकान को बढ़ाने का काम करती हैं, ऐसे में बस घर जाकर लगता है कि बेड मिल जाए, अगर आप भी हर समय थका-थका महसूस करते हैं तो एक सरल घरेलू उपाय आपको तुरंत राहत दिला सकता है और ये उपाय है ठंडे पानी की बोतल का.

कैसे करें यह आसान उपाय?

एक ठंडे पानी की बोतल आपको मिनटों में थकान से राहत दिला सकती है. ये नुस्खा insta-gram पर तेजी से वारल हो रहा है. इसके लिए आपको कुछ नहीं करना है बस एक प्लास्टिक की पानी की बोतल लें, उसे 3/4 भाग तक पानी भरकर फ्रीजर में रख दें, इसे अच्छे से ठंडा होने दें, इसके बाद आराम से कुर्सी पर बैठ जाएं, बोतल को फर्श पर रखकर पैर के तलवे के नीचे रखें और धीरे-धीरे आगे-पीछे, गोल-गोल घुमाएं. हर पैर से 5-10 मिनट मसाज करें. हल्का दबाव डालें, लेकिन बस दर्द न हो.

कैसे काम करता है ये नुस्खा-

अब ये जान लेते हैं कि आखिर ये नुस्खा काम कैसे करता है, दरअसल में पैरों के तलवे शरीर के पूरे अंगों से जुड़े रिफ्लेक्सोलॉजी पॉइंट्स का केंद्र हैं, ठंडी बोतल घुमाने से दो फायदे एक साथ मिलते हैं, ठंडक जो सूजन कम करती है, नसों को शांत करती है और थकान पैदा करने वाली सूजन को घटाती है, वहीं दूसरा मालिश आगे-पीछे घुमाने से पैर की मांसपेशियां, प्लांटर फैशिया (तलवे की नस) खिंचती और ढीली होती है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है.

थकान होती है दूर-

ऐसे में जब हम ऐसा करते हैं तो थकान कम होती है, शरीर में ताजगी आती है और पूरे दिन की थकान काफी हद तक दूर हो जाती है. यह खासकर प्लांटर फेसाइटिस, पैरों में जलन या भारीपन वाले लोगों के लिए बहुत असरदार है. हां अगर बोतल बहुत ठंडी लगे तो पतले मोजे पहनकर करें. 10-20 मिनट से ज्यादा न करें.

मछली खाने के बाद गलती से भी इन 5 चीजों का न करें सेवन, बिगाड़ जाएगी तबीयत

खाने की काफी सारी चीजें ऐसी होती हैं, जिसको खाने के बाद कुछ चीजें खाने की मनाही होती है. आज हम बात कर रहे हैं मछली की, जिसको लोग खाना काफी ज्यादा पसंद करते हैं. आपकी हेल्थ के लिए भी ये काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. मछली में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन डी और काफी सारे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आपकी हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित होता है. मछली खाने के बाद कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिनका सेवन आपको गलती से भी नहीं करना चाहिए, वरना शरीर में काफी सारी दिक्कतें बढ़ सकती है और इसका असर भी आपकी हेल्थ पर काफी ज्यादा पड़ता है. अगर आप भी जानना चाहते हैं, तो इस खबर में आपको कैलाश हॉस्पिटल के डॉ. उमाशंकर शर्मा से हुई बातचीत के बारे में बताते हैं. आखिर कौन सी है वो चीज, तो आपके लिए ये खबर बेस्ट होने वाली है.

मछली खाने के बाद कौन सी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए?

1. दूध

कैलाश हॉस्पिटल के डॉ. उमाशंकर शर्मा से हुई बातचीत में उन्होने बताया है कि मछली खाने के बाद आपको गलती से भी दूध का सेवन गलती से भी नहीं करना चाहिए. मछली और दूध का सेवन साथ में करने से सफेद दाग जैसी बीमारी भी हो सकती है और साथ ही पेट में गड़बड़ी भी देखने को मिल सकती है.

2. चाय और कॉफी

चाय और कॉफी का सेवन आपको मछली खाने के बाद नहीं पीना चाहिए. चाय और कॉफी में मौजूद टैनिन्स और कैफीन आपके शरीर के सारे पोषक तत्वों को छीन लेता है. भोजन के कम से कम 1 से 2 घंटे बाद ही चाय या कॉफी का सेवन आपको करना चाहिए.

3. अधिक खट्टे फल

अगर आप मछली खा रहे हैं, तो आपको गलती से भी अधिक खट्टे फलों का सेवन नहीं करना चाहिए. अगर आप मछली खाने के बाद तुरंत खट्टे फल का सेवन करते हैं, तो लोगों को एसिडिटी और पेट में जलन की समस्या भी देखने को मिल सकती है.

4. तला-भुना खाना

तला-भुना खाना भी आपको मछली खाने के बाद नहीं खाना चाहिए. इसको खाने के बाद आपका पेट काफी ज्यादा खराब हो सकता है और साथ ही अपच, गैस, पेट दर्द और सुस्ती जैसी समस्याओं का भी आपको सामना करना पड़ता है.

5. दही

मछली खाने के बाद आपको दही का सेवन भी आपको गलती से भी नहीं करना चाहिए. अगर आप दही का सेवन करते हैं, तो आपको पेट से जुड़ी दिक्कतें काफी ज्यादा हो जाएगी और साथ ही आपको और भी कई सारी समस्याएं भी हो सकती हैं.

सुबह उठते ही मुंह से बदबू क्यों आती है?

जब हम सुबह सोकर उठते हैं, तो मुंह से काफी ज्यादा गंदी बदबू आने लगती है और ये समस्या इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि लोग काफी ज्यादा परेशान हो जाते हैं समझ में नहीं आता है कि आखिर ये कोई बीमारी का संकेत है या फिर कुछ और समस्या जिसके पीछे की वजह समझ में ही नहीं आ रही है. शायद उनके शरीर में कोई गंभीर बीमारी हो जिसकी वजह से ये होता है. डॉक्टर भी कहते हैं कि कई मामलों में ये समस्या गंभीर रूप ले भी सकती है. मुंह की साफ-सफाई में कमी, बैक्टीरिया का बढ़ना, कम लार बनना और कुछ स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से ये होती है. कुछ लोग इसके पीछे की वजह ही समझ नहीं पाते हैं, कि आखिर ऐसा क्यों होता है और इसकी समस्या के पीछे अगर कोई बीमारी है तो कौन सी है? कुछ लोग तो सांसों में बदबू आना एक बेहद आम समस्या मानते हैं और इसको नजरअंदाज कर देते हैं जानने की भी कोशिश नहीं करते हैं आखिर ऐसा क्यों है? इसको 'मॉर्निंग ब्रीथ' भी माना जाता है.

मुंह से आने वाली बदबू के पीछे का कारण बताया है, जो काफी लोग नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन ऐसा करने से हमें हमेशा बचना चाहिए. छोटी-छोटी कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिस पर अच्छे से ध्यान ना दिया जाए, तो वो कई गंभीर बीमारी का भी रूप ले लेती है. डॉक्टर ने बताया है कि रात में सोते समय हमारे मुंह में लार बनती है, जो कि दांतों और मसूड़ों की सुरक्षा का भी काम करती है, लेकिन जब हम नींद में होते हैं, तो लार कम होने लगती है. लार एक ऐसी चीज होती है, जो मुंह की कई दिक्कतों को दूर रखती है, लेकिन सोते समय ये कम बनने के कारण हमारा मुंह काफी ज्यादा सूखने लगता है. पानी पीने के बाद भी सूख जाता है, जिस वजह से बैक्टीरिया तेजी से मुंह में बढ़ने लगते हैं. मुंह में बनने वाले ये सभी बैक्टीरिया तेजी से कई सारी सल्फर

युक्त गैस को पैदा करती हैं. यही वजह है कि सुबह उठने के बाद हमारे मुंह से गंदी बदबू आने लगती है.

क्या बैक्टीरिया है इसकी वजह?

कुछ लोग ऐसा मानते हैं, कि सुबह मुंह से आने वाली बदबू मुंह में लाखों बैक्टीरिया के कारण होती है. जो भी हम दिनभर खाते-पीते हैं, तो उसके कई सारे कण जीभ में दातों में फंस जाते हैं, काफी लोग ऐसे हैं, जो रात में सोने से पहले अपने दांतों को साफ करके नहीं धोते हैं, जिसकी वजह से ये समस्या देखने को मिलती है और मुंह के अंदर ही अंदर काफी सारे बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं. बैक्टीरिया के बाद मुंह में हाइड्रोजन सल्फाइड और मिथाइल मर्कैप्टन जैसी गैस घूमती है, जो मुंह की बदबू के रूप में बाहर आती है.

क्या जीभ में जमी गंदगी है वजह?

कई सारे लोगों के मन में इसको लेकर कई सारे सवाल आ रहे हैं, कि आखिर क्या है इसकी बड़ी वजह? अधिकतर लोग ये मानते हैं, कि जीभ की सफाई न करना भी इसकी बड़ी वजह हो सकती है, तो ये बिल्कुल सच है. अगर आप दांतों की सफाई पर ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन जीभ की सफाई को नजरअंदाज कर देते हैं तो ये बदबू की एक बड़ी वजह भी बन सकता है. जीभ की सफाई न करने से बड़ी मात्रा में बैक्टीरिया उस पर जमा हो सकते हैं. इसलिए आपको दांतों के साथ-साथ जीभ की सफाई करना बेहद ही जरूरी है. सुबह सांसों में बदबू पैदा नहीं होती है.

पानी कम पीना भी है वजह?

डॉक्टर कहते हैं कि काफी सारी छोटी-छोटी चीजें ऐसी होती हैं, जिसको लोग नजरअंदाज कर देते हैं. डिहाइड्रेशन की वजह से लार कम होने लगती है और फिर बैक्टीरिया तेजी से मुंह में बढ़ने लगते हैं, जो मुंह की बदबू का कारण बनते हैं. पर्याप्त मात्रा में पानी पीना हमारे शरीर और मुंह के लिए काफी ज्यादा जरूरी होता है.

कौन-कौन सी बीमारियों को संकेत हो सकता है?

अगर आपके भी मुंह से काफी ज्यादा गंदी बदबू आ रही है, तो ये काफी गंभीर बीमारियों का भी संकेत हो सकता है, जिसको आपको गलती से भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, वरना काफी ज्यादा समस्या बढ़ सकती है. जैसे- मसूड़ों की बीमारी, दांतों में कैविटी, इंफेक्शन, एसिड रिफ्लक्स इन बीमारियों के संकेत हो सकते हैं इसलिए आपके साथ भी अगर ऐसा कुछ है, तो डॉक्टर के पास आपको जरूर जाना चाहिए, वरना बीमारियां और भी बढ़ सकती है.

मुंह की बदबू से कैसे करें बचाव?

मुंह की बदबू से अगर आप छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आपको रात में सोने से पहले ब्रश आपको जरूर करना चाहिए. दिन में दो बार ब्रश करने की आदत आपके अंदर होनी ही चाहिए, टंग क्लीनर की मदद से रोजाना जीभ की सफाई भी करनी चाहिए, दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए शरीर में पानी की कमी न होने दें, माउथवॉश का भी आप इस्तेमाल कर सकते हैं.

सर्वाइकल स्पॉन्डलोसिस का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 18 वर्ष है। धूप में जाने से चेहरा वह हाथ पैर लाल हो जाते हैं और दाने निकल आते हैं - क्या करूं?

- नैना शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : कई व्यक्तियों को धूप सहन नहीं होती और धूप में जाने से त्वचा का रंग लाल होने लगता है। धूप में मौजूद अल्ट्रावायलेट किरणों के कारण ऐसा होता है। कई बार अनूर्जता के चलते दाने निकल आते हैं, पूरी त्वचा पर। ऐसे में सबसे पहले आप धूप में ना जाएं। यदि जाना अत्यावश्यक हो तब छाते और धूप के चश्मे का प्रयोग करें। एलोवेरा जेल चेहरे पर लगाएं । दाडिमावलेह, फ्रीजी सिरप, ऊंझा गुलकंद (प्रवाल युक्त) का प्रयोग पित्त के प्रकोप को शांत रखता है। अतः इनका प्रयोग करें। शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। नींबू की शिकंजी, ठंडाई, छांच या कैरी का पना लिया करें। धुपेलियों पर नीम तुलसी पाउडर का छिड़काव करें। ऊंझा चंदनकल्प सिरप पैत्तिक विकारों को शांत करता है।

प्रश्न. मेरी उम्र 44 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– राम निरंजन वर्मा, हैदराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 60 वर्ष है। मेरी एमआरआई रिपोर्ट सर्वाइकल स्पॉन्डलोसिस बताती है। इसका आयुर्वेदिक इलाज क्या है? कृपा कर बताएं।

- हरिहर रेड्डी ,निजामाबाद

उत्तर : आपकी रिपोर्ट डिजनरेटिव सर्वाइकल स्पाइन डिजीज यानी सर्वाइकल स्पॉन्डलोसिस दिखाती है। इसमें गरदन की कशेरूकाएं,डिस्क व लिगामेंट्स में उम्र और घिसाव के कारण बदलाव आ गए हैं।

मुख्यतः है यह बात जन्य अस्थि संधि विकार है। आयुर्वेद में इसे ग्रिवाग्रह कहते हैं। इसमें गरदन में दर्द, हाथ में झनझनाहट, चक्कर, हाथों में कमजोरी, नर्व कंप्रेशन के कारण गरदन में जकड़न होती है।

चिकित्सा से वातशमन, नसों पर दबाव कम करना, जकड़न और सूजन को कम करना है।

ऊंझा त्रयोदशांग गुग्गुलु एवं क्षीरबला १०१ कैप्सूल को दशमूल क्वाथ से 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने जल में मिलाकर सुबह-शाम दें। ग्रीवा वस्ती दी जा सकती है।ऊंझा महानारायण तेल या कओट्टमचउक्कआदइ तेल से हल्का व्यंग करने के बाद स्वेदन किया जा सकता है। गार्डन के हल्के व्यायाम, सर्वाइकल पिल्लो का प्रयोग, गर्म सेंक, मोबाइल का कम से कम उपयोग करें। ठंडी चीजें, सुखे खाद्यान्न, चाय कॉफी का प्रयोग ना करें। ऐसा एक मंडल (40 दिन) करने से काफी लाभ होता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

वित्त-वाणिज्य

जैक डेनियल व्हिस्की बनाने वाली कंपनी की भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर है नजर, क्या है

नई दिल्ली,8 जून (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बातचीत चल रही है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में कहा था कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील का पहला चरण जुलाई के मध्य तक पूरा हो सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जल्दी ही भारत के साथ डील की उम्मीद जताई है।

इस बीच जैक डेनियल व्हिस्की बनाने वाली कंपनी ब्राउन-फोरमैन की इस डील पर करीबी नजर है। कंपनी धीरे-धीरे भारत में अपना पोर्टफोलियो बढ़ा रही है। जैक डेनियल के साथ अब इसमें वुडफोर्ड रिजर्व और हेराडुरा को भी शामिल किया जा रहा है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्राउन-फोरमैन की इंडिया यूनिट के मैनेजिंग डायरेक्टर गौरव सभरवाल ने कहा कि अमेरिकी स्पिरिट्स कंपनी भारत-अमेरिका ट्रेड डील से जुड़ी गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रही है। सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। हम इस मामले पर बहुत बारीकी से नजर रख रहे हैं क्योंकि हमारा ज्यादातर बिजनेस अमेरिकन व्हिस्की से आता है। कंपनी पूरे पोर्टफोलियो को इम्पोर्ट करती है और अभी भारत में मैन्युफैक्चरिंग नहीं करती है।

खर्चों में कटौती

सभरवाल ने कहा कि महंगाई बढ़ने, पेट्रोल की कीमत में बढ़ोतरी और ट्रांसपोर्टेशन की वजह से कुछ दबाव पड़ेगा। जब कंज्यूमर महंगाई से निपटने की कोशिश करते हैं, तो सबसे पहले गैर-जरूरी खर्चों में कटौती होती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का अब तक भारत में उनके बिजनेस पर कोई असर नहीं पड़ा है। हालांकि कंपनी महंगाई और सप्लाई में रुकावटों से पड़ने वाले किसी भी संभावित असर पर कड़ी नजर रख रही है।

सभरवाल ने कहा कि जैक एंड कोक जैसे रेडी-टू-ड्रिंक कॉन्सेप्ट भारत में तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी इनका दायरा सीमित है। जैक एंड कोक को लगभग तीन साल पहले गोवा, हरियाणा और बेंगलुरु में लॉन्च किया गया था। अब कंपनी भारत में अपना पोर्टफोलियो बढ़ाने पर काम कर रही है। सभरवाल ने कहा, 'पिछले 10 साल में लोगों की खर्च करने की क्षमता काफी बढ़ गई है। अगले पांच साल में हर साल 20 मिलियन लोग कानूनी रूप से शराब पीने की उम्र में शामिल होंगे।'

भारत का संकटमोचन बना कोयला

इस तरकीब से बचाए 28000 करोड़, कभी कहा था डर्टी फ्यूल

नई दिल्ली,8 जून (एजेंसियां)। कोयला... एक ऐसी चीज जिसका इंडस्ट्री ने ईंधन के रूप में इस्तेमाल काफी हद तक बंद कर दिया था, आज फिर से संकटमोचन बनकर उभरा है। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण होर्मुज पर नाकाबंदी के चलते भारत को ईंधन आयात में काफी परेशानी हो रही है। ऐसे में खाड़ी देशों से क्रूड ऑयल और एलएनजी काफी कम मात्रा में आने से इंडस्ट्री भी संकट में है।

इस परेशानी से निपटने के लिए सरकार ने फिर से कोयले के इस्तेमाल की इजाजत दे दी है। कोयला लंबे समय तक डर्टी फ्यूल यानी प्रदूषण फैलाने वाला ईंधन माना जाता रहा है। लेकिन अब ईंधन संकट के कारण इसे एक स्वच्छ ट्रांजिशन फ्यूल के रूप में देख रहा है। कोल गैसीफिकेशन (कोयला गैसीकरण) तकनीक के जरिए अब कोयला देश की बढ़ती औद्योगिक ऊर्जा मांग को पूरा करने की योजनाओं के केंद्र में आ गया है। ऐसे में भारतीय इंडस्ट्री ने अपनी निर्भरता एलएनजी से हटाकर कोयले पर बढ़ानी शुरू कर दी है। विशेषकर उन भारी उद्योगों में जहां तुरंत बिजली का इस्तेमाल (इलेक्ट्रीफिकेशन) करना बेहद मुश्किल है।

ये कंपनियां कर रहीं इस्तेमाल

जिंदल स्टील: एलएनजी की कमी के कारण कंपनी ने अपने स्टील निर्माण संयंत्रों के लिए कोयला गैसीकरण के जरिए बनने वाली सिंथेसिस गैस का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। **अल्ट्राटेक:** यह सीमेंट कंपनी अपने ऊर्जा मिश्रण में घरेलू कोयले की हिस्सेदारी को लगातार बढ़ा रही है। **महिंद्रा एंड महिंद्रा:** कंपनी अपने पूरे इकोसिस्टम में जीवाश्म ईंधन आधारित प्रक्रियाओं को बिजली से संचालित करने के रास्ते तलाश रही है।

सरकार की 37,500 करोड़ रुपये की योजना

उद्योगों के इन प्रयासों को बढ़ावा देने और विदेशों पर निर्भरता कम करने के लिए केंद्र सरकार ने हाल ही में 37,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है। इस

योजना का मुख्य उद्देश्य एलएनजी, अमोनिया, मेथनॉल, उर्वरक और अन्य औद्योगिक कच्चे माल के आयात पर होने वाले 2.77 लाख करोड़ रुपये के भारी खर्च और निर्भरता को कम करना है।

कोयले का विशाल भंडार

भारत के पास दुनिया का एक सबसे बड़ा कोयला भंडार मौजूद है।

देश में अनुमानित 401 अरब टन कोयला और लगभग 47 अरब टन लिग्नाइट का भंडार है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, भारत का यह कोयला भंडार अगले 200 वर्षों के लिए पर्याप्त है। यही कारण है कि देश की दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता और मजबूती के लिए 'कोल गैसीफिकेशन' को एक मुख्य स्तंभ माना जा रहा है।

28000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा बची

सरकार ने कोयला गैसीकरण से काफी विदेशी मुद्रा की बचत की है। सरकार ने हाल ही में बताया था कि कोयला गैसीकरण से आयातित तेल, मेथनॉल और अमोनिया पर निर्भरता कम करके अब तक 28000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। सरकार इस कार्यक्रम के दूसरे चरण को शुरू करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में निवेशकों के साथ हुई एक बैठक में कोयला मंत्रालय ने कहा कि 2023-24 में शुरू किए गए योजना के पहले चरण में 85,000 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया गया है और इससे सालाना 23 मिलियन टन कोयले का उपयोग संभव हो पाया है।

जबकि दूसरे चरण के लिए प्रस्ताव का मसौदा जल्द ही जारी होने की संभावना है, अधिकारियों ने कहा कि अंतिम बोली दस्तावेज जुलाई में आने की उम्मीद है।

जन धन खातों की संख्या 58.15 करोड़ पहुंची

सरकार का दावा– जमा राशि 3 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली,8 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की पिछले 12 वर्षों की पहलों ने वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सेवा, आवास, नल से जल, स्वच्छ ईंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं तक लोगों की पहुंच को कई गुना बढ़ाया है। यह जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय की ओर से सोमवार को जारी एक फैक्टशीट में दी गई। फैक्टशीट के अनुसार, देश भर में गरीबों के लिए खोले गए जन धन बैंक खातों की संख्या बढ़कर 58.15 करोड़ हो गई है। इन खातों में कुल जमा राशि भी बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है, जो इस योजना की सफलता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में खोले गए ये खाते दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन अभियान के रूप में देखे जाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, जन धन खातों में से 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के नाम पर हैं।फैक्टशीट में कहा गया है कि जन धन योजना, आधार और मोबाइल को मिलाकर बनी जेएएम ट्रिनिटी ने देश में वित्तीय समावेशन को नई गति दी है। इस व्यवस्था के जरिए यह सुनिश्चित किया गया है कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे।

आयुष्मान कार्ड धारक भी बढ़े

बयान में बताया गया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत जारी आयुष्मान भारत कार्डों की संख्या 44 करोड़ तक पहुंच गई है। यह योजना 12 करोड़ परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करती है, जो कि देश की तकरीबन 40 प्रतिशत आबादी को कवर करती है। मार्च 2024 में लगभग 37 लाख आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के परिवारों को भी इस योजना में शामिल किया गया। बाद में इस योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को भी इसमें शामिल किया गया। ये लाभार्थी लगभग 4.5 करोड़ परिवारों से आते हैं और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना उन्हें योजना का लाभ दिया गया है। फैक्टशीट में यह भी बताया गया कि गरीब परिवारों को रसोई गैस उपलब्ध कराने के लिए 10 करोड़ एलपीजी कनेक्शन जारी किए गए हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष	में	वृष	04-10 बजे
चंद्र	मीन	में	मिथुन	06-10 बजे
मंगल	मेष	में	कर्क	08-22 बजे
बुध	मिथुन	में	सिंह	10-35 बजे
गुरु	कर्क	में	कन्या	12-41 बजे
शुक्र	कर्क	में	तुला	14-46 बजे
शनि	मीन	में	वृश्चिक	16-57 बजे
राहु	कुंभ	में	धनु	19-09 बजे
केतु	सिंह	में	मकर	21-16 बजे
			कुंभ	23-06 बजे
			मीन	00-45 बजे
			मेष	02-21 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष मंगलवार **09 June 2026**
तिथि - नवमीं **02-35** रात्रि तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद **09-39** तक उप उ.भाद्रपद
योग. - प्रीति **08-18** तक उप आयुष्मान
करण - तैतिल **15-05** तक उप गर

विशेष: सर्वार्थ सिद्धि योग **09-30** से पंचक

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-32 से 17-10 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-44 - 07-21	अशुभ	काल	18-44 - 20-10	अशुभ
उत्पात	07-21 - 08-59	अशुभ	लाभ	20-10 - 21-32	शुभ
चंचल	08-59 - 10-37	शुभ	उत्पात	21-32 - 22-54	अशुभ
लाभ	10-37 - 12-15	शुभ	शुभ	22-54 - 00-16	शुभ
अमृत	12-15 - 13-54	शुभ	अमृत	00-16 - 01-37	शुभ
काल	13-54 - 15-32	अशुभ	चंचल	01-37 - 02-59	शुभ
शुभ	15-32 - 17-10	शुभ	रोग	02-59 - 04-21	अशुभ
रोग	17-10 - 18-44	अशुभ	काल	04-21 - 05-44	अशुभ

शेयरों में नरमी से बाजार आहत

सेंसेक्स 700 अंक टूटा, निफ्टी 23150 से नीचे

मुंबई,8 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए सोमवार का दिन भारी उथल-पुथल और नुकसान वाला साबित हुआ। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के 100 दिन पूरे होने और ग्लोबल स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े ट्रेड में आ रहे बड़े बदलावों के कारण घरेलू इक्विटी बाजार बुरी तरह लड़खड़ा गए। इस भारी बिकवाली के चलते बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध कंपनियों के मार्केट कैप में एक ही झटके में 4.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी सेंध लग गई। कारोबारी सत्र के अंत में बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 719.08 अंक (0.96%) लुढ़ककर 73,524.26 के स्तर पर आ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 243.71 अंक (1.04%) टूटकर 23,150 के अपने अहम सपोर्ट लेवल से नीचे 23,123.00 पर बंद हुआ। इस व्यापक गिरावट के माहौल में प्रमुख कंपनियों के शेयरों में भी भारी दबाव देखा गया, जहां जियो फाइनेंशियल और इटरनल जैसे शेयरों में चार-चार प्रतिशत तक की भारी गिरावट दर्ज की गई।बाजार में यह पतन केवल एक दिन का परिणाम नहीं है, बल्कि यह ग्लोबल एआई ट्रेड के ढांचे में हो रही आक्रामक अनवाइंडिंग (बिकवाली) का सीधा असर है। वैश्विक बाजार की इन तेज हवाओं ने भारतीय शेयर बाजार को अपनी चपेट में ले लिया है। इस व्यापक बिकवाली के कारण निफ्टी इंडेक्स में करीब 7% की गिरावट आ चुकी है और इसी दबाव के चलते निवेशकों की 4.5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति साफ हो गई। भारतीय इक्विटी बाजार और अर्थव्यवस्था इस समय एक स्पष्ट 'दोहरे खतरे' का सामना कर रहे हैं:भू-राजनीतिक तनाव और महंगा तेलः पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचने के कारण वैश्विक बाजार में भारी तनाव है, जिसने ब्रेंट क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमतों को 96 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है। भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए यह एक बड़ा आर्थिक जोखिम है।

निवेशकों की रिकॉर्ड निकासी: दूसरी ओर, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजार से लगातार अपना पैसा निकाल रहे हैं। इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड 28 अरब डॉलर मूल्य के शेयर बेचे हैं, जिससे बाजार की तरलता और निवेशकों के भरोसे दोनों को तगड़ा झटका लगा है। जब तक पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम नहीं होता और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी नहीं आती, तब तक घरेलू शेयर बाजार में दबाव बने रहने की आशंका है।

पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी की कोई कमी नहीं

सरकार बोली– देश में 76 दिन का ईंधन मौजूद

नई दिल्ली,8 जून (एजेंसियां)। सरकारी तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। कंपनी अपनी मजबूत सप्लाई चेन और रिटेल नेटवर्क के जरिए राजधानी में निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है।

कंपनी ने बताया कि दिल्ली में उसके सभी पेट्रोल पंपों पर ईंधन की उपलब्धता स्थिर बनी हुई है। नियमित स्टॉक भरने और लॉजिस्टिक्स संचालन के कारण उपभोक्ताओं, व्यवसायों, परिवहन ऑपरेटरों और जरूरी सेवाओं के लिए पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि देश में पर्याप्त ईंधन मौजूद है।

पेट्रोल-डीजल की बिक्री में आई तेजी

बीपीसीएल के अनुसार, मई 2026 के

दौरान दिल्ली में पेट्रोल की बिक्री 27,800 मीट्रिक टन से अधिक रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 27,100 मीट्रिक टन से अधिक था। इस तरह पेट्रोल बिक्री में लगभग 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा मई में डीजल की बिक्री में भी वृद्धि देखी गई। यह मई 2025 में 16,100 मीट्रिक टन से अधिक के मुकाबले 16,500 मीट्रिक टन से अधिक तक पहुंच गई, जो करीब 2.9 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।

सीएनजी और एलपीजी की क्या स्थिति?

कंपनी ने कहा कि मई के दौरान उसने 33,400 मीट्रिक टन से अधिक सीएनजी की आपूर्ति की। इससे दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क, व्यावसायिक वाहनों और स्वच्छ ईंधन आधारित परिवहन व्यवस्था की बढ़ती जरूरतों को पूरा किया गया।मई के दौरान बीपीसीएल ने 7.7 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की। इसके अलावा, 18,000 से ज्यादा कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर और 22,000 से अधिक एफटीएल एलपीजी सिलेंडरों की भी सप्लाई की गई।

देश में पर्याप्त ईंधन मौजूद

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में पर्याप्त मात्रा में ईंधन मौजूद है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि देश में 76 से 80 दिनों का फ्यूल स्टॉक है। ऐसे में लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर भी उन्होंने अपनी बात रखी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि तेल की ऊंची कीमतें ज्यादा समय तक बनी रहेंगी।'

गिरते बाजार में अपर सर्किट छू गया अनिल अंबानी की कंपनी का शेयर, रिलायंस इंफ्रा 15 दिन में 34% उछला

नई दिल्ली,8 जून (एजेंसियां)। सोमवार को शेयर मार्केट में गिरावट रही। वहीं अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का शेयर अपर सर्किट को छू गया। सोमवार को यह शेयर 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 86.17 रुपये पर बंद हुआ। पिछले 15 दिनों में इस शेयर में करीब 34 फीसदी की तेजी आई है। रिलायंस इंफ्रा के इस शेयर में तेजी का बड़ा कारण कंपनी के एआई सेक्टर में कदम रखने को माना जा रहा है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि वह अपनी सहयोगी कंपनियों के साथ मिलकर एआई सेक्टर का हिस्सा बनने जा रही है। कंपनी से यह जानकारी शेयर बाजार को शेयर की। हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि वह एआई प्रोजेक्ट में कितनी रकम निवेश करेगी।

सेबी के पास पहुंची रिलायंस इंफ्रा

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने दिवाला कार्रवाई से संबंधित निगरानी ढांचे की समीक्षा की मांग की है, जिसके तहत कंपनी के शेयरों में सप्ताह में केवल एक बार ही कारोबार की अनुमति है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से जुड़े अतिरिक्त निगरानी उपाय (एएसएम) और अपने शेयरों पर लगे कारोबारी प्रतिबंधों की समीक्षा के लिए सेबी, एनएसई और बीएसई के समक्ष एक औपचारिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। कंपनी ने कहा कि

सामान्य परिस्थितियों में उसके शेयरों में बाजार में सक्रिय रूप से बड़ा कारोबार होता है, जो निवेशकों की निरंतर भागीदारी को दर्शाता है। ऐसे में कृत्रिम व्यापारिक प्रतिबंधों को जारी रखना खुदरा और छोटे शेयरधारकों के हितों के खिलाफ है और यह बाजार के कामकाज को प्रभावित करता है।

एक साल में बड़ी गिरावट

कंपनी के शेयर में अभी बेशक तेजी बनी हुई हो, लेकिन पिछले एक साल में इसने निवेशकों को बड़ा नुकसान दिया है। इसके शेयर में 6 महीने में 40 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। वहीं एक साल में यह शेयर 75 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया है। पिछले 5 साल में यह शेयर पिछले साल जून में 400 रुपये के पार चला गया था, लेकिन उसके बाद से इसमें गिरावट बनी हुई है।

चांदी 15,748 गिरकर 2.41 लाख किलो पर आई

8 दिन में 22 हजार की गिरावट ; सोना आज 3470 टूटा, 10 ग्राम की कीमत 1.51 लाख

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव की वजह से आज यानी 8 जून को सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 3,470 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए हो गया है। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत 15,748 रुपए कम होकर 2.41 लाख रुपए पर आ गई है। 31 मई को चांदी की कीमत 2,63,350 रुपए थी। एक्सपर्ट्स के अनुसार जियो पॉलिटिकल टेंशन के चलते लोग मार्केट से पैसा निकालकर अपने पास कैश रख रहे हैं।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 25 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 130 दिन में चांदी 1.45 लाख रुपए सस्ती हो गई है। वहीं चांदी इस महीने सिर्फ 8 दिनों में ही 22 हजार गिर चुकी है।

ऋण बाजार को मजबूत करने के लिए सेबी-आरबीआई की बड़ी पहल, कॉर्पोरेट बॉन्ड सूचकांक डेरिवेटिव्स होंगे लॉन्च

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार के नियामक सेबी के प्रमुख तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को एक बड़ा एलान किया। प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन पांडे ने कहा कि नियामक भारतीय रिजर्व बैंक के मिलकर कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स के लिए डेरिवेटिव्स की शुरुआत करने की योजना पर काम कर रहा है। इस कवायद का मकसद तरलता बढ़ाना, मूल्य निर्धारण और भारतीय ऋण बाजार में विदेशी पूजी की पहुंच सुनिश्चित करना है। आईसीआईसीआई इंडिया इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने संबोधन में सेबी प्रमुख ने कहा, सेबी और आरबीआई इस दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने

इस योजना को कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार के व्यापक सुधारों से भी जोड़ा। इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रदाता प्लेटफॉर्म का विस्तार पहले ही आरईआईटीएस और इनविट्स की ओर से जारी किए गए बॉन्डों को शामिल करने के लिए किया जा चुका है, इससे पारदर्शिता और दक्षता में सुधार हुआ है। एक कार्य समूह कॉरपोरेट बॉन्डों में तरलता बढ़ाने के लिए एक मार्केट-मेकिंग फ्रेमवर्क शुरू करने के लिए परिचालन संबंधी विवरणों को भी अंतिम रूप दे रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले ही इस दिशा में आधार तैयार कर लिया है। पांडे ने बताया कि आरबीआई ने फरवरी में कुल प्रतिफल स्वैप और कॉर्पोरेट बॉन्ड सूचकांक डेरिवेटिव्स पर मसौदा दिशानिर्देश दिए थे। अब आरबीआई इन दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दे रहा है। दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, एक्सचेंज इन डेरिवेटिव उत्पादों को बॉन्ड सूचकांकों पर लॉन्च करेंगे। सेबी और आरबीआई का यह संयुक्त प्रयास भारत के बॉन्ड बाजार को घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए अधिक निवेश योग्य बनाने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी । आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है क्यों की ये अवसर जीवनभर में यदा कदा ही मिलता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): घर्षण एवं विचारो की असमानता आप और आपके साथी के बीच विकसित होने की संभावना है, लेकिन आपको अपने विचारो से नहीं हटना है और उसी के साथ रहना है , लेकिन आप चिंता न करे क्यों कि ये स्थिति एक स्थायी मनमुटाव को जन्म नहीं देगी । हालाँकि आपके साथी के साथ आपका थोड़ा मनमुटाव हो सकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे । एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले। अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं, तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे, लेकिन आप एक बेहतर जीवन के लिए कल की दिशा में काम कर रहे हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है । अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते है जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और ददृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं। त्वरित और निर्णायक कार्रवाई आज के दिन की आवश्यकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

ऑपरेशन 80 फीट शुरू, आधे शहर में इंटरनेट बंद

भारी पुलिस बल के साथ प्रशासन का बड़ा एक्शन

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में अतिक्रमण को लेकर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई हो रही है। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। जयपुर समेत कई जिलों से फोर्स मंगवाई गई है। बता दें कि कृष्णा मार्ग चौड़ीकरण परियोजना के तहत सड़क सीमा में आ रहे पांच धार्मिक स्थलों को हटाने की कार्रवाई के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम शुरू कर दिए गए थे। प्रशासन ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मौके पर आम लोगों के साथ-साथ मीडिया की एंट्री भी प्रतिबंधित कर दी गई है। कार्रवाई स्थल के आसपास स्थित मकानों की छतों पर भी पुलिस जवानों को तैनात किया गया है ताकि पूरे क्षेत्र की निगरानी की जा सके।

प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है और ऐहतियातन इंटरनेट भी बंद करवा दिया है। कार्रवाई में करीब 22 जेसीबी मशीनों को लगाया गया है जो अतिक्रमण हटाने और ढांचों को हटाने का काम कर रही हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर मौजूद अधिकारियों का कहना है कि जब तक पूरा क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त नहीं हो जाता, तब तक कार्रवाई जारी रहेगी।

गौरतलब है कि जयपुर विकास प्राधिकरण ने इससे पहले 22 मई को इसी मार्ग पर अभियान चलाकर 134 अतिक्रमण हटाए थे। इसके बाद सड़क सीमा में आ रहे धार्मिक स्थलों के प्रबंधन और संबंधित पक्षों को स्वयं निर्माण हटाने के लिए समय दिया गया था। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद अब प्रशासन ने स्वयं कार्रवाई शुरू की है। अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में कई स्थानों पर कृष्णा मार्ग की चौड़ाई केवल 25 से 30 फीट रह गई है, जबकि राजस्व रिकॉर्ड में इसकी चौड़ाई 80 फीट दर्ज है। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा यह मार्ग नंदपुरी अंडरपास को जगतपुरा से जोड़ता है और आसपास की दर्जनों कॉलोनियों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है।

प्रशासन का दावा है कि सड़क चौड़ीकरण के बाद यातायात का दबाव कम होगा और नंदपुरी, जगतपुरा, मालवीय नगर तथा आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। सुरक्षा एजेंसियां सोशल मीडिया पर भी लगातार निगरानी रख रही हैं और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

'मैं न होता तो खत्म हो जाती गहलोत की राजनीति'

गजेंद्र सिंह शेखावत बोले- डर मेरे खून में नहीं

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि मैं न होता तो आपकी राजनीति खत्म हो जाती। साथ ही केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डर मेरे खून में नहीं है। दरअसल, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के सचिन पायलट का रास्ता रोकने वाले बयान पर अशोक गहलोत ने कहा था कि शेखावत डरा हुआ आदमी है। पता नहीं कब मंत्री पद से छुट्टी हो जाए। इस बयान के बाद अब गजेंद्र सिंह शेखावत ने अशोक गहलोत पर पलटवार किया है।

केंद्रीय कला संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि मैं पूज्य वीर दुर्गादास राठौड़ की परंपरा का अनुयायी हूं गहलोत जी, डर मेरे खून में नहीं है। आपको तो उल्टे अपने अप्रासंगिक हो जाने का भय सताता

रहता है, इसलिए आप लगातार मेरे खिलाफ बोलते रहते हैं। सच तो यह है कि मैं न होता, तो आपकी राजनीति ही खत्म हो जानी थी।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मैं आपकी तरह किसी एक परिवार का सेवक नहीं हूं। आपका पूरा राजनीतिक जीवन पद लोलुपता और सत्ता से चिपके रहने का प्रमाण रहा है, इसलिए कम से कम आपसे मुझे किसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं। आप ध्यान भटकाने की राजनीति करते रहिए, मैं जनसेवा के अपने संकल्प पर प्रतिबद्ध हूं। बाकी... समय स्वयं सबको जवाब दे देगा।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 6 जून को जोधपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा था कि पश्चिम बंगाल का बहाना बनाकर गहलोत राजस्थान के पुराने जिन्न को बोतल से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। जब-जब कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को कोई नई जिम्मेदारी या फिर पद देने का विचार करता है। तब-तब सचिन पायलट का रास्ता रोकने के लिए अशोक गहलोत बोतल से जिन्न को बाहर ले आते हैं। इस बयान के बाद ही दोनों नेताओं के बीच सियासी वार-पलटवार शुरू हो गई।

गहलोत ने कहा था- अपना मंत्री पद बचाए शेखावत

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बयान के बाद अगले ही दिन अशोक गहलोत ने कहा था कि शेखावत डरा हुआ आदमी है, अपना मंत्री पद बचाए, पता नहीं कब छुट्टी हो जाए। साथ ही गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर आरोप लगाया था कि पायलट खेमे के विधायकों को मानेसर ले जाने की साजिश में शेखावत और जफर इस्लाम दोनों की सक्रिय भूमिका थी। गजेंद्र सिंह बार-बार बोलते हैं, लेकिन अपना वॉयस सैंपल आज तक नहीं दिया।

बीजेपी से सतीश पूनिया और अलका गुर्जर का नामांकन

सीएम भजनलाल और वसुंधरा राजे रहे मौजूद

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। देश की संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा के लिए राजस्थान की 3 खाली हो रही सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव को लेकर सोमवार को नामांकन के अंतिम दिन जयपुर में राजनीतिक हलचल देखने को मिली। भारतीय जनता पार्टी के आलाकमान द्वारा घोषित किए गए दोनों अधिकृत प्रत्याशियों- डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका गुर्जर ने विधानसभा सचिवालय पहुंचकर चुनाव अधिकारी के समक्ष अपने-अपने नामांकन के सैट दाखिल किए। विधानसभा में संख्या बल के वर्तमान समीकरणों को देखते हुए इन दोनों ही नेताओं का निर्विरोध दिल्ली (राज्यसभा) जाना पूरी तरह तय माना जा रहा है।

इस नामांकन प्रक्रिया के दौरान सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाला पहलू भाजपा के भीतर का शक्ति संतुलन और नेताओं की सामूहिक मौजूदगी रही। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दोनों ही उम्मीदवारों के नामांकन के समय विधानसभा में उपस्थित रहे और उन्हें अग्रिम बधाई दी। इस दौरान भाजपा संगठन और सरकार के

तमाम शीर्ष मंत्रियों और विधायकों का जमावड़ा विधानसभा के विशेष कक्ष में नजर आया, जिससे यह साफ संदेश देने का प्रयास किया गया कि पार्टी के भीतर टिकट वितरण और संगठनात्मक निर्णयों को लेकर पूरी तरह से एकराय है।

भाजपा के कद्दावर जाट नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया जब अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आगे बढ़े, तो उनके साथ राजस्थान सरकार का पूरा शीर्ष नेतृत्व ढाल बनकर खड़ा नजर आया। डॉ. पूनिया के नामांकन के समय मुख्य रूप से भाजपा के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी और दूसरे उप-मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा मौजूद रहे।

पूनिया की उम्मीदवारी को राजस्थान की राजनीति में जाट वोट बैंक को साधने और संगठन के प्रति उनकी दीर्घकालिक निष्ठा के इनाम के रूप में देखा जा रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में आमेर सीट से बेहद मामूली अंतर से चुनाव हारने के बाद भी पार्टी ने उन्हें लगातार हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाकर बड़ी जिम्मेदारी दी थी और अब उन्हें सीधे देश की सबसे बड़ी पंचायत में भेजने का निर्णय लिया है। नामांकन के बाद डॉ. सतीश पूनिया ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे हमेशा खुद को एक साधारण कार्यकर्ता मानते हैं और उच्च सदन में राजस्थान के हितों और किसानों की आवाज को पूरी मजबूती से उठाएंगे।

सोमवार को हुए इस नामांकन का दूसरा सबसे दिलचस्प और नया एंगल डॉ. अलका गुर्जर के नामांकन के दौरान देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव और दिल्ली की सह-प्रभारी डॉ. अलका गुर्जर जब अपना पर्चा दाखिल करने कक्ष में पहुंचीं, तो उनके साथ राजस्थान भाजपा की सबसे कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे विशेष रूप से मौजूद रहीं। वसुंधरा राजे की इस उपस्थिति ने राजनीतिक पंडितों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि पार्टी के भीतर अंदरूनी समीकरणों को बेहद सलीके से साधा जा रहा है।

अलका गुर्जर के नामांकन के दौरान उनके पति और राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. नाथू सिंह गुर्जर भी उनके साथ खड़े नजर आए। अलका गुर्जर की उम्मीदवारी के जरिए भाजपा ने पूर्वी राजस्थान के गुर्जर समुदाय के साथ-साथ महिला प्रतिनिधित्व को भी एक बड़ा और मजबूत कूटनीतिक संदेश दिया है। वर्ष 2013 में बांदीकुई से विधायक रह चुकीं डॉ. अलका गुर्जर लंबे समय से दिल्ली के केंद्रीय संगठन में बेहद सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और उनकी इस एंट्री से राजस्थान से राज्यसभा में महिला सांसदों की भागीदारी और सुदृढ़ होगी।

इस त्रिस्तरीय राज्यसभा चुनाव के तीसरे कोण की बात करें तो मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से उनके निवर्तमान राज्यसभा सांसद नीरज डांगी पहले ही अपना नामांकन पत्र चुनाव अधिकारी के समक्ष दाखिल कर चुके हैं। नीरज डांगी के नामांकन के समय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस विधायक प्रस्तावक के रूप में विधानसभा पहुंचे थे।

मंत्री किरोड़ीलाल के छापेमारों पर ही पड़ गए एसीबी के छापे, घरों से मिली अकूत संपत्ति

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना की खाद-बीज कंपनियों पर की जा रही सर्जिकल स्ट्राइक पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लग गए हैं। मंत्री की छापेमारी टीम में शामिल अफसर अब एंटी करप्शन ब्यूरो(ACB) के शिकंजे में आ गए हैं। ACB ने राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर बिश्नोई से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी कर अब तक 2.44 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की है।

एसीबी की प्रारंभिक जांच के अनुसार, गजराज ब्रांड के मूंगफली बीजों के खिलाफ की गई कार्रवाई को कमजोर करने और जब्त बीजों को वापस भेजने के एवज में करोड़ों रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। जांच एजेंसी को सूचना मिली थी कि बड़ी रकम एक रिश्तेदार के माध्यम से श्रीगंगानगर भेजी जा रही है। इसके बाद लूणकरणसर में एक बस की तलाशी के दौरान आरोपी को लाखों रुपये की नकदी के साथ पकड़ा गया।

इसके बाद की गई तलाशी में निदेशक के ठिकाने से भी भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। एसीबी ने बीज निगम के निदेशक, संबंधित कंपनी संचालक और अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में यह भी सामने आया है कि प्रयोगशाला स्तर पर सैंपल पास करवाने और बीजों की बिक्री बहाल कराने के लिए कथित रूप से कई स्तरों पर सांठगांठ की गई थी।

एसीबी का कहना है कि मामले की जांच जारी है और बरामद दस्तावेजों, नकदी तथा आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पूरे नेटवर्क की परतें खोली जा रही हैं। जांच एजेंसी इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि कथित रिश्वतखोरी और उगाही का यह मामला किन-किन स्तरों तक जुड़ा हुआ है।

प्रदेश में नकली खाद और बीज के खिलाफ कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान अब तक 107 एफआईआर दर्ज की गईं, 765 शो-कॉज नोटिस जारी हुए, 169 लाइसेंस निलंबित और 46 लाइसेंस रद्द किए गए। किशनगढ़ और अजमेर में 13 फर्मों के लाइसेंस भी निरस्त किए गए । अब इसी अभियान से जुड़े बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर बिश्नोई पर एसीबी की कार्रवाई ने पूरे मामले को नया राजनीतिक और प्रशासनिक मोड़ दे दिया है।

एसीबी की कार्रवाई के बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जूली ने कहा कि ₹सरकार पहले बीज कंपनियों पर जांच के नाम पर छापे मारती है और फिर अपने लोग भेजकर उनसे करोड़ों रुपये की वसूली करती है। भाजपा सरकार इसे ही 'जीरो टॉलरेंस' बताती है।₹

उन्होंने कहा कि राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर बिश्नोई और उनके रिश्तेदार की 2.43 करोड़ रुपये की कथित रिश्वत मामले में गिरफ्तारी ने पूरे अभियान पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जूली ने दावा किया कि ये वही लोग हैं जो बीज कंपनियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के दौरान मौजूद थे।

फर्जी लेटरपैड से कोल्ड स्टोरेज से निकलवा ली 15 लाख की इलायची

जयपुर और सीकर के व्यापारियों में ठनी

सीकर, 8 जून (एजेंसियां)। जयपुर के एक कोल्ड स्टोरेज में रखे सीकर के ड्राई फ्रूट्स व्यापारी के करीब 15 लाख रुपए कीमत के इलायची के 13 बोरे गायब करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपियों ने पीड़ित व्यापारी की फर्म के फर्जी और कूटरचित लेटर पैड पर जाली हस्ताक्षर कर पूरा माल खुर्द-बुर्द कर दिया। पीड़ित द्वारा माल या उसकी कीमत वापस मांगने पर आरोपियों ने न सिर्फ साफ इनकार कर दिया, बल्कि उसे जान से मारने की धमकी भी दी। सीकर की कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार, बजाज रोड (सीकर) निवासी पीड़ित व्यापारी मनोज कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि उन्होंने अपनी फर्म के स्वामित्व की इलायची के कुल 20 बोरे (लॉट नंबर- 9425/20), जयपुर के विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया (रोड नंबर 9-जे) स्थित 'रणछोड़नाथ इंडस्ट्रीज (कोल्ड स्टोरेज)' में सुरक्षित रखवाए थे। ॉपरिवादी ने पूर्व में जयपुर के गणगौरी बाजार स्थित 'श्री गोविंद फर्म' से करीब 25 बोरे इलायची खरीदी थी, जिसका भुगतान ऑनलाइन और नकद किया गया था। इस माल को भी इसी कोल्ड स्टोरेज में रखा गया था, जिसका किराया चुकाया जा चुका था।

'श्री गोविंद फर्म' के संचालक व पार्टनर नर्मदा झंवर और उनका बेटा पवन झंवर पीड़ित के परिचित थे, जिनसे उनका पुराना व्यापारिक रिश्ता था। वहीं, कोल्ड स्टोरेज के संचालक तेजराज तापड़िया, आरोपी नर्मदा और पवन झंवर के नजदीकी रिश्तेदार हैं।

फर्जी एफएमजी सर्टिफिकेट मामले में बड़ी कार्रवाई

3 डॉक्टर गिरफ्तार, 23 से 27 लाख रुपए देकर बनवाए प्रमाण-पत्र

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई करके लौटने वाले छात्रों को फर्जी 'फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट' सर्टिफिकेट दिलाने वाले गिरोह के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इस मामले में एसओजी ने तीन और डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने 100 से अधिक ऐसे संदिग्धों की पहचान की है, जिन्होंने लाखों रुपए देकर ये फर्जी प्रमाण-पत्र बनवाए थे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए डॉक्टरों ने भारत में मेडिकल प्रैक्टिस और इंटर्नशिप की पात्रता पाने के लिए इस गिरोह को भारी-भरकम रकम दी थी।

डॉ. दीपक यादव (28, निवासी चौमूं): इन्होंने कजाकिस्तान से एमबीबीएस की

थी। मुख्य आरोपी भानाराम माली के नेटवर्क के जरिए 24 लाख रुपए देकर फर्जी सर्टिफिकेट बनवाया और दौसा में इंटर्नशिप भी कर ली।

महंत देवानंद हत्याकांडः 20 मिनट में वारदात को दिया अंजाम, दूसरे संत को कमरे में बंद किया, फिर खून से लथपथ मिले महंत

डॉ. नरेश गुर्जर (30, निवासी अलवर): इन्होंने 23 लाख रुपए देकर प्रमाण-पत्र बनवाया और अलवर में इंटर्नशिप की। जांच में सामने आया है कि नरेश ने खुद का सर्टिफिकेट बनवाने के साथ-साथ अन्य कई अभ्यर्थियों के लिए भी फर्जी दस्तावेज तैयार करवाने में दलाल की भूमिका निभाई थी।

यह पूरा फर्जीवाड़ा एक बड़े नेटवर्क के तहत चल रहा था। एसओजी इस मामले में पहले ही कड़ी कार्रवाई कर चुकी है। जांच एजेंसी द्वारा अब तक 17 विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स के साथ-साथ राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा, यूडीसी अखिलेश माथुर और एलडीसी फरहान हसन को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

विदेश से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों को भारत में डॉक्टरों के रूप में रजिस्ट्रेशन कराने और प्रैक्टिस करने के लिए 'फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन पास करना अनिवार्य होता है। इस गिरोह ने परीक्षा पास किए बिना ही फर्जी सर्टिफिकेट तैयार कर दिए। एसओजी अब चिन्हित किए गए अन्य 100 से अधिक संदिग्धों और इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है, जिससे आने वाले दिनों में कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

नकली बीज मामला: जुगल किशोर समेत 6 आरोपी 5 दिन के रिमांड पर, एसीबी ने अब तक 2.44 करोड़ रुपए किए जब्त

बीकानेर, 8 जून (एजेंसियां)। नकली बीज मामले में पकड़े गए राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर विश्नोई समेत छह आरोपियों को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को बीकानेर एसीबी स्पेशल कोर्ट में पेश किया। जहां से सभी आरोपियों को 5 दिन के रिमांड पर भेज दिया। बता दें कि एसीबी ने शनिवार को राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर विश्नोई समेत छह जनों को गिरफ्तार किया था।

एसीबी ने निदेशक के घर से 1.59 करोड़ रुपए तथा उनके भांजे के पास से 85 लाख रुपए नकद बरामद किए है। अब तक कुल 2.44 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की जा चुकी है। इस कार्रवाई को किसानों और खाद्य सुरक्षा से जुड़े मामलों में अब तक की सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एसीबी ने निदेशक जुगल किशोर को जयपुर में बी-टू बायपास स्थित अरावली अपार्टमेंट से, करोड़ों की घूस देने वाले गजराज ब्रांड के प्रोपराइटर किरण कापड़िया को टोंक रोड स्थित होटल से तथा गणपत विश्नोई को एमएलए क्वार्टर से हिरासत में लिया था। किरण कापड़िया शुक्रवार शाम गुजरात से जयपुर पहुंचा था। गणपत के फलौदी स्थित आवास पर भी तलाशी ली गई, लेकिन 60 लाख रुपए बरामद नहीं हुए। मामले में दलाल सुनील सेतिया और सतपाल को भी देर रात गिरफ्तार किया था। एसीबी को सूचना मिली कि रिश्वत की राशि में से 90 लाख जुगल किशोर अपने भांजे स्वतंत्र विश्नोई के जरिए श्रीगंगानगर भिजवा रहे हैं। इस पर टीम ने लूणकरणसर में बस रुकवाकर तलाशी ली और स्वतंत्र से 85 लाख बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद जुगल के घर से 1.59 करोड़ बरामद किए गए।

तीन बैगों में छिपाकर ले जा रहे थे चार करोड़ के सोने-चांदी के जेवरात, आरोपी गिरफ्तार

सिरोही, 8 जून (एजेंसियां)। आबूरोड रीको पुलिस ने सीमावर्ती मावल चौकी पर ट्रैवल्स बस में ले जाए जा रहे 4 करोड़ रुपये कीमत के 2.800 किलोग्राम सोने एवं 800 ग्राम चांदी के जेवरात जब्त किए हैं। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये जेवरात आरोपियों द्वारा तीन अलग-अलग बैगों में छिपाकर रखे गए थे। फिलहाल आवश्यक कार्रवाई के बाद जेवरात जब्त कर अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

गौरतलब है कि जिले में हवाला कारोबार एवं अवैध कार्य करने वालों अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। इसमें आबूरोड रीको थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह चंपावत की अगुवाई में टीम द्वारा गुजरात सीमा से सटी मावल चौकी पर नाकाबंदी कर यहां से गुजर रहे संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इस दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा पूना से जोधपुर जा रही एक ट्रैवल्स बस को रुकवाकर तलाशी ली गई। इसमें तीन अलग-अलग बैगों में छिपाकर रखे गए 2.800 किलोग्राम सोने एवं 800 ग्राम चांदी के जेवरात पाए गए। इन्हें ले जा रहे आरोपियों से जेवरात के बिल या अन्य कोई दस्तावेज मांगे गए लेकिन, उनके पास कुछ नहीं था। इसके साथ ही वे कोई संतोषप्रद जवाब भी नहीं दे पाए। आवश्यक कार्रवाई के बाद जेवरात को जब्त कर अग्रिम जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार इस कार्रवाई में बरलुट (सिरोही) निवासी रमेश कुमार पुत्र छोगाजी प्रजापत, वेरा विलपुर निवासी गजेन्द्रसिंह पुत्र गोपालसिंह राजपूत एवं बरलुट (सिरोही) हालमुकाम अहमदाबाद निवासी चंदूलाल पुत्र जैसाजी सैन को गिरफ्तार किया गया है।

आईएमडी का अलर्ट, 46^0 तक पहुंच सकता है पारा, पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने से फिर शुरू होगी आंधी-बारिश

कोटा, 8 जून (एजेंसियां)। कोटा जिले में सोमवार तड़के मौसम ने करवट ली। कोटा में रात करीब 3 बजे से सुबह 5 बजे तक तेज आंधी के साथ बारिश का दौर चला। तेज हवाओं और बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। सुबह मौसम सुहावना रहा और तापमान में भी गिरावट दर्ज हुई हालांकि दिन में तेज गर्मी ने लोगों के हाल-बेहाल कर दिए। राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से जारी आंधी और बारिश की गतिविधियों के बीच मौसम विभाग ने नई अपडेट जारी की है।

मौसम विभाग जयपुर के अनुसार राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में आज यानी 8 जून से आंधी-बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। हालांकि पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश जारी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को राज्य के पूर्वी भाग में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की हुई और पश्चिमी राजस्थान में एक-दो स्थानों पर मेघगर्जन और हल्की बारिश हुई।

वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया और सर्वाधिक न्यूनतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस जोधपुर और फलौदी में रिकॉर्ड हुआ। सबसे कम न्यूनतम तापमान अजमेर में 20 डिग्री सेल्सियस रहा। सबसे अधिक 50 मिलीमीटर बारिश अजमेर जिले के पुष्कर में रिकॉर्ड की गई।

पति-बेटे के साथ महिला 15 साल से कर रही थी नाबालिग लड़कियों को बेचने का काम, करोड़ों की संपत्ति की मालकिन

झालावाड़, 8 जून (एजेंसियां)। बालिकाओं की खरीद-फरोख्त के मामले में पकड़ी गई महिला रामकन्याबाई पिछले 15 साल से इस धंधे में लिप्त है। उसने इस धंधे से अब तक करोड़ों रुपए की कमाई कर ली। इस

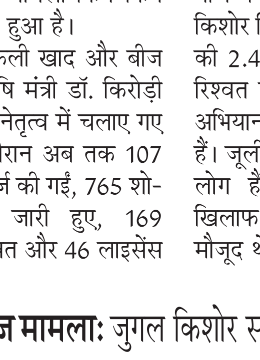

काम में उसका पति और बेटा भी शामिल है। उन्हें भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जब रामकन्या बाई के यहां दबिश दी तो उसका रहन-सहन देखकर दंग रह गई। इस बीच शनिवार और पुलिस ने चार और नाबालिग लड़कियों को दस्तयाब किया।

पुलिस की अब तक की जांच में पता चला है कि मुख्य सरगना रामकन्या पिछले 15 साल से मासूम बालिकाओं की खरीद-फरोख्त कर रही है। वह बूंदी, झालावाड़,टोंक, भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर में अपने समाज के डेरों में घूमकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की तलाश करती है। उनके निशाने पर ऐसे परिवार रहते हैं, जो भारी कर्ज में डूबे हुए हैं। पति या पत्नी बीमार या दिव्यांग है या किसी कारण से घर का मुखिया जेल में बंद है।

अवैध रेत खनन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

मंत्री विवेक ने गरीबों के आवास के लिए पारदर्शी रेत वितरण का किया दावा

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के श्रम, रोजगार और खनन मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने अवैध रेत खनन और परिवहन पर सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि राज्य में रेत माफिया गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोमवार को सचिवालय में अपने विभागों के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार जनकल्याण, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य के विकास को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

मंत्री ने कहा कि गिग वर्करों के कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है और उनके लिए सामाजिक सुरक्षा, बीमा और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसी नीतियां तैयार की जा रही हैं। साथ ही सभी श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी दिलाने और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने दोहराया कि अवैध रेत खनन और परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए विशेष प्रवर्तन दल लगातार निगरानी कर रहे हैं और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकें। उन्होंने कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़े। इंदिरम्मा आवास योजना का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि लाभार्थियों को मुफ्त रेत उपलब्ध कराई जा रही है ताकि उनके आवास निर्माण में कोई बाधा न आए। उन्होंने कहा कि पारदर्शी व्यवस्था के जरिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर पात्र लाभार्थी तक रेत आसानी से पहुंचे। उन्होंने यह भी बताया कि चेन्नूर क्षेत्र के युवाओं के लिए एक उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित किया जा रहा है, जहां आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि युवा रोजगार के लिए तैयार हो सकें।

मिक सुधारों को लागू करने की दिशा में सरकार सक्रियः मंत्री वी. विवेक

श्रम संहिताओं के एकीकरण की प्रक्रिया जारी

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार चार केंद्रीय श्रम संहिताओं, 2020 को लागू करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है और इनके प्रावधानों के एकीकरण की प्रक्रिया जारी है। राज्य के श्रम, रोजगार और खान मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने सोमवार को इस संबंध में आयोजित एक वर्चुअल बैठक में यह जानकारी दी। मंत्री डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय स्थित अपने कार्यालय से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। यह बैठक केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर में श्रम सुधारों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से श्रम संहिताओं के शीघ्र कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य श्रमिकों के कल्याण को बढ़ाना और श्रम कानूनों को सरल बनाना है। तेलंगाना मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार श्रम संहिताओं को लागू करने के लिए आवश्यक तैयारियां कर रही है और संबंधित प्रक्रियाओं को जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नए श्रम कानूनों के प्रावधानों को राज्य की व्यवस्था में शामिल करने की प्रक्रिया प्रगति पर है।

तेलंगाना के अगले मुख्य सचिव को लेकर अटकलें तेज

के. रामकृष्ण राव के कार्यकाल विस्तार पर टिकी निगाहें, कई वरिष्ठ आईएएस दौड़ में

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव का कार्यकाल इस महीने के अंत में समाप्त होने जा रहा है। ऐसे में राजनीतिक और नौकरशाही गलियारों में इस बात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं कि क्या राज्य सरकार उनके लिए एक और कार्यकाल विस्तार की मांग करेगी या फिर किसी नए अधिकारी को राज्य का शीर्ष प्रशासनिक पद सौंपा जाएगा। इस मुद्दे ने उस समय और अधिक महत्व हासिल कर लिया जब मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाल के दिनों में धान खरीद और विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं की मंजूरी में देरी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि राज्य सरकार मुख्य सचिव के कार्यकाल को तीसरी बार बढ़ाने के लिए केंद्र से अनुरोध करती है, तो उस पर केंद्र की प्रतिक्रिया राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संकेत दे सकती है।

मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव को सेवानिवृत्ति के बाद पहले ही दो बार सेवा विस्तार मिल चुका है। पिछले वर्ष 31 अगस्त को सेवानिवृत्त होने के बाद उनका कार्यकाल नौ महीने के लिए बढ़ाया गया था, जो अब इस महीने समाप्त होने वाला है। यदि उन्हें तीसरा विस्तार मिलता है तो यह एक असामान्य प्रशासनिक निर्णय माना जाएगा और इससे नई राजनीतिक बहस छिड़ सकती है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि केंद्र सरकार राज्य के अनुरोध को स्वीकार करती है तो मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र पर लगाए जा रहे आरोपों पर सवाल उठ सकते हैं।

वहीं, यदि अनुरोध अस्वीकार होता है तो इससे राज्य सरकार के उन दावों को बल मिल सकता है कि केंद्र तेलंगाना के साथ अपेक्षित सहयोग नहीं कर रहा है।

उधर, सचिवालय के गलियारों में अगले मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के नाम संभावित उत्तराधिकारियों के रूप में सामने आ रहे हैं। इनमें संजय, एस. घोष, जयेश रंजन और विकास राज प्रमुख रूप से शामिल हैं। वरिष्ठता के आधार पर शशांक गोयल सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में गिने जाते हैं, लेकिन उनका कार्यकाल सितंबर में समाप्त होने वाला है। वहीं, तेलंगाना कैडर के अधिकारी संजय जाजू वर्तमान में केंद्र सरकार के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय में सचिव के रूप में कार्यरत हैं और उनका सेवाकाल मार्च 2028 तक है। जयेश रंजन, जिन्होंने राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग विभागों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं, अगले वर्ष सितंबर में सेवानिवृत्त होंगे। वहीं विकास राज और सब्यसाची घोष के पास अभी लंबा कार्यकाल शेष है और उन्हें भी मुख्य सचिव पद के मजबूत दावेदारों में गिना जा रहा है। फिलहाल राज्य सरकार की ओर से इस विषय पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में इस मुद्दे को लेकर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। आने वाले दिनों में सरकार का फैसला तेलंगाना की प्रशासनिक और राजनीतिक दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

जरूरतमंदों को राशन सामग्री वितरित

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साथी हाथ बढ़ाना संस्था की सदस्य सरला अग्रवाल के नेतृत्व में चिक्कडपल्ली में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद परिवारों को दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री से युक्त 15 थैले वितरित किए गए, जिनमें अनाज, मसाले एवं अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल थी।

इस सेवा कार्य हेतु सामग्री की व्यवस्था एवं वितरण में राम गोपाल गुप्ता का आर्थिक सहयोग रहा। इस पुण्य कार्य में मंजेश्वरी गुप्ता स्नेहल गुप्ता, सोहम गुप्ता, नूपुर नरेन गुप्ता एवं नींव गुप्ता का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर संस्था के सदस्य शारदा गुप्ता, संजय संघी, दिनेश अग्रवाल एवं गोविंद लाल अग्रवाल, अजय संघी ने सेवा कार्य को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

भगवान समस्त प्राणियों का कल्याण चाहते हैं : श्रीमाली

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कथाव्यास पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने कहा कि परमात्मा किसी भी जीव में सूक्ष्म से सूक्ष्म अभिमान को भी स्थायी नहीं रहने देते। भगवान अपने भक्तों और समस्त प्राणियों का कल्याण चाहते हैं, इसलिए समय-समय पर उनके अहंकार का निवारण कर उन्हें विनम्रता का पाठ पढ़ाते हैं।

उन्होंने बताया कि जब माँ गंगा जी को अभिमान हुआ, तब भगवान ने उनका अभिमान दूर किया। जब देवराज इन्द्र को यह गर्व हो गया कि उन्हीं की वर्षा से संसार का पालन-पोषण होता है और समस्त प्राणियों का जीवन चलता है, तब भगवान ने उनकी भ्रांति का निवारण कर उनका अभिमान भंग किया। इसी प्रकार राजा बलि को अपने अद्वितीय दान का अभिमान हुआ, तो भगवान ने वामन रूप धारण कर उनका अहंकार दूर किया और उन्हें सच्ची भक्ति का मार्ग दिखाया।

कथाव्यास ने आगे कहा कि रुक्मिणी जी को भी अपने अनुपम रूप का सूक्ष्म अभिमान हुआ था, जिसे भगवान ने प्रेमपूर्वक दूर किया। इन सभी प्रसंगों से यह शिक्षा मिलती है कि परमात्मा किसी भी प्रकार के अहंकार को पसंद नहीं करते, क्योंकि अभिमान जीव को ईश्वर से दूर ले जाता है।

उन्होंने कहा कि परमात्मा सदैव चाहते हैं कि जीव अहंकार का त्याग कर विनम्रता, सरलता और भक्ति का जीवन अपनाए। जो व्यक्ति बिना अभिमान के अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए ईश्वर का स्मरण करता है, उसका जीवन सफल, सार्थक और धन्य बन जाता है। विनम्रता ही भक्ति का आभूषण है और यही भगवान की कृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम साधन है।

परम पावन पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में श्री गिरिराज जी मंदिर के निकट कोठी सुल्तान बाजार स्थित विश्रामगढ़ गोपूजा समाज वाड़ी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में उपस्थित भागवत भक्तों को कथामृत का रसपान कराते हुए पंडित श्रीमाली ने बताया कि जीवमात्र को अपने जीवन में रूप, पद, प्रतिष्ठा, धन अथवा किसी भी प्रकार की उपलब्धि का अभिमान नहीं करना चाहिए। मनुष्य को सदैव सरल, विनम्र और सहज स्वभाव बनाए रखना चाहिए।

कथाव्यास ने कहा कि मनुष्य को बिना अहंकार के अपने सभी कर्तव्यों का पालन करते हुए सत्कर्म करते रहना चाहिए। विनम्रता, सेवा और भक्ति ही जीवन को सार्थक बनाती हैं। इसलिए किसी भी वस्तु, सामर्थ्य या उपलब्धि का अभिमान न करते हुए सदैव परमात्मा के प्रति कृतज्ञ भाव रखना चाहिए। यही मानव जीवन की सच्ची सफलता और कल्याण का मार्ग है।

रेल संचालन को सुरक्षित बनाने पर जोर

महाप्रबंधक ने की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में जोन भर में रेल संचालन की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे, जबकि सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। समीक्षा बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने पूरे जोन की सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का आकलन किया और ट्रैक रखरखाव के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की दुर्घटना या अनहोनी से बचने के लिए कार्य शुरू करने से पहले सभी मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जाए।

महाप्रबंधक ने सभी मंडलों में चल रहे अग्नि सुरक्षा अभियान की भी समीक्षा की और इसकी प्रगति पर जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने मई माह के दौरान विभिन्न विभागों जैसे इंजीनियरिंग, सुरक्षा और परिचालन विभाग द्वारा की गई रात्रि निरीक्षण गतिविधियों की भी समीक्षा की। बैठक में निजी साइडिंग और मालगोदामों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना की स्थिति पर भी चर्चा की गई। महाप्रबंधक ने इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि निगरानी व्यवस्था और अधिक मजबूत की जा सके। इसके साथ ही उन्होंने रनिंग स्टाफ जैसे लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और ट्रेन प्रबंधकों के लिए आयोजित किए जा रहे रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कर्मचारियों को नवीनतम प्रक्रियाओं और सुरक्षित संचालन के तरीकों से अपडेट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इससे पहले महाप्रबंधक ने दक्षिण मध्य रेलवे का आधिकारिक समाचार बुलेटिन 'रेल समाचार' भी लॉन्च किया।

यह बुलेटिन हर पखवाड़े दक्षिण मध्य रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब, एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और पब्लिक ऐप पर जारी किया जाएगा, जिससे रेल उपयोगकर्ताओं को नई परियोजनाओं, उपलब्धियों, नवाचारों और विकास कार्यों की जानकारी मिलती रहेगी। महाप्रबंधक ने जनसंपर्क विभाग की इस पहल की सराहना की और सभी हितधारकों से इसे नियमित रूप से देखने की अपील की, ताकि रेलवे की गतिविधियों और प्रगति की जानकारी आम जनता तक बेहतर तरीके से पहुंच सके।

महबूबनगर-सिकंदराबाद-मेडचल रेल सेक्शन की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत

नई दिल्ली/हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेल ने दक्षिण मध्य रेलवे के महबूबनगर-सिकंदराबाद-मेडचल रेल सेक्शन पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को और सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना के तहत मौजूदा 1x25 केवी विद्युत प्रणाली को उन्नत कर 2x25 केवी आधुनिक ट्रैक्शन सिस्टम में बदला जाएगा। लगभग 141 किलोमीटर लंबे इस रेलखंड पर यह कार्य करीब 285.01 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा। यह कदम भारतीय रेल की उन योजनाओं का हिस्सा है, जिनके तहत देश के अत्यधिक व्यस्त रेल मार्गों की क्षमता और दक्षता बढ़ाई जा रही है। नई 2x25 केवी प्रणाली के लागू होने से ट्रेनों को अधिक स्थिर और बेहतर बिजली आपूर्ति मिलेगी, जिससे रेल संचालन अधिक सुचारु, सुरक्षित और विश्वसनीय हो जाएगा। इससे विशेष रूप से मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों के संचालन में सुधार आने की उम्मीद है। यह रेलखंड हाई डेंसिटी नेटवर्क (एचडीएन) का महत्वपूर्ण हिस्सा है और धर्मवरम-डोन-महबूबनगर-सिकंदराबाद-मेडचल-मुदखेड़-इंदौर-अजमेर रेल कॉरिडोर से जुड़ा हुआ है, जहां बड़ी संख्या में यात्री और मालगाड़ियां संचालित होती हैं। परियोजना पूरी होने के बाद इस मार्ग पर ट्रेनों की गति और परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही माल परिवहन अधिक सुगम होने से क्षेत्रीय व्यापार, उद्योग और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। भारतीय रेल का यह कदम भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक और मजबूत रेल नेटवर्क विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, जिसका लाभ यात्रियों और उद्योग जगत दोनों को मिलेगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

वाय/सी/36/एसटीबीए/अधिसूचनाएं/2026-2, दि.01-06-2026

निविदा अधिसूचना

PUB/352

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा हैदराबाद डिवीजन के 2 (दो) एसजी-3, 1 (एक) एनएसजी-5 & 15 (पंद्रह) एनएसजी-6 श्रेणी स्टेशनों पर, दि.20-05-2027 की अवधि के लिए कमीशन आधार पर अनारक्षित टिकेटिंग प्रणाली (युटीएस) के माध्यम से अनारक्षित/ सामान्य टिकटों को जारी करने के लिए टिकट बुकिंग एजेंट्स (एसटीबीए) भर्ती हेतु या एसजी-3 श्रेणी स्टेशनों के लिए एसटीबीए पालिसी पायलट योजना के विस्तार तक तथा एनएसजी-5 & एनएसजी-6 श्रेणी स्टेशनों हेतु तीन वर्ष की अवधि हेतु तत्संबंधित भर्ती के लिए मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है।जिन रेलवे स्टेशनों पर एसटीबीए एजेन्ट्स की भर्ती की जा रही हैं,जिसका विवरण निम्न प्रकार है:

क्रम संख्या	स्टेशनों के नाम	कोड	श्रेणी
1	बुदवेल	बीडीवीएल	एसजी-3
2	कैवलैरी बैराक्स	सीवीबी	एसजी-3
3	वनापर्ती रोड	डब्ल्यूपीआर	एनएसजी-5
4	डिचपल्ली	डीएचपी	एनएसजी-6
5	बिकनूर	बीकेय	एनएसजी-6
6	कौकुन्ट्ला	केक्यूक्यू	एनएसजी-6
7	दुपाडू	डीयुयु	एनएसजी-6
8	पूडूर	पीडीओ	एनएसजी-6
9	बोलसा	बीएलएसए	एनएसजी-6
10	सिवुनगांव	एसवीएन	एनएसजी-6
11	उलीन्दाकोंडा	युकेडी	एनएसजी-6
12	मान्यमकोंडा	एमक्यूएन	एनएसजी-6
13	जनकमपेट जंक्शन	जेकेएम	एनएसजी-6
14	मनोहराबाद जंक्शन	एमओबी	एनएसजी-6
15	बोगोलु	बीवीओ	एनएसजी-6
16	गोल्लापल्ली	जीएलवाय	एनएसजी-6
17	डिवीटीपल्ली	डीटीपी	एनएसजी-6
18	आलमपुर रोड	एएलपीआर	एनएसजी-6

मुहरबंद निविदा प्रपत्रों को रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा एकनालेजमेन्ट ड्यू सहित प्रेषित कर सकते हैं या इसे, टेंडर हाल, हैदराबाद डिवीजन कम्पाउण्ड, हैदराबाद तथा हैदराबाद पर रखे हुए मुहरबंद टेन्डर बाक्स मे, तत्संबंधित अग्रधन या इएमडी को, वरिष्ठ विभागीय वित्त प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे के पक्ष में आहरित डिमाण्ड ड्राफ्ट के साथ, उक्त टेंडर बाक्स में डाल सकते हैं। रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा प्रेषित निविदाएं, इस कार्यालय पर, दि.03-07-2026 के दोप. 12.00 बजे तक पहुंच जाने चाहिए तथा इस मामले में किसीभी डाक विलंब के लिए रेल प्रशासन कतई जिम्मेदार नहीं होगा। यदि तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी अवकाश घोषित होता है तो, अगला कार्यदिवस निश्चित तौर पर अंतिम तिथि मानी जायेगी। विलंबित/देरी से प्राप्त आवेदनों को अस्वीकार किया जायेगा।

तथापि, रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए किसी भी आवेदन या हरेक आवेदन को अस्वीकार करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। इसमें प्रशासन का निर्णय अंतिम होगा। विस्तृत विवरण हेतु कृपया, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक का कार्यालय, नीचला तल, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025 पर, किसी भी कार्यालयीन दिन में संपर्क कर सकते हैं।

A419 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

नियम तोड़ने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

परिवहन मंत्री ने राज्यभर में जांच अभियान तेज करने को कहा

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राज्यभर में परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और प्रवर्तन गतिविधियों को और मजबूत किया जाए। सोमवार को सचिवालय में परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में व्यापक जांच अभियान चलाया जाए, विशेष रूप से उन वाहनों पर ध्यान दिया जाए जो अधिक भार लेकर चल रहे हैं, जिन्होंने तिमाही कर का भुगतान नहीं किया है या जिनके पास वैध फिटनेस प्रमाणपत्र नहीं है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को आवश्यकता पड़ने पर तुरंत जब्त किया जाए। मंत्री ने कहा कि चेक पोस्ट समाप्त किए जाने के बाद प्रवर्तन व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की जरूरत है, इसलिए उपलब्ध मानव संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए निरीक्षण अभियान को तेज किया जाए।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत पूर्ववर्ती जिलों में 10 विशेष प्रवर्तन दल और राज्य स्तर पर दो विशेष दस्ते गठित किए जाएंगे, जो लगातार जांच करेंगे। छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मंत्री ने कहा कि स्कूल बसों और मिनी वैनों के पास वैध फिटनेस प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है।

उन्होंने निर्देश दिया कि निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को ले जाने वाले वाहनों को तुरंत जब्त किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के स्कूल बसें चलाने वाले शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीपीआई का जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कल

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने बढ़ती महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि के खिलाफ 10 जून को राज्यभर के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा की है। पार्टी के राज्य सचिव एवं विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि वर्तमान शासन में आम जनता का जीवन बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, दालें, खाद्य तेल और सब्जियों जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम और मध्यम वर्गीय परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कॉरपोरेट कंपनियों को लाखों करोड़ रुपये की कर रियायतें दी हैं, जबकि आम जनता पर करों का बोझ बढ़ता जा रहा है। उनके अनुसार, केंद्र सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। कुनामनेनी संबाशिव राव ने कहा कि वर्ष 2014 में पेट्रोल की कीमत लगभग 72 रुपये प्रति लीटर थी, जो अब बढ़कर लगभग 111 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

सीएम ने की 1,674 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरूआत

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को साइबराबाद नगर निगम क्षेत्र में 1,674.74 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में सीएमसी मुख्यालय का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत लगभग 161 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही मियापुर जंक्शन पर 530 करोड़ रुपये की लागत से फ्लाईओवर और सेरिलिंगमपल्ली में 308 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू किया गया। मुख्यमंत्री ने 65.53 करोड़ रुपये की लागत से बने बाचुपल्ली फ्लाईओवर का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा बाहरी रिंग रोड क्षेत्र में दोनों ओर नए ब्रिज और सर्विस रोड के विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई, जिस पर 229 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

एमजीआईटी शंकरपल्ली रोड से मणिकोंडा तक पाइपलाइन रोड परियोजना की भी शुरूआत की गई, जिसकी लागत 110 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही कोल्लूर इंटरचेंज के पास दो रेलवे ओवर ब्रिज से जुड़ने वाले चार लेन एप्रोच रैंप के निर्माण का भी शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री ने नानकरामगुड़ा और गच्चीबावली के बीच बाहरी रिंग रोड के बाएं हिस्से के चौड़ीकरण कार्य की भी शुरूआत की, जिस पर 26.50 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

सामाजिक ढांचे के तहत मुख्यमंत्री ने 200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल और माधापुर एवं नानकरामगुड़ा में वर्किंग वूमेन हॉस्टल के निर्माण की भी आधारशिला रखी, जिन पर कुल 14.40 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, सड़क कनेक्टिविटी में सुधार लाना और नागरिक सुविधाओं का विस्तार करना है।

बाथिनी गौड परिवार द्वारा नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में आयोजित मछली प्रसाद वितरण कार्यक्रम में भाग लेते हुए लोग।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

ममता के 20 ...

राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सुखेंदु शेखर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। सुखेंदु ने इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा था कि पार्टी के कई लोग ममता मनमाने ढंग से पार्टी चला रही थीं, इसी वजह से उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उनका कार्यकाल 2029 तक था। अब सीट खाली हो चुकी है, अब इस पर उपचुनाव कराया जा सकता है।

सुखेंदु शेखर के इस्तीफे पर बंगाल में टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि यह सिर्फ सुखेंदु की निजी बात नहीं है। मैंने सुखेंदु से सीधे बात नहीं की है, लेकिन टीवी पर उनके बयान देखे और सुने हैं। मैं उनकी बातों से सहमत हूं। राज्यसभा के कामकाज को लेकर सुखेंदु की बात काफी हद तक सही है। संसद कोई क्विज खेलने की जगह नहीं है। उधर, टीएमसी ने बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष (LoP) बनाए जाने के विधानसभा स्पीकर के फैसले को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। कोर्ट ने तारीख तय नहीं की है। काकोली घोष ने दावा किया कि वह अभी भी लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला साथी सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि सांसदों ने एनडीए के साथ जाने का फैसला किया है। उनका मानना है कि यही जनता के जनादेश के अनुरूप है।

काकोली ने 27 मई को टीएमसी छोड़ दी है, लेकिन सांसद पद से इस्तीफा नहीं दिया था। प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को भेजे लेटर में काकोली ने लिखा था कि मानसिक संघर्ष और लंबे चिंतन के बाद यह फैसला लिया है।

निकोबार में 13,000 ...

यहां एक आधुनिक हवाई अड्डे और रनवे का निर्माण भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करेगा, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में निगरानी और प्रतिक्रिया में तेजी आएगी। साथ ही यह परियोजना द्वीप के निवासियों के लिए हवाई यात्रा को सुगम बनाएगी, पर्यटन को बढ़ावा देगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेगी। इस परियोजना के तहत एक ऐसे हवाई अड्डे का निर्माण किया जाएगा जो सैन्य और नागरिक दोनों विमानों के संचालन के लिए उपयुक्त होगा। रनवे की लंबाई और क्षमता इस प्रकार डिजाइन की जाएगी कि यह विभिन्न प्रकार के विमानों को समायोजित कर सके।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत की टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी जीत

अफगानिस्तान को पारी और 300 रन से हराया, मानव सुथार को 7 विकेट

न्यू चंडीगढ़, 8 जून (एजेंसियां)। भारत ने न्यू चंडीगढ़ में खेले गए टेस्ट मैच में अफगानिस्तान को पारी और 300 रन से हरा दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारत की पिछली सबसे बड़ी जीत पारी और 272 रन के अंतर से थी। जो 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ राजकोट में मिली थी।

मैच के तीसरे दिन अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में 112 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी 564/8 के स्कोर पर घोषित कर दी थी। इसके जवाब में अफगानिस्तान की पहली पारी 152 रन पर सिमट गई थी और उसे फॉलोऑन खेलना पड़ा।

अफगानिस्तान की दूसरी पारी में वॉशिंगटन सुंदर ने 4 और कुलदीप यादव ने 3 विकेट लिए। डेब्यू मैच खेल रहे मानव सुथार और मोहम्मद सिराज ने 1-1 विकेट लिया। सुथार ने अफगानिस्तान की पहली पारी में 6 विकेट लिए थे। इस तरह उन्होंने मैच में 7 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच का स्कोरबोर्ड

भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में 599 मैचों में 186वीं जीत हासिल की है। भारत ने सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने के मामले में वेस्टइंडीज को पीछे छोड़ दिया है। वेस्टइंडीज के नाम 592 मैचों में 185 जीत है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका भारत से आगे हैं।

भारत की पारी और 300 रन की जीत एशियाई टीमों में दूसरी सबसे बड़ी जीत बन गई। इससे बड़ी जीत केवल पाकिस्तान ने 2002 में लाहौर टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ पारी और 324 रन से दर्ज की थी। अफगानिस्तान को टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी हार मिली। इससे पहले 2018 में भारत ने ही बेंगलुरु में पारी और 262 रन से हराया था।

दूसरी पारी में अफगानिस्तान 112 रन पर सिमट गया। यह टेस्ट क्रिकेट में उसका तीसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले टीम 2018 में भारत के खिलाफ 103 और 109 रन पर ऑलआउट हुई थी।

मानव सुथार ने डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में 33 रन देकर 6 विकेट लिए। यह किसी भारतीय गेंदबाज का डेब्यू टेस्ट पारी में दूसरा बेस्ट प्रदर्शन है। इस लिस्ट में नरेंद्र हिरवानी पहले स्थान पर हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1988 में 8 विकेट लिए थे।

सुथार टेस्ट डेब्यू में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले भारत के 10वें बॉलर और सातवें स्पिनर बने। वह इस सदी में अमित मिश्रा के बाद डेब्यू टेस्ट पारी में फाइव विकेट हॉल लेने वाले दूसरे भारतीय भी हैं।

वैभव सूर्यवंशी पर फिदा कंगना

बोलीं-'वर्ल्ड कप लेकर आओ यार', सौरव गांगुली ने कहा- वैभव को संभलकर खेलना होगा, ब्रिटेन की परिस्थितियां बहुत अलग होगी

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को भारतीय क्रिकेट टीम में चयन के बाद दुनिया भर से तारीफ मिल रही है। अब बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी वैभव की जमकर तारीफ की। उन्होंने वैभव से वर्ल्ड कप की डिमांड कर दी है।

कंगना ने कहा कि, 'हमारे पास क्रिकेट देखने का टाइम नहीं होता है, लेकिन मैं क्रिकेट में इस यंग मैन को बेस्ट विशेज देती हूं। वह भी सचिन और विराट की तरह अच्छा करें। उस पर प्रेशर नहीं है, मगर वर्ल्ड कप लेकर आओ यार।'

दूसरी ओर पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भारत के लिए डेब्यू की दहलीज पर खड़े स्टार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर कहा कि, 'मेरा मानना है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी महज 15 साल का है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव की ज्यादा परवाह करेगा। आईपीएल में भी हमने यही देखा है।'

गांगुली आगे कहा कि, 'निश्चित रूप से भारत के लिए खेलना अलग बात है। वह ऐसे दौरे पर जाएगा, जहां विकेट थोड़े अलग होंगे। वहां गेंद अधिक सीम करेगी, उछाल ज्यादा होगा और नई गेंद से अधिक मूवमेंट मिलेगा। इसलिए खेल थोड़ा अलग होगा, लेकिन मुझे लगता है कि उसमें अपार प्रतिभा है। इसलिए उसे समय दीजिए।

इंग्लैंड टीम के बेस के पास चली गोलियां

अंधाधुंध फायरिंग में 9 घायल

लंदन, 8 जून (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से ठीक पहले अमेरिका में अंधाधुंध फायरिंग की घटना हुई है. हालांकि, ये कोई नई बात नहीं है. अमेरिका में ऐसी घटनाओं की खबरें सामने आती रही हैं. मगर इस बार हुई फायरिंग इसलिए चर्चा में है क्योंकि वो फीफा वर्ल्ड कप में इंग्लैंड टीम के बेस के पास हुई है. इंग्लैंड की टीम का बेस मिसौरी के कनसास सिटी में है, जहां पर धांय-धांय गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी. इस अंधाधुंध फायरिंग में 9 लोगों के घायल होने की जानकारी है.

पुलिस के मुताबिक गोलीबारी की घटना इंग्लैंड टीम के बेस से 10 मिनट की दूरी पर बीते शनिवार की सुबह 4 बजे घटी.

पुलिस ने बताया कि इंग्लैंड टीम का होटल भी वहीं थोड़ी दूरी पर था. हालांकि, इंग्लैंड की टीम अभी फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए कनसास सिटी पहुंची नहीं थी. कनसास सिटी में जब घटना घटी इंग्लैंड की टीम फ्लोरिडा के पाल्म बीच में वर्ल्ड कप की प्रैक्टिस कर रहे थे. इंग्लैंड टीम 13 जून को कनसास सिटी पहुंचेगी.

कनसास सिटी पुलिस डिपार्टमेंट के कप्तान के मुताबिक जैसे ही उन्होंने फायरिंग की आवाज सुनी, वो मौके के लिए रवाना हो गए. मौके पर पहुंचकर उन्होंने देखा कि वहां भगदड़ मची है. घटना में घायल हुईं 3 महिलाओं को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया. देखते ही देखते घायलों की संख्या 9 पहुंच गई, जिन्हें आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया. हालांकि, घायलों में किसी जान पर नहीं बनी है. पुलिस के मुताबिक फिलहाल किसी को भी कस्टडी में नहीं लिया गया है. लेकिन घटनास्थल की पेट्रोलिंग जारी है.

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में उतरने से पहले इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड से वॉर्म अप मैच खेला, जिसे उसने 1-0 से जीता. अब उसका दूसरा वॉर्म अप मैच कोस्टा रिका से बुधवार को होगा. जबकि ये टीम 13 जून को कनसास सिटी के लिए रवाना होगी, जहां गोलीबारी हुई है. फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान कनसास सिटी ही इंग्लैड़ की टीम का बेस कैंप होगा.

क्रिकेट के पूर्व भारतीय अंपायर विक्रम राजू का निधन

ऐतिहासिक मैच में निभाई थी अहम भूमिका

बेंगलुरु, 8 जून (एजेंसियां)। पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अंपायर वी विक्रम राजू का बेंगलुरु में निधन हो गया है. उन्होंने फर्स्ट क्लास में सालों तक अंपायरिंग की और अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भी उन्होंने अहम किरदार निभाया. विक्रम राजू ने ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच 1986 में हुए ऐतिहासिक मैच में अंपायरिंग की थी. यह मुकाबला टाई हो गया था. कर्नाटक स्टेट क्रिकेट असोसिएशन ने पोस्ट डालते हुए विक्रम राजू के निधन की खबर साझा की और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी. पूर्व भारतीय अंपायर वी विक्रम राजू 92 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए. केएससीए ने स्टेटमेंट जारी करते हुए लिखा, 'पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अंपायर विक्रम राजू के निधन पर कर्नाटक स्टेट क्रिकेट असोसिएशन के अध्यक्ष और मैनेजमेंट को बहुत दुख है. उन्होंने दशकों तक क्रिकेट के खेल के लिए ईमानदारी से सेवा दी. एक अंपायर के तौर पर उन्होंने खेल के टॉप लेवल पर नाम कमाया.'

विक्रम राजू ने 42 फर्स्ट क्लास मैचों में अंपायरिंग की. इसके अलावा उन्होंने 5 एकदिवसीय और 2 टेस्ट मैचों में भी अंपायरिंग की है. 1986 में चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शानदार टेस्ट मैच हुआ. यह उस समय तक क्रिकेट इतिहास का दूसरा मैच था, जो टाई हुआ था. इसके पहले ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच 1960 में ब्रिस्बेन में हुआ मुकाबला टाई हुआ था. चार दशक पहले चेन्नई में हुए मुकाबले में विक्रम राजू का एक फैसला टीम इंडिया को भारी पड़ा, जिसकी वजह से उनकी जमकर आलोचना भी हुई. ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ग्रेग मैथ्यूज की गेंद पर उन्होंने नंबर 11 पर बल्लेबाजी करने आए मनिंदर सिंह को एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया था.

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड को 115 रन से हराया

एटकिंसन-रॉबिन्सन ने मिलकर 14 विकेट लिए, सीरीज में 1-0 की बढ़त ली

लंदन, 8 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 115 रन से हरा दिया। इसी की साथ टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा टेस्ट 17 जून से द ओवल में खेला जाएगा।

रविवार को न्यूजीलैंड 138 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड ने 254 रन का टारगेट दिया था। मुकाबले के चौथे दिन गस एटकिंसन ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 2 विकेट लिए थे। ओली रॉबिन्सन को मैच में 7 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के आखिरी दिन गस एटकिंसन ने 30 रन देकर 5 विकेट झटके और न्यूजीलैंड की पारी समेट दी। रॉबिन्सन ने 2, जोश टंग ने 2 और कप्तान बेन स्टोक्स ने 1 विकेट लिया। मुकाबला सिर्फ 167 ओवर में खत्म हो गया।

254 रन का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। कप्तान टॉम लैथम खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि केन विलियमसन 18 रन ही बना सके। रॉबिन्सन और जोश टंग ने लगातार विकेट लेकर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। डेवोन कॉन्वे ने 91 गेंदों में 41 रन और ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 44 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई साथ नहीं मिला।

मैच की शुरुआत न्यूजीलैंड के टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने से हुई। काइल जैमीसन और नाथन स्मिथ की गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड की पहली पारी 140 रन पर सिमट गई। हैरी ब्रूक ने 71 गेंदों में 56 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। जैमीसन ने 62 रन देकर 5 विकेट और नाथन स्मिथ ने 3 विकेट झटके।

इंग्लैंड के गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड को पहली पारी में कोई फायदा नहीं लेने दिया। ओली रॉबिन्सन ने 39 रन देकर 5 विकेट लिए। न्यूजीलैंड ने सिर्फ 2 रन पर डेवोन कॉन्वे, केन विलियमसन और रचिन रवींद्र के विकेट गंवा दिए थे। ग्लेन फिलिप्स (34) और काइल जैमीसन (नाबाद 38) ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन पूरी टीम 113 रन पर ढेर हो गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 27 रन की बढ़त मिली।

वैभव के साथ इंग्लैंड-आयरलैंड जाएंगे उनके माता-पिता

बीसीसीआई ने दी विशेष अनुमति

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पैरेंट्स भी साथ होंगे। सूर्यवंशी पहली बार भारतीय टीम में सिलेक्ट हुए हैं।

बीसीसीआई ने वैभव के माता-पिता को टीम के साथ यात्रा करने को कहा है। बोर्ड का कहना है कि इससे वैभव सीनियर टीम के माहौल में आसानी से ढल पाएंगे।

वैभव पहली बार किसी सीनियर नेशनल टीम का हिस्सा बनने जा रहे हैं। वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी भी बन सकते हैं। पुरुष खिलाड़ियों में यह रिकॉर्ड फिलहाल सचिन तेंदुलकर के नाम है, जिन्होंने 16 साल 207 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि आमतौर पर बोर्ड खिलाड़ियों के माता-पिता को टीम के साथ दौरे पर जाने की अनुमति नहीं देता। लेकिन वैभव नाबालिग हैं और पहली बार सीनियर खिलाड़ियों वाली टीम का हिस्सा बन रहे हैं, इसलिए उनके मामले में विशेष अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई वैभव के माता-पिता से अनुरोध करेगा। यदि वे जाना चाहें तो बोर्ड इसका समर्थन करेगा। सैकिया के मुताबिक, वैभव के पिता अगले दिन श्रीलंका रवाना होने वाले हैं। यदि उनके माता-पिता इंग्लैंड दौरे पर भी साथ जाना चाहें तो बीसीसीआई मदद करेगा।

चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने भी वैभव का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि युवा बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से खुद को टीम में सिलेक्ट करवाया है। अगरकर ने 6 जून को मुंबई में मीडिया से कहा, मुझे लगता है कि उसने खुद ही अपनी जगह बना ली है। हमने देखा है कि वह क्या कर सकता है। प्लेऑफ के आसपास उसने लगभग अकेले दम पर राजस्थान रॉयल्स को संभाला।

उन्होंने कहा, इतनी कम उम्र में जिस तरह वह बल्लेबाजी कर रहा है, वह खास है। यह सिर्फ एक सीजन की बात नहीं है। पिछले सीजन में भी उसने शानदार शुरुआत की थी।

वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 15 साल, 71 दिन की उम्र में वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है।

ऑस्ट्रेलिया-बांग्लादेश सीरीज से ट्रैविस हेड और मिचेल मार्श बाहर

हेड छुट्टियों पर, मार्श को टखने की चोट

मेलबोर्न, 8 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। स्टार ओपनर ट्रैविस हेड को आईपीएल के लंबे सीजन के बाद पर्सनल लीव दी गई है, जबकि कप्तान मिचेल मार्श टखने की चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर रहेंगे। वह अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाए हैं, इसलिए वनडे मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। मार्श की अनुपस्थिति में जोश इंग्लिस टीम की कप्तानी संभालेंगे। वह इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। लेग स्पिनर तनवीर संघा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण दौरे से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की लिमिटेड ओवर (वनडे) टीम में शामिल किया गया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सिलेक्टर्स ट्रैविस हेड के वर्कलोड को लेकर गंभीर हैं। हेड तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य ओपनर हैं और अगले 12 महीनों में टीम का शेड्यूल व्यस्त है। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए प्लेऑफ मैच खेलने के कारण वह पाकिस्तान दौरे का हिस्सा नहीं बन पाए थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सिलेक्टर्स ट्रैविस हेड के वर्कलोड को लेकर गंभीर हैं। हेड तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य ओपनर हैं और अगले 12 महीनों में टीम का शेड्यूल व्यस्त है। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए प्लेऑफ मैच खेलने के कारण वह पाकिस्तान दौरे का हिस्सा नहीं बन पाए थे। उन्हें पहले बांग्लादेश दौरे की वनडे और टी-20 दोनों टीमों में चुना गया था, लेकिन अब आराम दिया गया है। टी-20 टीम में उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान अभी बाकी है। नेशनल सेलेक्टर टोनी डोडेमाइड ने कहा,'ट्रैविस को शुरुआत में दोनों सीरीज के लिए चुना गया था, लेकिन बाद में उन्हें पर्सनल लीव दे दी गई है।

हम बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज में उनकी वापसी की उम्मीद करते हैं।'

मिचेल मार्श को आईपीएल के दौरान टखने में चोट लगी थी, जो पाकिस्तान सीरीज के दौरान फिर उभर आई थी। उम्मीद थी कि वह बांग्लादेश के खिलाफ सभी 6 मैचों (3 वनडे और 3 टी-20) में कप्तानी करेंगे, लेकिन वनडे सीरीज तक फिट नहीं हो सके। अब वह सीधे ढाका में टीम के साथ जुड़ेंगे और 17 जून से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज की तैयारी करेंगे। अगर वह तब तक फिट नहीं हो पाते, तो जोश इंग्लिस कप्तानी करेंगे। नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस को पहले ही आराम दिया जा चुका है। पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज ओली पीक और मैट शॉर्ट को बांग्लादेश दौरे के लिए भी टीम में रखा गया है। पीक ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में डेब्यू करने वाले सबसे युवा स्पेशलिस्ट बल्लेबाज बने थे।

तमीम इकबाल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष

4 साल तक कार्यकाल संभालेंगे

ढाका, 8 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का नया अध्यक्ष चुना गया है। ढाका में हुए चुनाव में वे निर्विरोध निर्वाचित हुए और अब चार साल तक इस पद पर रहेंगे।

37 साल के तमीम अप्रैल से अंतरिम अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे, जब बांग्लादेश सरकार ने BCB के निदेशक मंडल को भंग कर दिया था। वे बीसीबी के 21वें अध्यक्ष बने हैं।

तमीम ने पिछले साल जनवरी में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने बांग्लादेश के लिए अपना आखिरी मैच सितंबर 2023 में खेला। उन्होंने फरवरी 2007 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया।

यह चुनाव बांग्लादेश सरकार द्वारा अप्रैल में अंतरिम संस्था के तहत आयोजित कराए गए थे। इससे पहले सरकार ने एक जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर अमीनुल इस्लाम के नेतृत्व वाली पिछली निर्वाचित संस्था को भंग कर दिया था। जांच समिति ने अमीनुल और उनके बोर्ड सदस्यों को भ्रष्टाचार में शामिल पाया था और संविधान में सुधार की सिफारिश की थी।

चुनाव के बाद हुई पहली बोर्ड बैठक में फहीम सिन्हा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्हें 66 वोट मिले थे। इसके साथ ही 25 सदस्यीय बोर्ड का गठन पूरा हो गया, जो अगले चार साल तक बांग्लादेश क्रिकेट का संचालन करेगा।

तमीम ने 70 टेस्ट मैचों में 38.89 के एवरेज से 5134 रन बनाए। इसमें 10 शतक और 31 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं 243 वनडे में उनके नाम पर 36.65 की औसत से 8357 रन दर्ज हैं। वनडे इंटरनेशनल में 14 शतक और 56 अर्धशतक लगाए। तमीम ने 78 टी-20 इंटरनेशनल में 24.08 के एवरेज से 1758 रन बनाए। इसमें उनके नाम पर 1 शतक और सात अर्धशतक दर्ज हैं।

मैच के दौरान एक बार फिर मैदान पर गिर पड़े एरिक्सन

मैच हुआ रद्द; जानें कैसा है स्वास्थ्य

ओडेंसे (डेनमार्क), 8 जून (एजेंसियां)। डेनमार्क के मिडफील्डर क्रिस्टियन एरिक्सन यूक्रेन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के दौरान मैदान पर गिर पड़े, जिसके चलते मैच को बीच में ही रोकना पड़ा। डेनमार्क की ओर से खेल रहे एरिक्सन 79वें मिनट में अपनी छाती पकड़कर जमीन पर गिर पड़े, जिससे खिलाड़ियों और अधिकारियों में तुरंत चिंता फैल गई। खेल रुकने के बाद चिकित्साकर्मी तुरंत मैदान पर पहुंचे और मिडफील्डर की सहायता की।

मैच हालांकि, दोबारा शुरू नहीं हो सका और इसे रद्द करना पड़ा। जिस वक्त मैच रुका उस समय डेनमार्क यूक्रेन से 2-1 से आगे चल रहा था। डेनमार्क और यूक्रेन दोनों ही 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए हैं, इसलिए मैत्रीपूर्ण मैच भविष्य के अंतरराष्ट्रीय मैचों की तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। डेनमार्क फुटबॉल महासंघ ने बाद में सोशल मीडिया पर पुष्टि की है कि एरिक्सन होश में थे और घटना के बाद उन्हें चिकित्सा सहायता दी जा रही थी। डेनमार्क फुटबॉल महासंघ ने कहा, एरिक्सन होश में हैं और मौजूदा परिस्थितियों में उनकी हालत ठीक है।

टीवी फुटेज में डेनमार्क के मैच के 65वें मिनट में 34 साल के एरिक्सन को दोनों हाथों से अपनी छाती पकड़े हुए देखा गया। अगली टीवी फुटेज में एरिक्सन जमीन पर थे और खिलाड़ी उनके आस-पास थे। रिपोर्ट के अनुसार, डेनमार्क टीम के डॉक्टर मोर्टन बोसेन ने कहा कि एरिक्शन ठीक हैं और खुद चलकर मैदान से बाहर आए। पेसमेकर ने वैसा ही काम किया जैसा करना चाहिए था। डॉक्टर बोसेन ने कहा कि वह कुछ देर के लिए बेहोश हो गए थे, लेकिन बहुत जल्दी होश में आ गए। अब अस्पताल में उनकी और जांच होगी ताकि पता चल सके कि यह घटना क्यों हुई।

इस घटना ने 2021 की उन डरावनी यादों को ताजा कर दिया, जब कोपेनहेगन में फिनलैंड के खिलाफ यूरो 2020 मैच के दौरान एरिक्सन गिर पड़े थे और उन्हें जान बचाने वाला सीपीआर ट्रीटमेंट दिया गया था। फिनलैंड के खिलाफ मैच के 43वें मिनट में उनके गिरने के कारण खेल को लगभग 90 मिनट के लिए रोकना पड़ा था, जिसके बाद दोनों टीमों ने खेलना जारी रखने का फैसला किया। फिनलैंड ने यह मैच 1-0 से जीता था। बाद में एरिक्सन के शरीर में एक खास उपकरण लगाया गया, जिसे 'इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर-डिफिब्रिलेटर' (आईसीडी) कहा जाता है।

एरिक्सन ने प्रीमियर लीग में 310 मैच खेले हैं। वह 2013 से 2020 के बीच टोटेनहम में थे। वह एजेक्स, ब्रेंटफोर्ड और इंटर मिलान के लिए भी खेल चुके हैं। उन्होंने 151 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 46 गोल किए हैं।

अंबेडकर नॉलेज सेंटर का निर्माण तेज़ी से होगा : भट्टी विक्रमार्क

कुल 135 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को स्वीकृति

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि जनता की सरकार राज्य में एक मजबूत कल्याणकारी राज्य के निर्माण के संकल्प के साथ काम कर रही है। वे रविवार को लोअर टैंक बंड के पास बनने वाले डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर नॉलेज सेंटर (अनुमानित लागत 110 करोड़) तथा काचीगुड़ा के निम्बोली अड्डा स्थित एससी हॉस्टल (अनुमानित लागत 25 करोड़) के स्थल निरीक्षण के बाद बोल रहे थे।

इस प्रकार कुल 135 करोड़ की परियोजनाओं को सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि दोनों भवनों के लिए वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृतियां पहले ही जारी की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि ये भवन केवल भौतिक संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि ऐसे आधुनिक ज्ञान मंदिर हैं जो हजारों विद्यार्थियों की शिक्षा और ज्ञान को बढ़ाने में सहायक होंगे। सरकार का उद्देश्य राज्य के बेरोजगार युवाओं को कोचिंग की कठिनाइयों से स्थायी रूप से मुक्ति दिलाना है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री ने 'डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर नॉलेज सेंटर' (टैंक बंड के पास) तथा 'निम्बोली अड्डा हॉस्टल' परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि टैंक बंड के पास बनने वाला अंबेडकर नॉलेज सेंटर बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और 10 अतिरिक्त मंजिलों वाला होगा।

वहीं निम्बोली अड्डा में बनने वाला हॉस्टल तीन मंजिला होगा, जिसे दलित और वंचित समुदायों की लंबे समय से चली आ रही मांग और सपना बताया गया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्माण कार्य राज्य के सभी ज्ञानार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी होगा और सरकार ने प्रस्ताव मिलते ही तुरंत धनराशि स्वीकृत कर दी है। उन्होंने कहा कि जनता की सरकार बनने के बाद यह स्पष्ट निर्णय लिया गया था कि राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में डॉ. बी.आर. अंबेडकर नॉलेज सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इससे गरीब, पिछड़े, वंचित और मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्रों को कोचिंग के लिए हैदराबाद आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। भविष्य में एक ऐसा सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसके तहत मुख्य केंद्र से श्रेष्ठ प्राध्यापक ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाएंगे और विद्यार्थी अपने-अपने क्षेत्रों में रहकर डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से कोचिंग प्राप्त कर सकेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह नॉलेज सेंटर केवल भवन नहीं बल्कि एक सतत शिक्षा मंच होगा, जो लाखों विद्यार्थियों के ज्ञान-विकास में मदद करेगा। दैनिक मजदूरों, किसान परिवारों और छोटे व्यापारियों के बच्चों को कोचिंग के लिए शहरों में आने पर भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है, इसी को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि सरकारी नौकरियों की अधिसूचनाएं जारी करने के साथ-साथ यह केंद्र राज्यभर के बेरोजगार युवाओं को निःशुल्क कोचिंग सुविधा प्रदान करेगा। टैंक बंड स्थित मुख्य केंद्र से देश-विदेश के श्रेष्ठ शिक्षक ऑनलाइन कक्षाएं लेंगे, जो सभी अंबेडकर नॉलेज सेंटर्स से जुड़ी होंगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि टैंक बंड परिसर में अध्ययन मंडल, डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल बनाए जाएंगे, जहां वैश्विक विद्वानों के सेमिनार भी आयोजित होंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पुराने भवन को ध्वस्त करने के लिए 5 करोड़ पहले ही जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने 2016 में शिलान्यास किया था, लेकिन विभिन्न कारणों से निर्माण पूरा नहीं हो सका। वर्तमान सरकार इसे शीघ्र पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। निम्बोली अड्डा हॉस्टल के संबंध में उन्होंने कहा कि यह हॉस्टल अविभाजित राज्य काल से ही गरीब छात्रों को आश्रय देता रहा है और कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को तैयार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब इसका आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिसका प्रस्ताव बजट सत्र में रखा गया था। निरीक्षण के दौरान अनिल कुमार यादव, मुता गोपाल, कालेरू वेकटेश, ए. दयाकर , तेलंगाना क्रिश्चियन माइनॉरिटी फाइनेंस कॉर्पोरेशन के चेयरमैन दीपक जॉन तथा सामाजिक कल्याण विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति आयोग से बीआरएस प्रतिनिधिमंडल दिल्ली रवाना

राष्ट्रपति आदेश में संशोधन की उठेगी मांग

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दलित ईसाइयों को अनुसूचित जाति का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को नई दिल्ली में न्यायमूर्ति के. बालकृष्णन की अध्यक्षता वाले आयोग से मुलाकात करेगा। प्रतिनिधिमंडल में बीआरएस के महासचिव आर.एस. प्रवीण कुमार, राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र, पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर और पार्टी नेता मेदे राजीव सागर शामिल रहेंगे। पार्टी आयोग के समक्ष एक ज्ञापन प्रस्तुत करेगी, जिसमें यह तर्क दिया जाएगा कि ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी दलित समुदाय के लोगों की सामाजिक स्थिति में वास्तविक बदलाव नहीं आया है और वे आज भी सामाजिक भेदभाव और पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें अनुसूचित जातियों को मिलने वाली संवैधानिक सुरक्षा और लाभ जारी रहने चाहिए।

बीआरएस राष्ट्रपति के वर्ष 1950 के आदेश में संशोधन की भी मांग करेगी, जिसके तहत वर्तमान में दलित ईसाइयों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने से वंचित रखा गया है। पार्टी का कहना है कि यह व्यवस्था सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है।

बाहर से आए लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी : वीसी सज्जनार

मछली प्रसाद वितरण कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था का पुलिस कमिश्नर ने निरीक्षण किया

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में आयोजित होने वाले मछली प्रसाद वितरण कार्यक्रम की सुरक्षा और व्यवस्थाओं का हैदराबाद पुलिस कमिश्नर ने मौके पर पहुंचकर विस्तृत निरीक्षण किया। पुलिस कमिश्नर ने ग्राउंड में बनाए गए कतार व्यवस्था, काउंटर, तथा मिनी कमांड कंट्रोल सेंटर की कार्यप्रणाली की बारीकी से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) तफ़सीर इक़बाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) डी. जोएल डेविस, डीसीपी सीएआर हेडक्वार्टर्स आर. वेंकटेश्वरलु, गोलकोंडा डीसीपी चंद्र मोहन तथा ट्रैफिक डीसीपी काजल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने मीडिया से बात की, जिसके लिए बत्तिनी गौड़ परिवार और राज्य सरकार के सहयोग से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि देशभर से लगभग 25 हजार से अधिक लोग पहले ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके हैं। भीड़ को देखते हुए करीब 1000 पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। कमिश्नर ने कहा कि किसी भी प्रकार की चोरी या अप्रिय घटना को रोकने के लिए क्राइम टीमें, शी-टीम और टास्क फोर्स के जवान भी तैनात किए गए हैं। विभिन्न राज्यों से आए लोगों की सुविधा के लिए कमांड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से तेलुगु के अलावा ओडिया, कन्नड़, मराठी और गुजराती भाषाओं में भी घोषणाएं की जाएंगी। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि स्थानीय यातायात प्रभावित न हो। वहीं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए मेडिकल टीमों और पांच एंबुलेंसों को भी तैनात किया गया है। पुलिस ने अपील की है कि आज बाहर से आए लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि स्थानीय नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे भीड़ को देखते हुए अगले दिन कार्यक्रम में आएं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रसाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, इसलिए किसी तरह की अफवाहों या भ्रम पर ध्यान न दें। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और प्रशासन को सहयोग देने की अपील की है।

प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान 121 शिकायतें प्राप्त

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान कुल 121 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएँ जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) चंद्र रेड्डी को सौंपकर समाधान की मांग की। कार्यक्रम में बोलते हुए अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि प्रजावाणी का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों की प्राथमिकता के आधार पर जांच कर शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी आवेदन को लंबित न रखा जाए और नियमित रूप से उनकी समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि नागरिकों को समय पर न्याय और राहत मिल सके। आंकड़ों के अनुसार, कार्यक्रम में राजस्व विभाग से संबंधित 27 शिकायतें और अन्य विभागों से संबंधित 94 आवेदन प्राप्त हुए, जिससे कुल 121 शिकायतें दर्ज की गईं। इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी अनंत रेड्डी, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, कलेक्ट्रेट अधीक्षक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे और कार्यक्रम की कार्यवाही में भाग लिया।

लापता बी. टेक छात्र मामले का दुखद अंत, आंध्र प्रदेश के कुएं में मिला शव

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। काचीगुड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक लापता बी.टेक छात्र के मामले का दुखद अंत हुआ है। पुलिस को आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में एक कुएं से मिले शव की पहचान लापता छात्र के रूप में होने की आशंका है। यह मामला जगतियाल जिले के निवासी अंकम राजेश्वर की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार उनका पुत्र अंकम राहुल, जो सैदाबाद स्थित लक्ष्मीकला बॉयज हॉस्टल में रहकर बी.टेक की पढ़ाई कर रहा था, 27 मई 2026 से लापता था। उसे आखिरी बार काचीगुड़ा टूरिस्ट जंक्शन पर देखा गया था, जहां वह अपने मित्र की बाइक से उतरकर कुछ दोस्तों के साथ जाने की बात कहकर वहां से चला गया था। इसके बाद से छात्र का कोई सुराग नहीं मिला, जिसके चलते काचीगुड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच के दौरान सभी संभावित पहलुओं की जांच की और विभिन्न तकनीकी व मानवीय सुरागों को खंगाला। जांच के दौरान 7 जून की रात पुलिस टीम को महत्वपूर्ण जानकारी मिली कि 30 मई को प्रकाशम जिले के

सिंगरायकोंडा थाना क्षेत्र में एक कुएं से एक अज्ञात शव बरामद किया गया था। इस संबंध में वहां पहले से ही एक अलग मामला दर्ज था। बरामद शव के साथ मिले सामान और पहचान संबंधी विवरणों की जांच करने पर उनके लापता छात्र अंकम राहुल से मेल खाने की संभावना पाई गई है। हालांकि अंतिम पुष्टि के लिए डीएनए परीक्षण किया जाना बाकी है। पुलिस ने यह दुखद जानकारी मृतक के परिजनों को सूचित कर दी है। मामले की आगे की जांच जारी है। काचीगुड़ा पुलिस स्टेशन के अनुसार, इस पूरे प्रकरण में सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है ताकि घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

मोदी के ऐतिहासिक कार्यकाल के उपलक्ष्य में विशेष पूजा कार्यक्रम कल

राज्यव्यापी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रम

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी के ऐतिहासिक जनसेवा कार्यकाल के उपलक्ष्य में 10 जून को तेलंगाना के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष पूजा-अर्चना और प्रार्थना कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। पार्टी ने कहा कि देश के इतिहास में जनता द्वारा लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में मोदी एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने जा रहे हैं। इस अवसर को भव्य रूप से मनाने के लिए राज्यव्यापी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन तथा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव के निर्देश पर आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, गरीब कल्याण और विश्व मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को स्मरण किया जाएगा। पार्टी के अनुसार, 10 जून को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों तथा अन्य पूजा स्थलों में विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की जाएंगी। स्थानीय परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना, अभिषेक, हवन और महाआरती का आयोजन होगा। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, मोर्चा कार्यकर्ताओं, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में समर्थकों और शुभचिंतकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। भाजपा ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में शामिल होकर कार्यक्रमों को सफल बनाएं। पार्टी का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्रसेवा में निरंतर सफलता के लिए विशेष प्रार्थनाएं की जाएंगी।

तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर

करीमनगर में एक की मौत, तीन लोग घायल

करीमनगर, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के करीमनगर जिले में सोमवार को हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना थिम्मापुर मंडल के रामकृष्ण कॉलोनी और इंदिरानगर के बीच राजीव राहदारी पर उस समय हुई, जब एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से एक यात्री ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, ऑटो रिक्शा करीमनगर की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे में पारलापेल्ली निवासी कमारला येल्लैया की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, वीनावंका मंडल के देसाईपल्ली निवासी थुरपति रमेश गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा दो अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को करीमनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है। अधिकारियों ने वाहन चालकों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

खम्मम में बड़ा सड़क हादसा

रेलवे पुल से टकराकर पलटी ट्रैवल बस, सात यात्री घायल

खम्मम, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खम्मम जिले में सोमवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। पेनूबल्ली मंडल के कोठा लंकापल्ली गांव के पास यात्रियों से भरी एक निजी ट्रैवल बस रेलवे पुल से टकराकर पलट गई।

दुर्घटना में कम से कम सात यात्री घायल हो गए, जिनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों तथा पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार, केवीआर ट्रेवल्स की बस आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले के चेक्कापल्ली कस्बे से हैदराबाद जा रही थी। बस में लगभग 35 यात्री सवार थे। सोमवार तड़के जब बस कोठा लंकापल्ली गांव के निकट पहुंची, तभी वह रेलवे पुल से टकरा गई और संतुलन बिगड़ने के कारण सड़क पर पलट गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का आगे का एक्सल पूरी तरह अलग हो गया। दुर्घटना के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलने पर पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई। घायल सात यात्रियों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चार यात्रियों की हालत गंभीर होने के कारण उनका विशेष उपचार किया जा रहा है। अन्य घायलों को भी चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि बस की तेज रफ्तार दुर्घटना का मुख्य कारण हो सकती है। हालांकि, हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर बस चालक और दुर्घटना से संबंधित अन्य पहलुओं की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस हिटलर की मानसिकता से काम कर रही है : एन. रामचंद्र राव

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष रामचंद्र राव ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस की मानसिकता हिटलर जैसी है और उसे संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं तथा संवैधानिक व्यवस्थाओं पर विश्वास नहीं है। सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में उन्होंने कहा कि इसी मानसिकता के कारण पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया था और आज भी कांग्रेस एक ही परिवार के इर्द-गिर्द संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कार्यशैली देखकर जो हिटलर की चाल चलेगा, वह हिटलर की मौत मरेगा जैसी कहावत याद आती है। उनके अनुसार, तानाशाही प्रवृत्ति से चलने वाली कोई भी राजनीतिक पार्टी अंततः जनता के अस्वीकार का सामना करती है और देश में कांग्रेस शासित राज्यों की घटती संख्या इसका प्रमाण है। रामचंद्र राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बारे में की गई टिप्पणियों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक ओबीसी समुदाय से आने वाले प्रधानमंत्री और आदिवासी महिला राष्ट्रपति को सम्मान देने में कांग्रेस नेतृत्व को कठिनाई होती है, जबकि वह एक परिवार के प्रति निष्ठा दिखाने में व्यस्त है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सुबह, दोपहर और रात केवल भाजपा तथा उसके नेताओं की ही चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार के नामों के अलावा कांग्रेस नेताओं के पास कोई अन्य मुद्दा नहीं बचा है। उनका

दावा था कि प्रधानमंत्री मोदी की हालिया सभा के बाद प्राप्त रिपोर्टों से कांग्रेस को यह स्पष्ट हो गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कांग्रेस नेतृत्व में बेचैनी और भय बढ़ गया है। धान खरीद के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरते हुए रामचंद्र राव ने कहा कि सरकार किसानों को गुमराह कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय खाद्य निगम और केंद्रीय खाद्यान्न खरीद पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार देशभर में खरीदे गए 104.41 लाख मीट्रिक टन धान में से 55.31 लाख मीट्रिक टन केवल तेलंगाना से खरीदा गया है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत देशभर में किसानों को लगभग 21,243 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जिसमें से 13,171 करोड़ रुपये से अधिक तेलंगाना के किसानों को मिले हैं। उनके अनुसार एमएसपी का लाभ पाने वाले 11.69 लाख किसानों में 7.79 लाख किसान तेलंगाना के हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने समय पर खरीद केंद्र शुरू नहीं किए और किसानों को लगभग एक महीने तक परेशान किया। भाजपा के आंदोलन और किसानों के दबाव के बाद ही सरकार धान खरीद शुरू करने को मजबूर हुई। उन्होंने आगामी फसल सीजन में किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान करने की मांग की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के मुद्दे पर मुख्यमंत्री द्वारा किशन रेड्डी पर लगाए गए आरोपों को भी उन्होंने खारिज किया। रामचंद्र राव ने कहा कि उन्होंने स्वयं फडणवीस कार्यालय से बात की, जहां बताया गया कि तेलंगाना मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से कोई आधिकारिक नियुक्ति अनुरोध नहीं भेजा गया था। हैदराबाद मेट्रो, एमएमटीएस और क्षेत्रीय रिंग रोड परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि केंद्र सरकार ने हर स्तर पर वित्तीय, नीतिगत और प्रशासनिक सहयोग दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार केंद्र के योगदान को जानबूझकर छिपा रही है। उनके अनुसार हैदराबाद मेट्रो परियोजना के लिए आवश्यक सहायता और अनुमतियां केंद्र ने उपलब्ध कराईं, जबकि परियोजनाओं में देरी के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। रामचंद्र राव ने पालमूरू-रंगारेड्डी परियोजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार कालेश्वरम परियोजना को कथित तौर पर एटीएम बनाया गया, उसी तरह इस परियोजना को भी कमीशन आधारित परियोजना में बदलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच इस संबंध में गंभीर संदेह मौजूद हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अपील की कि वे केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, बंडी संजय और भाजपा नेताओं पर निराधार आरोप लगाना बंद करें तथा किसान भरोसा, फीस प्रतिपूर्ति, युवाओं से किए गए वादों और चुनावी गारंटियों के क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित करें।

फर्जी सड़क हादसे का नाटक कर बाइक-टैक्सी चालक से ठगी

चिकित्सा खर्च के नाम पर 20 हजार रुपये वसूले, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मेडिपल्ली क्षेत्र में एक बाइक-टैक्सी चालक को फर्जी सड़क दुर्घटना का झांसा देकर 20 हजार रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया। आरोप है कि तीन लोगों ने योजनाबद्ध तरीके से दुर्घटना का नाटक रचकर चालक को धमकाया और चिकित्सा खर्च के नाम पर उससे रकम वसूल ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जवाहरनगर निवासी सुरेश (29) 5 जून को अपनी बाइक-टैक्सी से एक यात्री को बोडुप्पल छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान बंगारू मैसम्मा वाइन शॉप के पास स्कूटर पर सवार तीन लोगों ने कथित तौर पर उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दो लोग मौके से चले गए, जबकि एक व्यक्ति वहीं रुक गया और दावा किया कि उसके पैर में चोट लग गई है।

आरोपी ने सुरेश को उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए राजी कर लिया। रास्ते में उसने अपने साथियों से संपर्क किया। कुछ देर बाद उसके साथी वहां पहुंच गए और सुरेश को रोककर एक सुनसान स्थान पर ले गए। आरोप है कि वहां तीनों ने उसे धमकाया और कथित घायल व्यक्ति के इलाज एवं चिकित्सा खर्च के लिए पैसे की मांग करने लगे। जब सुरेश ने पैसे देने में असमर्थता जताई तो आरोपियों ने उस पर दबाव बनाया। मजबूरी में उसने अपने एक मित्र से संपर्क किया, जिसने डिजिटल भुगतान के माध्यम से 20 हजार रुपये आरोपियों के खाते में भेज दिए। रकम मिलने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना के बाद सुरेश ने रविवार को पुलिस से संपर्क कर पूरी जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों का मानना है कि यह सुनियोजित ठगी का मामला हो सकता है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि सड़क दुर्घटना जैसी घटनाओं में सतर्कता बरतें और किसी भी संदिग्ध परिस्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें।

तेज रफ्तार बनी जानलेवा

मेदक में रेलिंग से टकराई बाइक, दो लोगों की मौत

मेदक, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मेदक जिले में रविवार देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में संगारेड्डी जिले के दो लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना कौडीपल्ली के पास बट्टेम्मागुडी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-765डी पर हुई। पुलिस के अनुसार हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, संगारेड्डी जिले के निवासी अभिषेक (35) और चंद्रकांत (39) दोपहिया वाहन से मेदक से संगारेड्डी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बट्टेम्मागुडी के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी सुरक्षा रेलिंग से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में नंदिकंडी निवासी अभिषेक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सदासिवपल्ली निवासी चंद्रकांत को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान कुछ घंटों बाद उसकी भी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल की। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों से विशेष रूप से रात के समय सावधानीपूर्वक वाहन चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने और सड़क सुरक्षा नियमों का अनुपालन करने की अपील की है, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.